रांची

www.vananchaleye@gmail.com

हिन्दी दैनिक
वनांचल आई

हर खबर पर पहली नजर

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:68 | शुक्रवार,14 नवम्बर

ब्रीफ न्यूज

झारखंड में कल तक आठ जिलों में शीतलहर चलने का अलर्ट

संवादाता

रांची : झारखंड के आठ जिलों में कहीं-कहीं 15 नवंबर तकशीतलहर चलने की आशंका है इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।यह जानकारी मौसम विभाग ने गुरुवार को दी है। विभाग की ओर से राज्य के जिन जिलों में शीतलहर चलनेकी आशंका व्यक्त की गई है उनमेंझारखंड के पश्चिमी जिले पलामू, गढ़वा, लातेहार, और चतरा के अलावा इससे सटे मध्यवर्ती जिले रांची, गुमला, लातेहार और सिमडेगा शामिल है।वहीं इन दिनों राजधानी रांचीसहित पूरा झारखंड कड़ाके की चपेट में है। ठंड की वजह से शाम होते ही सड़कों पर वाहनों की संख्या सामान्य दिनों की तुलना मेंकम दिखाई दे रही हैं। भारी ठंडके चलते लोगों की दिनचर्या भी प्रभावित हुई है। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिकतापमान 30.4 डिग्री चाईबासा मेंऔर सबसे कम तापमान खूंटी में 8.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।वहीं गुरुवार को रांची और आसपास के इलाके में दिनभर मौसम साफ रहा। सुबह में भारीकनकनी महसूस हुई।

पुणे में 25 गाडियां टकराईं, 9 लोगों कीमौत,इनमें 5 जंदा जले

एजेंसी

पुने : पुणे के बाहरी इलाके में नवले ब्रिज के पास गुरुवार शाम एक ट्रक का ब्रेक फेल होने से 20 से 25 गाडियां आपस में टकरा गईं। ट्रक सबसेपहले एक कार से टकराया। कार आगे जा रहे कंटेनर से भिड़ गई और उसमें आग लग गई। ट्रक भी जल गया। हादसे में कार सवार 5 लोग जिंदाजल गए। ट्रक ड्राइवर समेत 9 लोगों की मौत हो गई। हादसे में करीब 20 लोग घायल भी हुए हैं।पुलिस के मुताबिक हादसा पुणे-नासिक हाईवे पर भोरगांव के पास हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह से कंटेनर और ट्रक के बीच दब गई और आग लगने के कुछ सेकेंड में ही लपटों में घिर गई। मृतकों की पहचान की जा रही है। हादसे के बाद करीब एकघंटे तक हाईवे पर ट्रैफिक प्रभावित रहा।

निलंबित राजस्वकर्मीभानु प्रताप को नहीं मिली जमानत

रांची : जमीनफर्जीवाड़ा मामले में निलंबितराजस्वकर्मी भानु प्रताप प्रसाद को जमानत देने से कोर्ट ने इनकार कर दिया है।एसीबी की विशेष कोर्ट ने जमानतयाचिका खारिज कर दी है। भानु प्रताप प्रसाद पर अंचल के कागजात से छेड़छाड़ करने और सरकारी दस्तावेज को अपने घर में अवैध तरीके से रखने का आरोप है। बड़गाई अंचल के तत्कालीनसीओ मनोज कुमार की शिकायत पर सदर थाना में एक जून 2023 को प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। इसी केसको ईडी ने टेकओवर कर ईसीआईआर दर्ज की थी।

बिहार में किसके सिर सरकार का ताज, फैसला आज

राज्य के 38 जिलों के 46 केंद्रों पर आज की जाएगी मतगणना, तैयारी पूरी

एजेंसी

पटना : बिहार विधानसभा चुनाव संपन्न होने के उपरांत मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने शुक्रवार को राज्य के 46 मतगणना केंद्रों पर मतों की गिनती कराने को लेकर तैयारियां सुनिश्चित कर ली हैं। बिहार में बीते 6 और 11 नवंबर को संपन्न 243 सदस्यीय विधानसभा के लिए 67.13 प्रतिशत रिकॉर्ड मतदान दर्ज किया गया है।शुक्रवार को मतगणना होगी और उसके बाद यह फैसला हो जाएगा कि बिहार की जनता ने सरकार का ताज किसके सिर पहनाया है।चुनाव आयोग ने राज्य के 38 जिलों में कुल 46 मतगणना केंद्र बनाए हैं।कुल 7.45 करोड़ मतदाता 2,616 उम्मीदवारों के चुनावी भाग्य का फैसला कर चुके हैं।इंतजार अब परिणाम का है। शुक्रवार को सुबह आठ बजेसर्वप्रथम डाक मतपत्रों की गिनती शुरू होगी। इसके उपरांत 8.30 बजे से ईवीएम की गिनती शुरू कराने के निर्देश सभी अधिकारियों को दिए गए हैं।भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप मतगणना की तैयारियों को लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। मतगणना केंद्र की सुरक्षा एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सख्त प्रोटोकॉल निर्धारित किए गए हैं।

मतगणना

स्थल पर कोई भी व्यक्ति मोबाइल फोन लेकर नहीं जा सकेगा। आयोग ने सभी निर्वाची अधिकारियों, मतगणना पर्यवेक्षकों, माइक्रो आब्जर्वर एवं सहायकों को निर्देश दिया गया है कि स्वतंत्र, निष्पक्ष, भयमुक्त और पारदर्शी मतगणना कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

घाटशिला उपचुनाव का परिणाम आज, 20 राउंड में होगी मतगणना

जमशेदपुर : जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र की घाटशिला विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव का परिणाम 14 नवंबर (शुक्रवार) को आएगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि 20 राउंड में वोटों की गिनती होगी। मतगणना को लेकरसुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। जमशेदपुर के बिस्टुपुर स्थित को-ऑपरेटिव कॉलेज मे स्ट्रांग रूम बनाया गया है, जहां ईवीएम कड़ी सुरक्षा में रखी गई है।45 सीसीटीवी से मॉनिटरिंग की जा रही है, जबकि सुरक्षा के तीन लेयर बनाए गए हैं। बता दें कि घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में कुल तीन सौ मतदान केंद्र बनाए गए थे। 11 नवंबर को हुए मतदान हुआ था। इस उपचुनाव में कुल 13 प्रत्याशी हैं, जिनमें एक महिला प्रत्याशी शामिल हैं। सभी के भाग्य का फैसला शुक्रवार को मतगणना के बाद सामने आएगा।

बड़ी खबर : सारंडा वनक्षेत्र मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

देश भर के राष्ट्रीय उद्यानों, अभयारण्यों के एक किमी दायरे में नहीं होगा खनन कार्य

झारखंड सरकार को सारंडा वन क्षेत्र को वन्यजीव अभयारण्य के रूप में अधिसूचित करने का निर्देश

एजेंसी

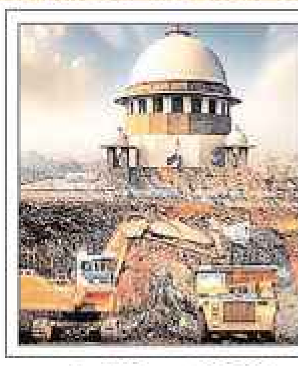

- 27 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने सुरक्षित रख लिया था फैसला . इस फैसले से सारंडा वनक्षेत्र के आदिवासियों और वनवासियों के न तो व्यक्ति गत अधिकार और न ही सामुदायिक अधिकार प्रभावित होंगे

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बड़ा आदेश देते हुए देश भर के राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों के एक किलोमीटर केदायरे में खनन गतिविधियों परप्रतिबंध लगा दिया। यह फैसला भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ नेसुनाया। पीठ ने जोर देकर कहा कि खनन गतिविधियां वन्यजीवों केलिए खतरनाक होंगी। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड में सारंडा वन्यजीव अभयारण्य (एसडब्ल्यूएल) और सासंगदाबुरु संरक्षण रिजर्व (एससीआर) के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों को संरक्षण रिजर्व के रूप में अधिसूचित करने से संबंधित याचिकाओं पर यह फैसला सुनाया सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की भी पीठ ने कहा कि इस न्यायालय का यह लगातार मानना रहा है कि संरक्षित क्षेत्र के एक किलोमीटर के दायरे में खनन गतिविधियां वन्यजीवों के लिए खतरनाक होंगी। पीठ ने कहा किहालांकि गोवा फाउंडेशन के मामले में उक्त निर्देश गोवा के संबंध में जारी किए गए थे, लेकिन न्यायालय का मानना है कि ऐसे निर्देश अखिल भारतीय स्तर पर जारी किए जाने चाहिए। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले झारखंड सरकार से पारिस्थितिक रूप से समृद्ध सारंडा क्षेत्र को आरक्षित वन घोषित करने का निर्णय लेने को कहा था।

आदेशों का पालन नहीं होने से नाराज था सुप्रीम कोर्ट

27 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड में सारंडा वन्यजीव अभयारण्य और सासंगदाबुरु संरक्षण रिजर्व के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों को संरक्षण रिजर्व के रूप में अधिसूचित करने से संबंधित मुद्दों पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब गुरुवार को यह फैसला मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के.विनोद चंद्रन की पीठ ने दिया। अदालत ने अपने पुराने 3 जून 2022 के आदेश में संशोधन करते हुए कहा कि अब से किसी भी राष्ट्रीय उद्यान या अभयारण्य के अंदर या उसके एक किलोमीटर के दायरे में खनन की अनुमति नहीं दी जाएगी। मुख्य न्यायाधीश ने फैसला सुनाते हुए कहा, 'हम निर्देश देते हैं कि राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों के भीतर और ऐसे राष्ट्रीय उद्यान या वन्यजीव अभयारण्य की सीमा से एक किलोमीटर के दायरे में खनन की अनुमति नहीं होगी।' पीठ ने झारखंड सरकार को इस तथ्य का व्यापक प्रचार करने का निर्देश दिया कि इस फैसले से सारंडा क्षेत्र के आदिवासियों और वनवासियों के न तो व्यक्तिगत ।

स्थापना दिवस : मंत्री सुदिव्य ने हरी झंडी दिखाकर साइकिल रैली को किया रवाना

संवाददाता

रांची : झारखंड स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में गुरुवार को रांची में राज्य सरकार की ओर से 'नो योर टूरिस्ट प्लेसेस' के तहत साइकिल रैली को रवाना किया गया। बतौर मुख्य अतिथि खेल मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने मोरहाबादी के बापू वाटिका से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस रैली में युवाओं ने बड़े जोश और उत्साह के साथ हिस्सा लिया। यह रैली इसलिए भी खास है, क्योंकि यह सीधे धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थलीखूंटी के उलिहातु तक जाएगी। खेल मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि हमारे पुरखों, जिन्होंने अलग राज्यके लिए संघर्ष करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया, उनके प्रयासों के कारण आज हम झारखंड को एक युवा और प्रगतिशील राज्यके रूप में देख पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों के तहत साइकिल रैली का आयोजन कियागया है। यह साइकिल रैली बापूवाटिका, मोरहाबादी मैदान, रांची से प्रारंभ होकर लतरातु डैम (रिसोर्ट) तक जाएगी। 14 नवंबर को प्रतिभागी लतरातु से रांची के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण करते हुए खूंटी जिले में रात्रि विश्राम करेंगे। 15 नवंबर को रैली खूंटी से भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातु पहुंचेगी।

सीबीआई ने सरायकेला डाकघर के दो अधिकारियों को घूस लेते दबोचा

ग्रामीण डाक सहायक के पद पर योगदान दिलाने के लिए मांगी गई थी रिश्वत

संवाददाता

सरायकेला-खरसावां जिले के सरायकेला पोस्टऑफिस में भ्रष्टाचार पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ी कार्रवाई की है। सीबीआई ने गुरुवार कोसरायकेला डाकघर के पोस्टलअसिस्टेंट और इंस्पेक्टर को 20हजार रुपये रिश्वत लेते समय दबोच लिया। इस दौरान दोनों के पास से नकद रुपये औरआवश्यक दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं। फिलहाल सीबीआई दोनों अधिकारियों से पूछताछ कररही है।जानकारी के अनुसार, दोनोंअधिकारियों ने ग्रामीण डाकसेवक (जीडीएस सह असिस्टेंट ब्रांच पोस्टमास्टर) के पद पर कमलपुर शाखा में रंजन दास कायोगदान स्वीकार करना था। इसकेएवज में इन्होंने 20 हजार रुपये घूस की मांग की थी। पीड़ित व्यक्ति ने 11 नवंबर को सीबीआई से इसकी शिकायत की थी। इसकेबाद सीबीआई ने पूरे मामले की अपने स्तर से जांच की, तो मामले को सही पाया। इसके बादसीबीआई की टीम ने योजना बनाकर दोनों अधिकारियों को घूस लेते दबोच लिया। वहां बता दें कि कमलपुर डाकघर, सरायकेला उप-डाकघर के अधीन आता है। ऑफिस व आवास की तलाशी गिरफ्तारी के बाद सीबीआई ने कार्यालय और दोनों के आवास की भी तलाशी ली, जिसमें कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और कुछ नकद रुपये भी बरामद हुए हैं। फिलहाल मामले की विस्तृत जांचकी जा रही है। सीबीआई इस बात का पता भी लगा रही है।

मंत्री शिल्पी नेहा ने दो माह में को-ऑपरेटिव बैंक के सीईओ की नियुक्ति का दिया निर्देशं

संवाददाता

रांची : रांची के हेसाग स्थित पशुपालन निदेशालय में झारखंड के कृषि, पशुपालन एवं सहकारितामंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने गुरुवार को को-ऑपरेटिव बैंक, आरबीआई और नाबार्ड के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्णबैठक की। इसमें मंत्री ने को-ऑपरेटिव बैंक में रिक्त पड़े सीईओ पद को लेकर अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में झारखंड को-ऑपरेटिव बैंक के सीईओ नियुक्ति अगले दो माह में पूर्ण करने का निर्देश दिया। इसको लेकर अविलंब नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की जाएगी। सीईओ की नियुक्ति के बाद बैंक में रिक्त पदों पर नियुक्ति और प्रोन्नति की प्रक्रियाशुरू होगी। बैठक के दौरान कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने को-ऑपरेटिव बैंक द्वारा लैंप्स पैक्स के माध्यम से केसीसी वितरण की वर्तमान जानकारी ली। केसीसी के मामले मेंमंत्री ने लैंप्स-पैक्स के साथ-साथ को-ऑपरेटिव बैंक द्वारा सीधे तौर पर लैंप्स पैक्स के सदस्यों को लोनका लाभ देने का निर्देश दिया है इसके लिए को-ऑपरेटिव बैंक अपने बोर्ड की बैठक में प्रस्ताव पास करेगा। ऐसा करने से केसीसी के लाभुकों की संख्या में इजाफा होने के साथ योजना को गति मिलेगी। बैठक में नाबार्ड और आरबीआई को निर्देशित किया गया है कि वो समय-समय पर को- ऑपरेटिव बैंक के कर्मियों को प्रशिक्षण देने का काम करेंगे, ताकिबैंक कर्मी वित्तीय गतिविधि सेहमेशा अपडेट रह सकें। बैठक में को-ऑपरेटिव बैंक।

दिल्ली ब्लयासट : खुलासा 6 दिसंबर को ही ब्लास्ट करने का बनाया गया था प्लान,

आतंकवादियों ने पूरे देश में 32 कारों से धमाके की बनाई थी योजना

एजेंसी

नई दिल्लीः लाल किले के पास10 नवंबर को हुए धमाके की जांच के दौरान गुरुवार को बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आतंकी 6 दिसंबर को बाबरी मस्जिद ढहाए जाने के दिन दिल्ली समेत कईजगह धमाके करना चाहते थे। इसके लिएउन्होंने 32 कारों का इंतजाम किया था। इनमें बम और विस्फोटक सामग्री भरकर धमाकेकिए जाने थे। इनमें ब्रेजा, स्विफ्ट डिजायर,इकोस्पोर्ट और आई-20 जैसी गाड़ियां शामिल थीं। जांच एजेंसियों को अब तक चार कारें बरामद हो चुकी हैं। गुरुवार को विस्फोट केसंदिग्धों से जुड़ी एक कार फरीदाबाद स्थितअल फलाह विश्वविद्यालय में खड़ी मिली।

फरीदाबाद पुलिस ने कहा कि जम्मू-कश्मीरपुलिस इस ब्रिजा कर की जांच कर रही है। हरियाणा में पंजीकृत यह कार विश्वविद्यालय की पार्किंग में मिली है। पार्किंग में मौजूद अन्य कारों की भी जांच की जा रही है।दिल्ली को दहलाने की साजिश जनवरी से रची जा रही थी।गिरफ्तार आरोपियों के मोबाइल डंप डेटा से पता चला कि फरीदाबादकी अल फलाह यूनिवर्सिटी सेगिरफ्तार असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ.मुजम्मिल गनी और धमाके में कथित रूप से मारे गए डॉ. उमर नबी ने जनवरी में कई बार लालकिले की रेकी की थी। दोनों ने वहां की सुरक्षा-और भीड़ का पैटर्न समझा था। पुलिस को शक है किआतंकियों की प्लानिंग 26 जनवरी पर लाल किले पर हमले की थी, जो तब नाकाम हो गई।जांच में यह पता चला है कि नई दिल्ली में 6 दिसंबर को आतंकी हमला करना चाहते थे, लेकिन मुजम्मिल की गिरफ्तारी से प्लान बिगड़ गया। यह बात 8 आरोपियों से पूछताछ में सामने आई है। इस अंतरराज्यीय मॉड्यूल का केंद्र फरीदाबाद में था। गिरफ्तार आतंकियों में 6 डॉक्टर हैं। श्रीनगर का रहने वाला एक अन्य संदिग्ध डॉ. निसार फरार है। वह डॉक्टर्स एसोसिएशन आफ कश्मीर का अध्यक्ष भी है। अल फलाह में पढ़ा रहा था। जम्मू-कश्मीर सरकार नेडॉ. निसार को बर्खास्त कर दिया है।दिल्ली लाल किला ब्लास्ट में एनआईए,एनएसजी, आईबी और दिल्ली पुलिस के बाद 5वीं जांच एजेंसी।

जिस आई-20 कार में हुआ धमाका, इसी सीरियल रिवेंज अटैक की थी हिस्सा

10 नवंबर को जिस आई-20 कार मेंधमाका हुआ था, वह इसी सीरियलरिवेंज अटैक का हिस्सा थी। ब्लास्ट से अब तक 13 लोगों की मौत होचुकी है, जबकि 20 लोग घायल हैं,जिनमें से तीन की हालत नाजुक बताईजा रही है। वहीं, केंद्र सरकार ने दिल्ली कार ब्लास्ट को आतंकी हमलामाना है। बुधवार को कैबिनेट मीटिंगमें टेरर अटैक पर प्रस्ताव पारित किया गया। पुलिस ने आशंका जताई थी कि दिल्ली धमाके में शामिल आतंकियों के पास एक नहीं, बल्कि दोकारें थीं। बुधवार को इसकी तलाशके लिए दिल्ली के साथ पड़ोसी राज्यों यूपी और हरियाणा में अलर्ट जारीकिया गया था। इसके बाद हरियाणा के खंदावली गांव में लावारिस गाड़ीकी खबर सामने आई। इस गाड़ी कीजांच के लिए एनएसजी बॉम्ब स्क्वाड की टीम पहुंची।

पेसा मामले में झारखंड हाईकोर्ट का राज्य सरकार से सवाल

झारखंड के अनुसूचित क्षेत्रों में कैसे हो रहा भूमि हस्तांतरण का काम?

संवादाता

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि शिड्यूल एरिया (अनुसूचित क्षेत्र) में भूमि के पट्टे या बिक्री के माध्यम सेहस्तांतरण कैसे हो रहा है।इसकेअलावा, शराब लाइसेंसों के आवंटन और लघु वन उपज की नीलामी कैसे हो रही है ? जबकि1996 में संसद से पारित पेसा अधिनियम के तहत अनुसूचित क्षेत्र में ये अधिकार ग्राम सभा के अधीन आते हैं। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर इन सवालों के जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट ने राज्य में बालूसहित लघु खनिज खनन के आवंटन पर रोक बरकरार रखी है। हाईकोर्ट अब तक पेसा नियमावली नहीं बनने के खिलाफ आदिवासी बुद्धिजीवी मंच की अवमानना याचिका पर गुरुवार को सुनवाई कर रहा था। मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की पीठ ने राज्य सरकार को आदिवासीबुद्धिजीवी मंच द्वारा दायर आवेदन पर तीन सप्ताह के भीतर जवाब देने का निर्देश दिया है। इधर, मंच नेडीएमएफटी फंड के वितरण पर रोक लगाने की भी मांग की है। राज्य सरकार से कारण बताने को कहा गया है कि भूमि हस्तांतरण,शराब लाइसेंस प्रदान करने और पेसा नियमों की अधिसूचना में देरी करने की शक्तियों पर रोक लगाने के आदेश को क्यों न बढ़ाया जाए। मामले की अगली सुनवाई अब 4दिसंबर को होगी। झारखंड हाईकोर्ट ने 29 जुलाई 2024 को राज्य सरकार को पेसा अधिनियम, 1996 के तहत ग्राम सभाओं को शक्तियां प्रदान करने के लिए पेसा नियमों को अधिसूचित करने का निर्देश दियाथा। जनवरी 2025 में आदिवासी बुद्धिजीवी मंच द्वारा दायर अवमानना याचिका पर राज्य सरकार को नोटिस जारी किया था। लेकिन, राज्य सरकार द्वारा नियमों को अभी तक अधिसूचित नहीं किया गया है। आदिवासी बुद्धिजीवीमंच के वकील अभिषेक राय औरज्ञानंत सिंह ने कोर्ट को बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने माना है कि अवमाननाकर्ता को गैर-अनुपालन का लाभ नहीं मिलना चाहिए।

स्वस्थ झारखंड, सुखी झारखंड अभियान में भारतीय डाक विभाग की अहम भागीदारी

रांची, संवाददाता ।

झारखंड में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और जन-जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए भारतीय डाक विभाग ने स्वस्थ झारखंड, सुखी झारखंड अभियान में भागीदारी की है. इसके तहत भारतीय डाक विभाग, झारखंड परिमंडल और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड सरकार के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए. यह एमओयू रांची स्थित राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यालय में निदेशक नीरज प्रकाश झा (भा. डा. से.) और निदेशक डाक सेवाएं, आरके चौधरी, झारखंड परिमंडल, रांची के बीच संपन्न हुआ.

इस सहयोग का उद्देश्य राज्य के हर गांव और दूरदराज इलाकों तक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है. भारतीय डाक विभाग के झारखंड परिमंडल के 4,500 से अधिक डाकघरों के विस्तृत नेटवर्क का उपयोग कर ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और सुविधाएं पहुंचाई जाएंगी. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से दी जा रही सेवाओं को अब भारतीय डाक विभाग की इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक सेवा के जरिए और प्रभावी बनाया जाएगा. इसके अंतर्गत परिवार नियोजन सामग्री की आपूर्ति और वितरण का कार्य भी डाक विभाग के माध्यम से किया जाएगा.

भारतीय डाक विभाग राज्यभर में अपने विभिन्न डाकघरों, उप डाकघरों और शाखा डाकघरों के नेटवर्क के माध्यम से लोगों तक स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी और लाभ पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. डाक सेवा - जन सेवा के मूल मंत्र के साथ झारखंड परिमंडल का डाक विभाग अपने व्यापक नेटवर्क और कर्मियों की समर्पित टीम के सहयोग से राज्य की जनता के स्वास्थ्य कल्याण के लिए तत्पर है.

झारखंड राज्य के 25 साल: स्थापना दिवस पर मोरहाबादी मैदान में होगा भव्य समारोह

रांची, संवाददाता ।

झारखंड राज्य के 25वें स्थापना दिवस को लेकर राजधानी रांची में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा साझा की. डीसी ने बताया कि इस बार झारखंड का स्थापना दिवस न केवल राज्य स्तरीय भव्य आयोजन के रूप में बल्कि राज्य की संस्कृति, परंपरा और गौरव के उत्सव के तौर पर मनाया जाएगा.

14 नवंबर को वॉल पेंटिंग और सजावट

डीसी ने बताया कि स्थापना दिवस की पूर्व संध्या यानी 14 नवंबर को रांची शहर के कई स्थानों पर वॉल पेंटिंग की जाएगी. जिसमें झारखंड की कला, लोकजीवन और सांस्कृतिक प्रतीक दर्शाए जाएंगे. सरकारी भवनों और प्रमुख चौकों को रोशनी और झारखंडी थीम से सजाया जाएगा.

15 नवंबर को मोरहाबादी मैदान में मुख्य समारोह

राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम 15 नवंबर को मोरहाबादी मैदान में आयोजित होगा. इस अवसर पर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मुख्य अतिथि होंगे. डीसी ने बताया कि दर्शक दोपहर 1 बजे तक अपने निर्धारित स्थानों पर बैठ जाएंगे, इसके बाद औपचारिक कार्यक्रमों की शुरुआत होगी. मोरहाबादी मैदान को झारखंड की थीम पर सजाया गया है, जहां मंच पर राज्य की उपलब्धियों और विकास योजनाओं की झलक प्रस्तुत की जाएगी.

16 नवंबर को ऐतिहासिक जतरा का आयोजन

डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि इस बार 16 नवंबर को एक विशेष हाजतराह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें लगभग चार हजार लोग शामिल होंगे. उन्होंने बताया इस तरह का भव्य जतरा कार्यक्रम पहले कभी नहीं हुआ है. यह जतरा जैप-1 परिसर से शुरू होगी और इसमें झांकियां, पारंपरिक नृत्य, वाद्ययंत्र और झारखंड की जनजातीय संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी.

सांस्कृतिक कार्यक्रम और आकर्षक ड्रोन शो

झारखंड स्थापना दिवस समारोह के दौरान रविवार को सुबह 10 बजे से कार्यक्रमों की शुरुआत होगी. शाम 4 बजे से रात 8 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें देश-विदेश में झारखंड का नाम रोशन करने वाली प्रसिद्ध गायिका शिल्पा राव प्रस्तुति देंगी. इस कार्यक्रम का सबसे बड़ा आकर्षण होगा ड्रोन शो, जिसमें भगवान बिरसा मुंडा, दिशोम गुरु और झारखंड की पहचान से जुड़ी कलाकृतियों को आकाश में प्रदर्शित किया जाएगा. यह पहली बार होगा जब आसमान में झारखंड की ऐतिहासिक यात्रा और वीर बिरसा मुंडा का आकाशीय स्वरूप दिखेगा.

प्रदर्शनी में दिखेगी झारखंड की पहचान

डीसी ने बताया कि 15 और 16 नवंबर को एक्सिबिशन का आयोजन होगा, जिसमें भगवान बिरसा मुंडा और झारखंड आंदोलन के महानायक दिशोम गुरु शिबू सोरेन से जुड़ी जानकारियां और ऐतिहासिक तस्वीरें प्रदर्शित की जाएंगी. यह प्रदर्शनी झारखंड की ऐतिहासिक यात्रा और राज्य निर्माण के संघर्ष को रेखांकित करेगी.

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

एसएसपी राकेश रंजन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि स्थापना दिवस को लेकर विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है. कुल 10 हजार पुलिस बल को तैनात किया जाएगा, जिसमें 2 हजार अधिकारी और 8 हजार जवान शामिल होंगे. उन्होंने बताया कि ट्रैफिक और पार्किंग व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया है ताकि आम लोगों को किसी तरह की असुविधा न हो. झारखंड स्थापना दिवस का यह 25वां वर्ष राज्य के लिए एक ऐतिहासिक पड़ाव है.

ट्रिपल टेस्ट के आधार पर निकाय चुनाव की मांग, राज्यपाल व सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

रांची, संवाददाता ।

झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा के प्रमुख सदस्यों ने राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नाम प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी को 13 सूत्री मांग पत्र सौंपा गया. इसमें ओबीसी को 27% आरक्षण दिया जाए, वैश्य आयोग का गठन, जाति आधारित जनगणना, ट्रिपल टेस्ट के आधार पर निकाय चुनाव, पिछड़ा वर्ग मंत्रालय का गठन, छोटे दुकानदारों को 10 लाख रुपये तक की ऋण माफी, वैश्य समाज की लूटी गई जमीन वापसी, हत्या, लूट, रंगदारी पर रोक लगाने समेत अन्य मुद्दे शामिल है. इस दौरान केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने कहा कि वैश्य मोर्चा की आबादी 54 प्रतिशत है. नगर निकाय चुनाव पर ओबीसी के लिए कराए गए ट्रिपल टेस्ट को वैश्य मोर्चा अपनी जीत मानती है. जिन निकायों में ओबीसी की आबादी 50% से अधिक है, उसे ओबीसी के लिए आरक्षित किया जाए, मौके पर हीरानाथ साहु, रेखा मंडल, हीरानाथ साहु, लक्ष्मण साहु, अशोक गुप्ता, कृष्णा साहु, अश्विनी साहु, शिवपूजन साहु, आदित्य नारायण प्रसाद, राजाराम प्रसाद, अनिल वैश्य, लखन अग्रवाल, रोहित कुमार साहु, राजेन्द्र साहु, मनोज कुमार, नंदकिशोर भगत, विनोद कुमार गुप्ता, हलधर साहु, प्रेम प्रकाश आदि थे।

दिल्ली ब्लास्ट के बाद रांची के दो आईपीएस सड़क पर उतरे, फिर लोगो में मच गई खलबली

रांची, संवाददाता ।

दिल्ली में हुए आतंकी हमले और झारखंड स्थापना दिवस को देखते हुए राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था काफी सख्त कर दी गई. बुधवार रात को एंटी क्राइम चेकिंग के लिए रांची के दो आईपीएस सड़क पर उतरे. रांची के सिटी एसपी पारस राणा और ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर ने पूरी राजधानी में खुद एंटी क्राइम चेकिंग चलाया. इस दौरान ड्रंक ड्राइव अभियान भी चलाया गया.

50 से ज्यादा स्थानों पर एक साथ चेकिंग

दिल्ली में हुए आतंकी हमले के बाद राजधानी रांची में सुरक्षा व्यवस्था को बेहतरीन करने की कवायद शुरू कर दी गई है. रांची के एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर सिटी एसपी और ग्रामीण एसपी के संयुक्त नेतृत्व में पूरे शहर और ग्रामीण क्षेत्र के इलाकों में

50 से ज्यादा स्थानों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया. बुधवार की देर शाम से शुरू हुआ यह अभियान देर रात तक चला. बता दें कि डीजीपी के निर्देश पर झारखंड पुलिस हाई अलर्ट पर हैं. इस अभियान का मुख्य फोकस संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सुरक्षा सुनिश्चित करना है. रांची के सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि शहर में सुरक्षा को लेकर सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है. यह आगे भी जारी रहेगा.

प्रमुख स्थानों पर कड़ी निगरानी

वहीं, दूसरी तरफ स्थापना दिवस समारोह को लेकर भी रांची में विशेष सतर्कता बरती जा रही है. रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची रेलवे स्टेशन, हटिया और मुरी स्टेशन सहित सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है. आरपीएफ (रेलवे सुरक्षा बल), जीआरपी (राजकीय रेलवे पुलिस) और स्थानीय पुलिस मिलकर संयुक्त सुरक्षा अभियान चला रही हैं. एहतियातन चौकसी बढ़ाते हुए प्रमुख स्थलों पर अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं. इसके अलावा रांची में डॉग स्क्वायड और बम डिटेक्शन टीम लगातार निरीक्षण कर रही हैं.

रूटीन से हटकर चेकिंग

एक दो आईपीएस अफसरों के सड़क पर चेकिंग के लिए उतरने की वजह से जूनियर अफसर भी बेहतर तरीके से जांच में जुटे हुए थे. शहर के चौक-चौराहों, बस स्टैंड, बाजारों और संवेदनशील इलाकों में दोपहिया और चारपहिया वाहनों की गहनता से जांच की गई. पुलिस न सिर्फ संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की बल्कि उनके पहचान पत्रों की बारीकी से जांच करती नजर आई. रांची के ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर ने बताया कि यह जांच अभियान आगे भी जारी रहेगा और सुरक्षा में किसी तरह की ढील नहीं दी जाएगी. साथ ही आम जनता से भी अपील की गई कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि या वस्तु की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

सीसीएल में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर कार्यक्रम

रांची, संवाददाता ।

सीसीएल (सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड) मुख्यालय, रांची में आज भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मनाई गई. यह कार्यक्रम जनजातीय गौरव वर्ष-2025 के तहत आयोजित किया गया. कार्यक्रम की शुरूआत दीप जलाकर और अतिथियों के पारंपरिक स्वागत से हुई. सीसीएल सरना समिति के सदस्यों ने मुख्य अतिथि पवन कुमार मिश्रा (निदेशक वित्त), हर्ष नाथ मिश्र (निदेशक मानव संसाधन), चंद्र शेखर तिवारी (निदेशक तकनीकी/संचालन) सहित अन्य अतिथियों को सरना गमछा पहनाकर सम्मानित किया. कार्यक्रम में डॉ मनोज अगरिया (झारखंड राज्य ओपन यूनिवर्सिटी) और प्रेमचंद उरांव (कार्तिक उरांव कॉलेज, गुमला) विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए. स्वागत भाषण डॉ. प्रीति तिग्गा ने दिया. इस मौके पर पवन कुमार मिश्रा ने कहा कि जनजातीय परंपराएं भारत की अमूल्य धरोहर हैं. बिरसा मुंडा जैसे वीरों की याद में सरकार जनजातीय गौरव पखवाड़ा मना रही है. हर्ष नाथ मिश्र ने कहा कि बिरसा मुंडा का जीवन हम सबके लिए प्रेरणा है. उन्होंने आत्मनिर्भरता और सम्मान के लिए संघर्ष किया. उन्होंने झारखंड स्थापना दिवस की शुभकामनाएं भी दीं. चंद्र शेखर तिवारी ने कहा कि बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़कर आदिवासी समाज में आजादी की भावना जगाई.

किडनी, ब्रेन, लिवर और फेफड़े फेल होने के बावजूद पारस हॉस्पिटल ने बचाई मरीज की जान

रांची, संवाददाता ।

पारस हॉस्पिटल एचईसी, रांची ने एक अत्यंत गंभीर मरीज का सफल उपचार किया है। मरीज के किडनी, लिवर, फेफड़े और दिमाग तक संक्रमण फैल गया था। 30 वर्षीय युवक को बेहोशी, तेज बुखार और सांस लेने में तकलीफ की स्थिति में अस्पताल लाया गया था। जांच में मरीज को सेप्टिक एन्सेफैलोपैथी, दोनो फेफड़ों में गंभीर इन्फेक्शन (प्लूरल इफ्यूजन), एक्यूट लिवर फेल्योर और किडनी फेल्योर पाया गया। स्थिति अत्यंत गंभीर होने के कारण मरीज का पेशाब पूरी तरह बंद था, जिस पर तुरंत हेमोडायलिसिस शुरू किया गया। फेफड़ों में पानी भरा हुआ था जिसे चेस्ट ट्यूब के माध्यम से निकाला गया तथा उच्च स्तरीय एंटीबायोटिक और अन्य जीवन रक्षक दवाओं के साथ गहन चिकित्सा प्रदान की गई। मरीज को कुछ अवधि तक वेंटिलेटर सपोर्ट पर भी रखा गया। पारस हॉस्पिटल एचईसी के नेफ्रोलॉजी डॉ अशोक कुमार वैद्य और उनकी टीम की लगातार निगरानी, नियमित हेमोडायलिसिस, ब्लड व प्लेटलेट ट्रांसफ्यूजन और मल्टी-डिसिप्लिनरी टीम के संयुक्त प्रयासों से मरीज की स्थिति धीरे-धीरे सुधरने लगी। लगभग डेढ़ महीने के उपचार के बाद मरीज की किडनी और लिवर ने पुनः कार्य करना शुरू कर दिया और उसे स्वस्थ होने पर अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। वर्तमान में मरीज नियमित ओपीडी फॉलो-अप में है और स्वस्थ जीवन की ओर अग्रसर है। डॉ अशोक कुमार वैद्य ने कहा कि मरीज की हालत अत्यंत नाजुक थी। समय पर सही उपचार शुरू करने, नियमित हेमोडायलिसिस और सभी विभागों के समन्वित प्रयास से यह संभव हो पाया। यह केस बताता है कि गंभीर मल्टी-ऑर्गन फेल्योर के मामलों में भी उम्मीद बनी रहती है, अगर इलाज सही दिशा में और समय पर किया जाए। पारस हॉस्पिटल एचईसी के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ नीतेश कुमार ने कहा कि हॉस्पिटल में हर गंभीर मरीज को बेहतर से बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के लिए समर्पित टीम और अत्याधुनिक तकनीक मौजूद है। यह केस हमारी टीम की प्रतिबद्धता और सामूहिक प्रयास का परिणाम है।

कुरमाली भाषा नेट/ जे आर फ के छात्र छात्र-छात्राओं के संघर्ष की जीत : अबुआ अधिकार मंच

कुरमाली भाषा के नेट एवं जेआरएफ क्वालिफाइड छात्र-छात्राओं की समस्या का समाधान — अबुआ अधिकार मंच के संघर्ष की जीत

रांची, संवाददाता ।

अबुआ अधिकार मंच के पिछले एक महीने निरंतर प्रयास और संघर्ष के परिणामस्वरूप रांची विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय एवं जनजातीय भाषा विभाग के कुरमाली भाषा के नेट एवं जेआरएफ क्वालिफाइड छात्र-छात्राओं की लंबे समय से लंबित समस्या का समाधान आखिरकार हो गया है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के पीछे अबुआ अधिकार मंच की दृढ़ प्रतिबद्धता और छात्र हितों के प्रति उनकी संवेदनशीलता रही। ज्ञात हो कि बीते सप्ताह मंच के सदस्यों ने कुरमाली भाषा के छात्र-छात्राओं की पीएचडी. पंजीयन से संबंधित समस्या को लेकर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन का चार घंटे तक घेराव किया था। इस आंदोलन के दबाव में विश्वविद्यालय प्रशासन के पदाधिकारी आंदोलनस्थल पर पहुंचे और छात्र-छात्राओं की समस्याओं पर सकारात्मक वार्ता की। उन्होंने मंच के प्रतिनिधियों से एक सप्ताह के अंदर समाधान का भरोसा दिलाया था। आज यह संघर्ष सफल हुआ है और विश्वविद्यालय प्रशासन ने अपने वादे के अनुरूप समस्या का निराकरण कर दिया है। इससे कुरमाली भाषा के छात्र-छात्राओं में खुशी की लहर है। अबुआ अधिकार मंच के रांची विश्वविद्यालय संयोजक अभिषेक शुक्ला ने इसे छात्र-छात्राओं की ऐतिहासिक जीत बताते हुए कहा कि — यह सफलता उन सभी विद्यार्थियों की सामूहिक जीत है जिन्होंने अपने अधिकारों के लिए संघर्ष किया। अबुआ अधिकार मंच सदैव छात्रों की आवाज बनकर उनके अधिकारों की रक्षा करता रहेगा। उन्होंने सभी नेट एवं जेआरएफ क्वालिफाइड छात्र-छात्राओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है.

रांची कृषि भवन के ट्रांसफार्मर में लगी आग, मच गई अफरा-तफरी

रांची, संवाददाता ।

राजधानी रांची के कांके रोड स्थित कृषि भवन के ट्रांसफार्मर में गुरुवार को अचानक आग लग गई. आग लगने की वजह से थोड़ी देर के लिए कृषि भवन के अंदर और बाहर अफरा-तफरी का माहौल बन गया. मौके पर पहुंचे अग्निशमन विभाग के दस्ते ने आग पर काबू पाया. जिसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली. कांके रोड स्थित कृषि भवन के ट्रांसफार्मर में गुरुवार को अचानक आग लग गई. मौके पर मौजूद कृषि भवन के गार्ड्स के द्वारा मामले की जानकारी स्थानीय थाने और फायर ब्रिगेड को दी गई. ट्रांसफार्मर कृषि भवन के मुख्य गेट पर स्थित है, जो सड़क से सटा है. ट्रांसफार्मर में आग लगने की वजह से ब्लास्ट कर भी डर था, इसलिए सबसे पहले पुलिस की टीम ने ट्रैफिक को रोक दिया. थोड़ी ही देर में अग्निशमन दस्ता मौके पर पहुंचा और आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया. कृषि भवन के गार्ड ने बताया कि वे लोग गेट पर ड्यूटी पर तैनात थे इसी दौरान ट्रांसफार्मर से धुआं निकलना शुरू हुआ और धीरे-धीरे आग की लपटें ट्रांसफार्मर से निकलने लगी और देखते ही देखते पूरा ट्रांसफार्मर जलने लगा. कृषि भवन में मौजूद गार्ड्स के द्वारा तुरंत तत्परता के साथ कृषि भवन में आने जाने वाले लोगों को अंदर आने से रोका गया और फिर फायर ब्रिगेड को मामले की जानकारी दी गई.

कृषि भवन में बिजली बाधित

कृषि भवन में लगे ट्रांसफार्मर के जरिए ही विभाग में बिजली की सप्लाई होती थी, लेकिन आग लगने की वजह से ट्रांसफार्मर पूरी तरह से नष्ट हो गया है. इस वजह से पूरे कृषि भवन में बिजली की सप्लाई बंद हो गई है. वैकल्पिक साधनों से फिलहाल बिजली आपूर्ति की जा रही है. बिजली विभाग को ट्रांसफार्मर बदलने के लिए निर्देश भी जारी किए गए हैं. रांची का कांके रोड अति व्यस्त इलाका है. वीआईपी मूवमेंट भी इस सड़क पर बहुत ज्यादा होता है. ऐसे में गोंदा थाने की पुलिस ने सराहनीय काम करते हुए ट्रैफिक को डायवर्ट किया और आग बुझाने के बाद दोबारा सड़क पर आवागमन को शुरू करवाया. इस संबंध में गोंदा थाना प्रभारी अभय कुमार ने बताया कि शॉर्ट सर्किट की वजह से ट्रांसफार्मर में आग लगी थी, लेकिन समय रहते दमकल के वाहनों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया. कांके रोड में ट्रैफिक को पुनः बहाल कर दिया गया है.

झारखंड स्थापना दिवस के दिन घर से निकलने से पहले चेक कर लें ट्रैफिक रूट

रांची, संवाददाता ।

15 नवंबर को होने वाले झारखंड स्थापना दिवस समारोह को लेकर राजधानी रांची के ट्रैफिक रूट में कई तरह के बदलाव किए गए हैं. यातायात व्यवस्था में बदलाव को लेकर रांची के ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है.

बड़े वाहनों की नो एंट्री

15 नवंबर को होने वाले झारखंड स्थापना दिवस को लेकर जारी किए गए ट्रैफिक प्लान में शहर में 15 नवंबर को सुबह 8:00 से लेकर रात्रि के 10:00 बजे तक बड़े वाहनों की नो एंट्री रहेगी, जबकि सुबह 9:00 बजे से लेकर रात्रि के 8:00 तक शहर में छोटे मालवाहक और बड़े मालवाहक वाहनों का प्रवेश और परिचालन दोनों वर्जित रहेगा. इस दौरान शहर में ई-रिक्शा का परिचालन भी पूरी तरह से बंद रहेगा. 15 नवंबर को रांची शहर की ओर आने वाली सड़कों से कार्यक्रम में भाग लेने वाले बड़े वाहनों को छोड़कर बाकी बड़े वाहनों के लिए अलग रूट निर्धारित किया गया है. बड़े वाहनों को एक निश्चित स्थान तक ही एंट्री मिलेगी.

कहा तक आएंगे कार्यक्रम में भाग लेने वाले वाहन

- कांके से रांची आने वाले वाहन बोड़ेया तक ही आएंगे.
- चाईबासा, खूंटी से रांची आने वाले वाहन बिरसा चौक तक ही आ पाएंगे.
- गुमला, सिमडेगा से रांची आने वाले वाहन कटहल मोड़ तक ही आ पाएंगे.
- पलामू, लोहरदगा से आने वाले वाहन आईटीआई बस पड़ाव तक आ सकेंगे.
- जमशेदपुर से रांची आने वाले वाहन दुर्गा सोरेन चौक नामकुम तक आ सकेंगे.
- खूंटी मोड़ की तरफ आने वाले वाहन खूंटी मोड़ में ही पार्क होंगे.

निम्न वाहनों का शहर में प्रवेश एवं परिचालन पूर्ण रूप से वर्जित/बंद रहेगा

- बड़े वाहनों को नो एंट्री का समय प्रातः 08:00 बजे से 10:00 बजे रात्रि तक रहेगा.
- दिनांक-15/16.11.2025 को समय 09:00 बजे पूर्वाह्न से रात्रि 08:00 तक शहर में छोटे मालवाहक/बड़े मालवाहक वाहन का प्रवेश एवं परिचालन वर्जित रहेगा.
- दिनांक-15/16.11.2025 को पूर्वाह्न 10:00 बजे से रात 09:00 बजे तक रांची शहर में ई-रिक्शा का परिचालन पूर्ण रूप से बंद रहेगा.
- वैसे मार्ग जहां पर (कार्यक्रम में भाग लेने वाले वाहनों तथा आकस्मिक वाहनों को छोड़कर) सभी प्रकार के वाहनों का प्रवेश एवं परिचालन वर्जित/बंद रहेगा.
- दिनांक-15/16.11.2025 को पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 08:00 बजे तक खूंटी मोड़ चौक से रिम्स चौक, रिम्स चौक से करमटोली चौक, करमटोली चौक से एसएसपी आवास चौक, एसएसपी आवास चौक से रणधीर वर्मा चौक तथा जेल चौक से करमटोली चौक और करमटोली चौक से टीआरआई मोड़ तक सभी प्रकार के वाहनों का प्रवेश एवं परिचालन वर्जित/बंद रहेगा (कार्यक्रम में भाग लेने वाले वाहन/आकस्मिक वाहन को छोड़कर).
- वैसे मार्ग जहां पर ऑटो/ ई-रिक्शा का परिचालन एवं प्रवेश पूर्णतः वर्जित रहेगा
- दिनांक-15/16.11.2025 को समय 10:00 बजे पूर्वाह्न से रात्रि 08:00 बजे तक अरगोड़ा चौक, सहजानंद चौक, न्यू मार्केट चौक, हॉटलिप्स चौक, राम मंदिर (कांके रोड), कांकी चौक (कांके) के बीच ऑटो/ई-रिक्शा का प्रवेश एवं परिचालन बंद रहेगा.
- दिनांक-15/16.11.2025 को पूर्वाह्न 10:00 बजे से संध्या 08:00 बजे तक पिस्का मोड़ से न्यू मार्केट के बीच ऑटो/ई-रिक्शा का प्रवेश एवं परिचालन वर्जित रहेगा.
- दिनांक-15/16.11.2025 को पूर्वाह्न 10:00 बजे रात्रि 08:00 बजे तक एसएसपी आवास से रेडियम चौक के बीच ऑटो/ई-रिक्शा का प्रवेश एवं परिचालन वर्जित रहेगा.
- दिनांक-15/16.11.2025 को पूर्वाह्न 10:00 बजे से रात्रि 08:00 बजे तक खूंटी मोड़ चौक से रिम्स चौक, रिम्स चौक से करमटोली चौक, करमटोली चौक से एसएसपी आवास चौक, एसएसपी आवास चौक से रणधीर वर्मा चौक तथा जेल चौक से करमटोली चौक तक सभी प्रकार के वाहनों का प्रवेश एवं परिचालन वर्जित रहेगा.
- रेलवे स्टेशन से बीएनआर चाणक्य होते हुए पटेल चौक से मुंडा चौक तक सभी प्रकार के वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा.
- दिनांक-15/16.11.2025 को पूर्वाह्न 10:00 बजे से रात्रि 08:00 बजे तक बोड़ेया रिंग रोड से मोरहाबादी मैदान की ओर वाहनों का प्रवेश एवं परिचालन वर्जित रहेगा.

वैश्य मोर्चा ने राजभवन के समक्ष धरना-प्रदर्शन आयोजित की राज्यपाल और मुख्यमंत्री को स्मार-पत्र दियामांगों को लेकर आंदोलन जारी रहेगा-महेश्वर साहु

संवाददाता । रांची

रांची : आज 13 नवंबर को राजभवन के समक्ष (नागा बाबा खटाल में) झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा के प्रमुख सदस्यों धरना-प्रदर्शन किया गया. तत्पश्चात वैश्य मोर्चा की ओर से महामहिम राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नाम प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी को मांगों से संबंधित 13 सूत्री स्मार-पत्र दिया गया. मांगों में- ओबीसी को 27% आरक्षण, वैश्य आयोग का गठन, जाति आधारित जनगणना, ट्रिपल टेस्ट के आधार पर निकाय चुनाव, पिछड़ा वर्ग मंत्रालय का गठन, छोटे दुकानदारों के 10 लाख रुपये तक की ऋण माफी, वैश्य समाज की लूटी गयी जमीन वापसी, हत्या, लूट, रंगदारी पर रोक लगाने आदि के मुद्दे शामिल है. इस धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु एवं संचालन अशोक गुप्ता ने किया. इस अवसर पर अपने संबोधन में केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने कहा कि वैश्य मोर्चा द्वारा अपनी मांगों को लेकर आज मोरहाबादी मैदान स्थित महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि चढ़ाने के बाद राजभवन तक पैदल मार्च किया जाना था, जिसकी तैयारी पूरे प्रदेश में जोर शोर से चल रही थी. लेकिन प्रशासन ने पैदल मार्च कार्यक्रम को रोक दिया. यह बहुत ही दुःखद स्थित है कि सरकार वैश्य समाज की मांगों पर विचार भी नहीं करती है और संविधान प्रदत्त अधिकारों का हनन भी करती है. साहु ने कहा कि डॉ. राममनोहर लोहिया ने कहा था कि जब सड़कें सुनसान हो जाती है तो संसद आवारा हो जाता है. वैश्य मोर्चा अपनी मांगों को लेकर अपना आंदोलन जारी रखेगी. झारखंड आंदोलनकारी रेखा मंडल ने कहा कि 20 नवंबर को वैश्य मोर्चा के प्रमुख लोग फिर से बैठक करेंगे और आगामी विधानसभा सत्र के दौरान आंदोलन को करने का निर्णय लिया जायेगा. धन्यवाद ज्ञापन हीरानाथ साहु ने किया. इस धरना-प्रदर्शन में श्रीमती रेखा मंडल, हीरानाथ साहु, लक्ष्मण साहु, अशोक गुप्ता, कृष्णा साहु, अश्विनी साहु, शिवपूजन साहु, आदित्य नारायण प्रसाद, राजाराम प्रसाद, अनिल वैश्य, लखन अग्रवाल, रोहित कुमार साहु, राजेन्द्र साहु, मनोज कुमार, नंदकिशोर भगत, विनोद कुमार गुप्ता, हलधर साहु, प्रेम प्रकाश गुप्ता, पवन कुमार, आदित्य पोद्दार आदि अनेकों लोग शामिल हुए.

-भवदीय-

'रकिडनी, ब्रेन, लिवर और फेफड़े फेल होने के बावजूद पारस हॉस्पिटल ने बचाई मरीज की जान

संवाददाता । रांची

रांची: पारस हॉस्पिटल एचईसी, रांची ने एक अत्यंत गंभीर मरीज़ का सफल उपचार किया है। मरीज़ के किडनी, लिवर, फेफड़े और दिमाग तक संक्रमण फैल गया था। 30 वर्षीय युवक को बेहोशी, तेज बुखार और सांस लेने में तकलीफ की स्थिति में अस्पताल लाया गया था। जांच में मरीज को सेप्टिक एन्सेफैलोपैथी, दोनों फेफड़ों में गंभीर इन्फेक्शन (प्लूरल इफ्यूजन), एक्यूट लिवर फेल्योर और किडनी फेल्योर पाया गया। स्थिति अत्यंत गंभीर होने के कारण मरीज़ का पेशाब पूरी तरह बंद था, जिस पर तुरंत हेमोडायलिसिस शुरू किया गया। फेफड़ों में पानी भरा हुआ था जिसे चेस्ट ट्यूब के माध्यम से निकाला गया तथा उच्च स्तरीय एंटीबायोटिक और अन्य जीवन रक्षक दवाओं के साथ गहन चिकित्सा प्रदान की गई। मरीज को कुछ अवधि तक वेंटिलेटर सपोर्ट पर भी रखा गया। पारस हॉस्पिटल एचईसी के नेफ्रोलॉजी डॉ अशोक कुमार वैद्य और उनकी टीम की लगातार निगरानी, नियमित हेमोडायलिसिस, ब्लड व प्लेटलेट ट्रांसफ्यूजन और मल्टी-डिसिप्लिनरी टीम के संयुक्त प्रयासों से मरीज़ की स्थिति धीरे-धीरे सुधरने लगी। लगभग डेढ़ महीने के उपचार के बाद मरीज़ की किडनी और लिवर ने पुनः कार्य करना शुरू कर दिया और उसे स्वस्थ होने पर अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। वर्तमान में मरीज़ नियमित ओपीडी फॉलो-अप में है और स्वस्थ जीवन की ओर अग्रसर है।' अशोक कुमार वैद्य ने कहा कि मरीज की हालत अत्यंत नाजुक थी। समय पर सही उपचार शुरू करने, नियमित हेमोडायलिसिस और सभी विभागों के समन्वित प्रयास से यह संभव हो पाया। यह केस बताता है कि गंभीर मल्टी-ऑर्गन फेल्योर के मामलों में भी उम्मीद बनी रहती है, अगर इलाज सही दिशा में और समय पर किया जाए। पारस हॉस्पिटल एचईसी के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ नीतेश कुमार ने कहा कि हॉस्पिटल में हर गंभीर मरीज को बेहतर से बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के लिए समर्पित टीम और अत्याधुनिक तकनीक मौजूद है। यह केस हमारी टीम की प्रतिबद्धता और सामूहिक प्रयास का परिणाम है।

सर्दियों में हड्डियों और जोड़ों की करें विशेष देखभाल: डॉ. अनूप कुमार नायर

संवाददाता । रांची

रांची : सर्दी के मौसम में जोड़ों का दर्द और जकड़न आम समस्या बन जाती है। ठंड के कारण रक्त प्रवाह कम हो जाता है, जिससे जोड़ों की चिकनाई घटती है और स्टिफनेस बढ़ जाती है। ऐसे में सही ठंड से बचाव, पौष्टिक आहार और हल्की नियमित एक्सरसाइज बेहद जरूरी है। हेल्थ पॉइंट हॉस्पिटल के प्रसिद्ध आर्थोपेडिक डॉ. अनूप कुमार नायर, अनुसार, हल्दी, घी, ओलिव ऑयल, एवोकैडो जैसे प्राकृतिक लुब्रिकेंट्स शामिल करें – यह जोड़ों को लचीला बनाए रखते हैं। डॉ. नायर ने बताया कि हाल ही में एक गंभीर ऑस्टियोआर्थराइटिस के शिकार मरीज़ का सफल जोड़ प्रत्यारोपण (घुटना/कूल्हा) किया गया, जो पहले डिप्रेशन में था और चलने-फिरने में असमर्थ था। सर्जरी के बाद वह अब सामान्य जीवन जी रहा है। उन्होंने कहा कि जोड़ प्रत्यारोपण महंगा इसलिए होता है क्योंकि इसमें उच्च गुणवत्ता वाले, इंपोर्टेड इम्प्लांट्स का उपयोग होता है, जो सुरक्षा और लंबे समय तक बेहतर परिणाम सुनिश्चित करते हैं। उनके अनुसार, सर्जरी से डरने की आवश्यकता नहीं है। जरूरी है कि आप प्रशिक्षित और अनुभवी सर्जन का चयन करें और संक्रमण रहित, आधुनिक ऑपरेशन थियेटर वाले अस्पताल में सर्जरी कराएं, उन्होंने कहा। डॉ. नायर ने यह भी सलाह दी कि योग और नियमित व्यायाम जोड़ों की सेहत के लिए रामबाण हैं। अगर आप अपने जोड़ों का ध्यान रखेंगे, तो उम्र कोई बाधा नहीं बनेगी जीवन हर मौसम में सक्रिय और गतिशील रहेगा, उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा।

झारखंड सरकार द्वारा रक्तदान महादान महाअभियान में शामिल होंगे कई तंजीमे: लहू बोलेगा

संवाददाता । रांची

रांची झारखंड सरकार द्वारा रक्तदान-महादान महाअभियान 12-28 नवंबर के ऐतिहासिक/मानवीय महाअभियान में "लहू बोलेगा" रक्तदान संगठन रांची एवं झारखंड थैलेसीमिया पीड़ित एसोसिएशन के अपील पर राजधानी के सजग संगठनों का जनजागरूकता हेतु ब्लड डोनेशन मार्च एवं सर्वधर्म के धार्मिक स्थानों से चर्चा आयोजित।

झारखंड सरकार द्वारा रक्तदान-महादान शिविर महाअभियान की शुरुआत 12 से 28 तक हो चुकि है, जो झारखंड में रक्तदान शिविर/जनजागरुकता/रिवाज पर ऐतिहासिक बहूमूल्य इंसानियत भरा कदम है। जिसका हमलोग बेहद स्वागत करते है जो झारखंड की जरूरत भी थी और हमलोग बढ़चढ़ कर सहयोग भी करेंगे।

1.धर्मगुरुओं से राजधानी रांची के मस्जिदों/चर्च/मंदिर/सरना से जुमा/रविवार को 12-28 नवंबर तक झारखंड सरकार के रक्तदान-महादान शिविर महाअभियान की चर्चा करने/रक्तदान के जनजागरूकता/रक्तदान सामाजिक कर्तव्य का निर्वाह/दायित्व/जिम्मेदार बनें-रक्तदान करें, जीवन बचाने में सहायता करें।

1.धर्मगुरुओं से राजधानी रांची के मस्जिदों/चर्च/मंदिर/सरना से जुमा/रविवार को 12-28 नवंबर तक झारखंड सरकार के रक्तदान-महादान शिविर महाअभियान की चर्चा करने/रक्तदान के जनजागरुकता/रक्तदान सामाजिक कर्तव्य का निर्वाह/दायित्व/जिम्मेदार बनें-रक्तदान करें, जीवन बचाने में सहायता करें।

2.इस रविवार 16 नवंबर को रक्तदान-महादान महाअभियान के जनजागरुकता पर सभी संगठनों/धर्मगुरुओं/रक्तवीर/समाजसेवियों के द्वारा "मार्च फॉर ब्लड डोनेशन" दोपहर 1 बजे से सैनिक मार्केट से परमवीर अल्बर्ट एक्का चौक, रांची तक होगा।

3.राजधानी रांची में ऐतिहासिक सर्वधर्म/सर्वदलीय रक्तदान-महादान शिविर आयोजित होगा।

अपीलकर्ता---लहू बोलेगा रक्तदान संगठन रांची/झारखंड थैलेसीमिया पीड़ित एसोसिएशन----

आयोजित:--केंद्रीय शांति समिति रांची, श्रीमहावीर मंडल रांची, सेंट्रल मोहर्रम कमेटी रांची, केंद्रीय सरना समिति रांची, आदिवासी अधिकार मंच झारखंड, इदारा-ए-शरिया झारखंड, तंजीम उल्लेमा-ए-झारखंड, झारखंड उल्लेमा कॉउन्सिल, मरहबा वेलफेयर सोसाइटी, छोटानागपुर इदरीसिया दर्जी विकास उद्योग समिति रांची, इदरीसिया सूफी पंचायत, हिंदपीढ़ी रांची, न्यू डेली मार्केट ट्रेडर्स वेलफेयर एसोसिएशन रांची, समाज विकास समिति एवं संगठन शामिल है।

(सूचनार्थ नदीम खान, अकीलूर रहमान, जयसिंह यादव, नेहाल अहमद,)

परिवहन विभाग, रांची के तत्वावधान में एम. एम. के. हाई स्कूल, बरियातू, रांची के छात्रो के लिए एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया

संवाददाता । रांची

रांची, 13 नवम्बर 2025 – आज परिवहन विभाग, रांची के तत्वावधान में एम. एम. के. हाई स्कूल, बरियातू, रांची के छात्रो के लिए एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों एवं सुरक्षित ड्राइविंग के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान होंडा के ड्राइविंग ट्रेनर श्री राहुल पांडे ने विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा, ट्रैफिक साइन, हेलमेट के प्रयोग, ओवर स्पीडिंग के खतरों एवं सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने छात्रों से जिम्मेदार नागरिक बनकर यातायात नियमों का पालन करने का आग्रह किया इस अवसर पर एम. एम. के. हाई स्कूल के निदेशक डॉ. तनवीर अहमद को परिवहन विभाग की ओर से पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। डॉ. अहमद ने अपने संबोधन में कहा कि– युवाओं को ट्रैफिक नियमों का पालन करना चाहिए, क्योंकि सड़क सुरक्षा केवल नियम नहीं बल्कि जीवन की रक्षा का एक संकल्प है कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षक भुवनेश्वर मिर्धा, गौरव जी एवं सूरज कुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मौलाना आजाद की स्मृति में मंत्री हफीजुल हसन दुर्लभ पुस्तक भेंट

रांची, 12 नवंबर 2025: स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री और आजादी के प्रमुख सिपाहियों में शुमार मौलाना अबुल कलाम आजाद की अमर स्मृति को जीवंत करने के उद्देश्य से मौलाना आजाद ह्यूमेन इनिशिएटिव "माहीं" के संयोजक इबरार अहमद, मौलाना तहजीबुल हसन व माहीं के प्रवक्ता मुस्तकिम आलम के द्वारा झारखण्ड सरकार के मंत्री हफीजुल हसन को दो दुर्लभ और ऐतिहासिक महत्व की पुस्तकें भेंट की गईं, जो मौलाना आजाद के जीवन, संघर्षों और विचारों को जीवंत रूप से उजागर करती हैं। ये पुस्तकें न केवल इतिहास के पन्नों को पलटती हैं, बल्कि वर्तमान पीढ़ी के लिए एक प्रेरणादायी दर्पण का कार्य करती हैं भेंटकर्ता इबरार अहमद ने गर्व से पुस्तकों का वर्णन किया। पहली पुस्तक 'मौलाना आजाद की कहानी, उन्हीं की जबानी' विख्यात लेखक और कवि अब्दुल रज्जाक मलिहाबादी द्वारा रचित है। यह पुस्तक मौलाना आजाद के स्वयं के शब्दों में उनके जीवन की घटनाओं को बयां करती है, जिसमें ब्रिटिश शासन के खिलाफ उनके प्रारंभिक संघर्ष, 'अल-हिलाल' व 'अल-बलाग' पत्रिका के माध्यम से राष्ट्रवादी जागरण और स्वतंत्रता संग्राम की अनगिनत घटनाओं का जीवंत चित्रण है। मलिहाबादी की कलम ने इन घटनाओं को इतनी सहजता से उकेरा है कि पाठक स्वयं मौलाना आजाद के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने लगते हैं।

विश्व मधुमेह दिवस पर मेदांता रांची के डॉक्टर्स ने कहा, जीवन शैली में बदलाव, खान-पान में परहेज और नियमित चेकअप से मधुमेह पर हो सकता है बेहतर नियंत्रण

संवाददाता । रांची

रांची, 13 नवम्बर 2025: डाइबिटीज ऐसी बीमारी है जो धीरे से शरीर में घर बनाती है। हालांकि इसे कंट्रोल में लाया जा सकता है। अगर कंट्रोल में लाने के बाद परहेज न किया जाए तो शरीर के लिए घातक हो सकता है। विश्व मधुमेह दिवस के मौके पर मेदांता रांची की डिपार्टमेंट ऑफ इंटरनल मेडिसिन की डॉक्टर अनिकेत सिन्हा ने कहा कि डायबिटीज का इलाज इसलिए करते हैं कि मरीज का आगे चलकर ऑर्गन डैमेज न हो। अगर किसी को डायबिटीज है तो आगे चलकर उसे हार्ट, किडनी, स्ट्रोक, नर्व्स की प्रॉब्लम और रेटिना की दिक्कत हो सकती है। अगर इसेकंट्रोल में रखा जाए तो आगे चलकर दिक्कत कम होगी। उन्होंने बताया कि अगर किसी को डायबिटीज है, उसे 20 साल तक डायबिटीज रहा और शुरू के 10–15 साल

अगर किसी मरीज ने डायबिटीज को अगर कंट्रोल में रखा तो उसका असर आगे चलकर बहुत फायदेमंद होता है। अगर किसी ने डायबिटीज होने के बाद शुरू के 5 से 10 सालों में इनिशियल कंट्रोल नहीं रखा है तो ऐसे हालत में आने वाले 5 से 10 सालों में ऑर्गन डैमेज होने का रिस्क ज्यादा हो जाता है।

टाइप-वन, टाइप-टू एंड जेस्टेशनल डायबिटीज के प्रकार होते है। इसमें टाइप-वन डायबिटीज होता है, वह जेनेटिक होता है। टाइप-टू डायबिटीज में इन्वायरमेंट, लाइफ स्टाइल और जेनेटिक तीनों का मेकअप रहता है मधुमेह के प्रकार:टाइप 1 डायबिटीज: इसमें इंसुलिन की पूर्ण कमी होती है, जिसके कारण शरीर को बाहरी इंसुलिन की आवश्यकता होती है टाइप 2 डायबिटीज: इसमें इंसुलिन प्रतिरोध होता है, जिसका अर्थ है कि शरीर की कोशिकाएं इंसुलिन के प्रति कम संवेदनशील होती हैं जेस्टेशनल डायबिटीज: यह गर्भावस्था के दौरान होता है और प्रसव के बाद ठीक हो जाता है, लेकिन भविष्य में मधुमेह का खतरा बढ़ जाता है मधुमेह को नियंत्रित करने के लिए जीवनशैली में बदलाव बहुत जरूरी है। निम्नलिखित उपाय अपनाकर मधुमेह को नियंत्रित किया जा सकता है:दैनिक आहार में कैलोरी की मात्रा को नियंत्रित करें:

ब्रीफ न्यूज

गैंगस्टर सुजीत सिन्हा ...अनुराग गुप्ता गठजोड़ की जांच एन आई ए से हो....बाबूलाल मरांडी

संवाददाता ।

रांची: भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवम नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने आज राज्य सरकार पर बड़ा निशाना साधा। श्री मरांडी ने हेमंत सरकार में उजागर हुए गैंगस्टर अपराधी और पुलिस प्रशासन गठजोड़ को लेकर राज्य सरकार पर हमला बोला।

श्री मरांडी ने कहा कि अवैध डीजीपी अनुराग गुप्ता की नियुक्ति हेमंत सरकार ने गिव एंड टेक फार्मूले के आधार पर किया था। हेमंत सोरेन को अवैध बालू, कोयला, पत्थर, शराब के काले धन का साम्राज्य चलाने केलिए अनुराग गुप्ता जैसा बदनाम, टेस्टेड और वर्दीवाला गुंडा अपराधी चाहिए था। अनुराग गुप्ता की एक एसपी के रूप ने ख्याति रही थी मगध यूनिवर्सिटी में इनका डिग्री घोटाला भी कम नहीं है।

कहा कि अनुराग गुप्ता का अवैध तरीके से डीजीपी बनने का रिश्ता काला धंधा और राजनीतिक संरक्षण के समीकरण पर टीका था।

कहा कि पूरा मामला भारत माला प्रोजेक्ट पर वर्चस्व की लड़ाई और सुजीत सिन्हा के कोयलांचल शांति समिति से जुड़ा हुआ है। इस पूरे खेल में पेटी टेंडर, स्टोन चिप्स, जमीन दलाली, और अन्य अवैध कारोबारों के जरिए एक बड़ा नेटवर्क खड़ा करने की योजना से जुड़ा है।

उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट पर नियंत्रण केलिए अनुराग गुप्ता ने सुजीत सिन्हा को चुना था जिसमें अनुराग गुप्ता की 40% हिस्सेदारी थी।

श्री मरांडी ने कहा कि अमन साहू का फर्जी इनकाउंटर इसी वर्चस्व की लड़ाई का हिस्सा है।

कहा कि जानकारी मिली है कि सुजीत सिन्हा की पत्नी रिया सिन्हा की गिरफ्तारी के बाद बड़े रहस्य उजागर हुए हैं। अनुराग गुप्ता और रिया सिन्हा के व्हाट्सअप चैट में अमन साहू के एनकाउंटर केलिए पैसों के लेनदेन और रंगदारी वसूली का पूरा हिसाब किताब दर्ज है।

कहा कि चैट से यह स्पष्ट हो गया है कि अनुराग गुप्ता ही कोयलांचल शांति समिति का किंगपिन है।

कहा कि इस जानकारी के मिलने के बाद भी अवैध डीजीपी अनुराग गुप्ता को हटाने केलिए मुख्यमंत्री ने पहल नहीं की बल्कि अवैध कमाई में मुख्यमंत्री का हिस्सा नहीं पहुंचने के कारण हेमंत सोरेन की किचेन कैबिनेट में झगड़ा हुआ जिसके कारण अवैध डीजीपी को हटाने की प्रक्रिया शुरू हुई।

कहा कि रिया सिन्हा ने पूछताछ में यह खुलासा किया है कि सुजीत सिन्हा जेल से ही कारोबारियों से रंगदारी मांगता था, और प्रिंस खान के जरिए धमकाने का काम करता था।

13 अक्टूबर 2025 को रिया सिन्हा और अन्य को पुलिस ने गिरफ्तार किया जिसके पास से तीन पिस्टल, सात मैगजीन 13 गोलियां, एक कार और मोबाइल बरामद हुए कहा कि जांच में पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए 21 विदेशी हथियार झारखंड मंगवाए गए सुजीत सिन्हा, प्रिंस खान ने एक खतरनाक गठजोड़ बनाया था जिसे रिया सिन्हा संभाल रही थी। राजधानी रांची में हाल के दिनों में रंगदारी कॉल्स इसी गठजोड़ का नतीजा था। पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए मोगा पंजाब के रास्ते आए हथियारों से यह गैंग देश भर में कारोबारियों को धमका कर वसूली करता था।

कहा कि इतना ही नहीं अनुराग गुप्ता दो विभागों सीआईडी और एसीबी के डीजी थे सीआईडी में जमीन के जांच केलिए एसआईटी बनाया गया था, जिसमें याचिकाएं मंगाई जाती थी, स्वतः संज्ञान लेकर फाइल खोलते थे, एसएसपी दीपक कुमार इस लूट में दाहिने हाथ की भूमिका में थे डीएसपी अमर पांडे ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई कहा कि जांच के नाम पर गुमनाम पिटीशन के द्वारा लोगों को खूब लूटा गया कहा कि यह लुटेरी टीम इतनी बेलगाम हो गई कि मुख्यमंत्री से जुड़े लोगों तक को धमकाने, वसूली करने लगी।

राज्य के 25 वें स्थापना दिवस पर झारखंड नामकरण में राजद सुप्रीमो लालू प्र यादव के अहम भूमिका निभाने में इतिहास के स्वर्ण अक्षरों में सदैव साथ रहना चाहिए.

आज दिनांक 13/11/25 को प्रदेश राजद प्रवक्ता कैलाश यादव ने कहा कि आगामी 15 नवंबर 2025 को राज्य 25 वां स्थापना दिवस मनाएगा ! विगत 6 वर्षों से राज्य में दूसरी बार जनाकांक्षाओं को पूर्ण करने वाला महागठबंधन सरकार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में संचालन हो रहा है जिसमें राजद एक मजबूत सहयोगी दल के रूप में अहम भूमिका निभा रहा है यादव ने कहा है कि लंबे संघर्षों के उपरांत झारखंड राज्य का निर्माण विगत वर्ष 15 नवंबर 2000 को हुआ था ! अलग झारखंड राज्य के संघर्षों में प्रमुख पार्टियों के अलावा अनेकों राजनीतिक दल, सामाजिक संगठन एवं आंदोलनकारी साथियों का सहयोग रहा है ! लेकिन भारतीय जनता पार्टी कभी भी झारखंड नामकरण के पक्षकार नहीं रही वह हमेशा वनांचल नामकरण का मांग करती रही थी यादव ने कहा है वर्ष 1990 में जब लालू प्र यादव एकीकृत बिहार का मुख्यमंत्री बने थे तब वर्तमान झारखंड राज्य के जन आंदोलनकारी साथियों का मनोबल काफी बढ़ा हुआ था क्योंकि तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्र यादव एक संघर्षशील कर्मठ और प्रखर समाजवादी व सेक्युलर नेता के रूप में निखर कर सत्ता में आए थे !

بلڈ پریشر کا مریض ہو

FOR BLOOD PRESSURE

وَالْكٰظِمِيْنَ الْغَيْظَ وَالْعَافِيْنَ عَنِ النَّاسِ ۗ وَاللّٰهُ يُحِبُّ الْمُحْسِنِيْنَ

(سورۃ آل عمران ۔ آیت ۱۳۴)

بلڈ پریشر کے مریض اگر اس آیات کو روزانہ 101 مرتبہ پڑھتے رہیں ۔ انشاء اللہ ضرور فائدہ ہوگا ۔

A person who has blood pressure, if he/she reads this ayat (101) times daily, InshaAllah it will certainly benefit.

वित्तमंत्री राधाकृष्ण किशोर आज करेंगे चतुर्थ बाल मेले का उद्घाटन

टाटा स्टील के वीपी डीबी सुंदरा रामम विशिष्ट अतिथि के रूप में होंगे उपस्थित

जमशेदपुर, संवाददाता

शुक्रवार को चतुर्थ बाल मेले का उद्घाटन प्रदेश के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर करेंगे। इस दौरान टाटा स्टील के वीपी (कारपोरेट सर्विसेज) डीबी सुंदरा रामम भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे। वहीं 19 नवंबर को प्रदेश के राज्यपाल संतोष गंगवार संध्या 4 बजे बाल मेले में आएंगे। साथ ही वे मेले में तैयार हो रही स्मारिका का विमोचन भी करेंगे। जबकि 20 नवंबर को समापन समारोह में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। उक्त जानकारी गुरुवार आयोजित प्रेसवार्ता में मेले के संरक्षक सह जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने दी। जहां उन्होंने कहा कि उद्घाटन समारोह संध्या 4:30 बजे शुरू होगा। वहीं उद्घाटनकर्ता के रुप में प्रदेश के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर और विशिष्ट अतिथि के रुप में टाटा स्टील के वीपी डीबी सुंदरा रामम भी मौजूद रहेंगे। साथ ही उन्होंने बताया कि 16 नवंबर रविवार को बाल संरक्षण पर एक संगोष्ठी का आयोजन होगा। संगोष्ठी संध्या 4 से 6 बजे तक मेला परिसर में होगा। जिसमें झारखंड उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश डॉ एसएन पाठक भी शामिल होंगे। वरीय अधिवक्ता अखिलेश श्रीवास्तव, जमशेदपुर की विभिन्न अदालतों में कार्यरत अधिवक्ता भी इसमें शामिल होंगे। विविध एनजीओ के प्रतिनिधि भी इसमें शामिल होंगे।इसके अलावा उन्होंने बताया कि जमशेदपुर शहर के सरकारी-निजी विद्यालयों के प्राचार्य, निदेशक आदि ने उन्हें आश्वस्त किया है कि वे मेले की सफलता में पूरा सहयोग करेंगे। आयोजन को सफल बनाने में सरकारी-निजी स्कूलों में तैनात गेम टीचर्स लगे रहेंगे। वे चयन में महती भूमिका निभाएंगे कि कौन बढ़िया परफॉर्म कर रहा है, किसे प्रथम-द्वितीय-तृतीय रहना चाहिए। एसपी सिंह, मंजू सिंह और सुधीर सिंह समेत पूरी टीम कार्यक्रम को सफल बनाने में लगी हुई है। उन्होंने बताया कि 15 नवंबर को कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। 17 नवंबर को जादू शो होगा। 18 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय स्तर के हैंडशैडो कलाकार अमर सेन अपने हुनर का प्रदर्शन करेंगे। वह स्क्रीन पर्दे पर भिन्न-भिन्न शैडो भी बनाएंगे। उन्होंने बताया कि मेले का उद्देश्य इस देश के लिए, एक सशक्त और सुदृढ़ व्यक्तित्व वाला मानव संसाधन किस तरह से पैदा किया जा सकता है, इस पर काम करना है। हम लोग बाल मेले के माध्यम से एक छोटा प्रयास कर रहे हैं। मौके पर संयोजक मनोज सिंह, सह संयोजक आशुतोष राय, सुबोध श्रीवास्तव, अशोक गोयल, मंजू सिंह, नीरू सिंह समेत अन्य भी मौजूद थे।

मुख्य कार्यक्रम :-

- दिनांक 14 नवंबर - कार्यक्रम: फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता
- दिनांक 15 नवंबर - कार्यक्रम: सुबह 10 बजे चित्रांकन प्रतियोगिता, दोपहर स्पेशल चाइल्ड द्वारा पेंटिंग, कवि सम्मेलन (संध्या 5 बजे से)
- दिनांक 16 नवंबर - कार्यक्रम: संगोष्ठी (बाल अधिकार संरक्षण अधिनियम) अपराह्न 4 से 6 बजे तक
- दिनांक 17 नवंबर - कार्यक्रम: मैजिक शो
- दिनांक 18 नवंबर - कार्यक्रम: हैंडशैडो कलाकार अमर सेन का कार्यक्रम
- दिनांक 19 नवंबर - कार्यक्रम: झारखंड के राज्यपाल महामहिम संतोष गंगवार का आगमन
- दिनांक 20 नवंबर - कार्यक्रम: झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा का आगमन, अपराह्न 4 बजे दिव्यानी मुंडा, पटमदा के स्कूली बच्चों द्वारा छऊ नृत्य की प्रस्तुति

झारखंड स्थापना दिवस पर बीआईटी सिंदरी में सृजन और उत्सव का संगम

धनबाद, संवाददाता

झारखंड राज्य की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बीआईटी सिंदरी में चल रहे 'झारखंड उत्सव' के तहत कला, संस्कृति और सृजन के विविध रंग देखने को मिल रहे हैं। पेंटिंग विंग क्लब द्वारा आयोजित कार्यक्रमों ने परिसर में रचनात्मकता की नई ऊर्जा भर दी है। 11 नवम्बर को 'रंगों में झारखंड' विषय पर लाइव थीम पेंटिंग प्रतियोगिता से उत्सव की शुरूआत हुई, जिसमें छात्रों ने अपने ब्रश और कल्पनाशक्ति से झारखंड की प्राकृतिक सुंदरता, जनजातीय जीवन और सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत रूप में उकेरा। इसके बाद 12 नवम्बर को पॉट पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने माटी के घड़ों पर लोक परंपराओं, नृत्य रूपों और जनजातीय प्रतीकों को मनमोहक कलात्मकता के साथ प्रस्तुत किया। पेंटिंग विंग क्लब के इन आयोजनों ने पूरे कैंपस को रंगों की छटा से भर दिया और छात्रों में गजब का उत्साह देखने को मिला। 13 नवम्बर को फेस पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने झारखंड की प्रकृति, संस्कृति और उत्सवों को अपने चेहरे पर कलात्मक रूप से चित्रित किया। दर्शकों ने प्रतिभागियों की रचनात्मकता और थीम के अनुरूप रंगों के चयन की खूब सराहना की। झारखंड उत्सव के दौरान सर्जना क्लब एवं लिटरेरी सोसाइटी द्वारा निबंध लेखन और वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिससे छात्रों में अभिव्यक्ति और चिंतन की नई दृष्टि विकसित हुई। संपूर्ण आयोजन के संयोजक डीन (छात्र कल्याण) डॉ. राजीव कुमार वर्मा हैं। आयोजन को सफल बनाने में प्रो. रेखा झा (विद्युत अभियंत्रण विभाग), डॉ. प्रियंका कुमारी (गणित विभाग) तथा डॉ. माया राज नारायण (सिविल विभाग) का विशेष सहयोग रहा। बीआईटी सिंदरी के निदेशक प्रो. (डॉ.) पंकज राय ने सभी क्लबों के इस सामूहिक प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केवल छात्रों की रचनात्मक प्रतिभा को उजागर करते हैं, बल्कि झारखंड की संस्कृति और विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का माध्यम भी बनते हैं। (झारखंड उत्सव के आगामी कार्यक्रम 16 नवम्बर तक जारी रहेंगे, जिसमें सांस्कृतिक संध्या और पुरस्कार वितरण समारोह मुख्य आकर्षण होंगे।)

धनबाद राउंड टेबल 342 ने मीडिया कर्मियों के लिए आयोजित किया निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

धनबाद, संवाददाता

गुरुवार को धनबाद राउंड टेबल 342 द्वारा सरायढेला स्थित कल्याणी डायग्नोस्टिक सेंटर के सहयोग से मीडिया कर्मियों के लिए एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में पत्रकारों के लिए कई तरह की उन्नत जांच सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। कल्याणी डायग्नोस्टिक सेंटर के एडमिन पार्टनर एवं धनबाद राउंड टेबल के टेबलर अनूप गोयल ने बताया कि इस बार शिविर को विशेष रूप से व्यापक बनाया गया है। इसमें सीबीसी, एलएफटी, केएफटी, शुगर रैंडम और लिपिड प्रोफाइल जैसी जांचें पूरी तरह निःशुल्क की गयी है। उन्होंने कहा कि पहले केवल बेसिक हेल्थ चेकअप किया जाता था, लेकिन अब एक संपूर्ण पैकेज के रूप में ये जांचें मीडिया कर्मियों की सुविधा के लिए लाई गई हैं। वहीं, डॉ. शिल्पी कुमारी ने मीडिया प्रतिनिधियों को जांच से संबंधित आवश्यक जानकारी दी। कार्यक्रम में कल्याणी डायग्नोस्टिक सेंटर के एडमिन पार्टनर पंकज गोयल, प्रकाश कुमार, सुमित अग्रवाल और धनबाद राउंड टेबल के टेबलर अनूप गोयल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

गोला के बड़की कोईया और हरना में हुए सड़क निर्माण कार्य के शिलान्यास का सांसद प्रतिनिधि ने किया विरोध

रामगढ़, संवाददाता

गोला स्थित द्वारिका पैलेस में रामगढ़ जिला सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए रामगढ़ जिला सांसद प्रतिनिधि एवं रामगढ़ विधानसभा के युवा नेता राजीव जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत रामगढ़ जिले में हाल ही में हुए शिलान्यास समारोह में सांसद एवं अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित न किया जाना अत्यंत खेदजनक एवं लोकतांत्रिक परंपराओं के विपरीत है। उन्होंने बताया कि दिनांक 11 नवम्बर 2025 को ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल रामगढ़ द्वारा मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत गोला प्रखंड के बरियातू पंचायत स्थित बड़की कोइया दोबाट से भेड़ा नदी पुल तक पथ निर्माण तथा बरलंगा के लुकैयाटांड़ से हरना तक सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। यह कार्यक्रम केवल स्थानीय विधायक की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ, जबकि क्षेत्र के सांसद और अन्य जनप्रतिनिधियों को न तो कोई सूचना दी गई और न ही आमंत्रण भेजा गया। आगे राजीव जायसवाल ने कहा यह कार्य न केवल प्रशासनिक प्रक्रिया का उल्लंघन है, बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादाओं और जनप्रतिनिधियों के सम्मान के खिलाफ है। मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना राज्य सरकार की प्रमुख विकास योजना है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण सड़कों का सुदृढ़ीकरण है। परंतु इस योजना का शिलान्यास केवल एक प्रतिनिधि की मौजूदगी में करना और अन्य निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को न बुलाना लोकतंत्र की आत्मा को ठेस पहुंचाने जैसा है। उन्होंने आगे कहा कि किसी भी योजना के सफल क्रियान्वयन में केंद्र और राज्य सरकार दोनों की भूमिका होती है, इसलिए किसी भी परियोजना को व्यक्तिगत उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत करना अनुचित है। सरकार का हर विकास कार्य जनता का है, किसी एक व्यक्ति का नहीं।इसका श्रेय जनता और उनके जनप्रतिनिधियों के सामूहिक प्रयासों को मिलना चाहिए, न कि केवल किसी एक नाम को, राजीव जायसवाल ने मांग की कि इस पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच कराई जाए और ऐसे कार्य के लिए जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं दोबारा न हों। उन्होंने कहा कि शिलान्यास पट्टिका पर केवल विधायक का नाम अंकित किया जाना अत्यंत निंदनीय है। यह न केवल सरकारी प्रक्रिया का अपमान है, बल्कि जनप्रतिनिधि संस्थाओं की गरिमा के साथ भी खिलवाड़ है। लोकतंत्र में सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों का सम्मान समान रूप से होना चाहिए, अंत में उन्होंने कहा हम लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं और उसकी मर्यादा की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसे लोकहितकारी कार्यक्रमों को किसी व्यक्ति विशेष की शोभा का माध्यम न बनाकर, जनता के हित में सामूहिक प्रयास का प्रतीक बनाना चाहिए। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य रूप से गोला मंडल सांसद प्रतिनिधि प्रीतम झा, गोला मंडल महामंत्री जितेंद्र साव, रवि हाजरा, किसान मोर्चा अध्यक्ष ललन कुशवाहा, उत्तम कुशवाहा, सूरज वर्मा, सुकेन्द्र साव सहित अनेक कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

रामगढ़ नगर परिषद को ज्ञापन: जल संकट, ठंड राहत और आवास भुगतान की मांग : राजेश महतो

रामगढ़, संवाददाता

रामगढ़ नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न समस्याओं को लेकर आजसू पार्टी नगर परिषद अध्यक्ष राजेश कुमार महतो के नेतृत्व में वार्डों में जलापूर्ति, सर्दी राहत और अन्य बुनियादी सुविधाओं को लेकर कार्यपालक पदाधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में 32 वार्डों की प्रमुख समस्याओं का समाधान तत्काल करने की मांग की गई है। ज्ञापन ज्ञापन सोंते हुए राजेश कुमार महतो ने कहा कि कई वार्डों में हैंडपंप और जलमीनार खराब हो चुके हैं, जिनकी मरम्मत जरूरी है। सभी 32 वार्डों में नए चापाकल लगाए जाएं। ठंड के मौसम को ध्यान में रखते हुए अलाव की व्यवस्था और गरीब परिवारों को कंबल वितरण किया जाए। प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभुकों के बकाया किस्तों का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित हो। साथ ही, मॉड्यूलर टॉयलेटों की जर्जर स्थिति सुधारें—दरवाजे, पानी, पैन और सफाई की व्यवस्था करें। ज्ञापन सौंपने वालों में नगर परिषद कार्यकारी अध्यक्ष हरेश राय, महासचिव छोटू पटेल,केंद्रीय सदस्य पंकज वर्णवाल, जिला सह प्रभारी युवा मोर्चा मनोज कु महतो, अमित कुमार दास, युवा नेता राजू महतो, अजय आस्था, दयानंद प्रसाद, सत्यम कुमार परमानंद पटेल आदि शामिल थे।पदाधिकारी ने समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।

फुलारीटांड़ के जंगल मे पेड़ से लटकती मिली लाश, पुलिस कर रही जांच

धनबाद, संवाददाता

फुलारीटांड माड़ी गोदाम के ठीक पीछे जंगल में बृहस्पतिवार को अहले सुबह पेड़ से लटकती हुई एक व्यक्ति की लाश मिली है। पेड़ से लटकती हुई संदिहास्पद स्थिति में लाश मिलने से आस पास के इलाके में सनसनी फैल गई । लाश की शिनाख्त फुलारीटांड़ निवाशी जीतन रवानी के रूप में की गई जिसकी उम्र लगभग 50 वर्ष बताई जा रही है। मृतक जीतन रवानी गाड़ी चलाने का काम करता था। वह काफी मिलनसार प्रवृति का आदमी था। सामाजिक कार्य में भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेता था। उसकी किसी के साथ कोई दुश्मनी नहीं थी। पिछले एक सप्ताह से अपने घर भी नही गया था और अक्सर घर के बाहर ही सोता था। सूचना मिलने पर पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर शव को पेड़ से उतारा और पोस्टमार्डम के लिए एम्बुलेंस से धनबाद भेज दिया। शाम को पोस्टमार्डम के बाद मृतक का शव उसके परिजनों को सौंप दिया है। सूचना पाकर बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो सहित फुलारीटांड पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि दिलीप विश्वकर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता और कोयला व्यवसाई कारू यादव, राजकुमार यादव सहित अनेक लोग फुलारीटांड़ पहुंच मृतक के घरवालों से मिले। मृतक जीतन रवानी अपने पीछे पत्नी तीन पुत्र और एक पुत्री छोड़ गया है। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। घटना को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही है। लोगों का कहना है कि जीतन रवानी आत्महत्या नहीं कर सकता है। उसकी हत्या कर शव को पेड़ से लटकाया गया है। अब यह हत्या है या आत्महत्या यह तो पुलिस की जांच में ही पता चलेगा। फिलहाल पुलिस भी जांच पड़ताल में जुट गई है।

दिल्ली बम ब्लास्ट पर झरिया नागरिक संघ ने जताया गहरा शोक

धनबाद, संवाददाता

दिल्ली में हुए बम ब्लास्ट की घटना पर झरिया नागरिक संघ ने गुरुवार को गहरा शोक व्यक्त किया। संघ की ओर से बाटा मोड़ गणेश चौक पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर मृतकों के सम्मान में दो मिनट का मौन रखा गया तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि यह जघन्य आतंकी हमला राष्ट्रविरोधी ताकतों की कायराना हरकत है। भारत सरकार से उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की ताकि आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस का संदेश दिया जा सके। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में भगवान दास केसरी, पूर्व पार्षद अनूप कुमार साव, राजू वर्मा, महेश गुप्ता, रामश्रेष्ठ झा, प्रशांत श्रीवास्तव, वीरेंद्र रवानी, अर्जुन निषाद, अतुल चंद्र मंडल, अशोक बरनवाल, राकेश केसरी, ब्रह्मदेव शर्मा, कमल किशोर सुमन, विशाल वर्मा, आर्यन सैनी, सुमन दत्ता, संतोष सिंह, राजेश अग्रवाल, रवि वर्मा, पी.के. उपाध्याय सहित कई सदस्य मौजूद थे।

कहानियों के जरिए बदलाव की पहल, कसमार में महिलाओं और किशोरियों को मिली नई दिशा

बोकारो, संवाददाता

सहयोगिनी संस्था द्वारा 'क्रिया' के सहयोग से कसमार प्रखंड के प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय, कसमार और पोंडा मध्य विद्यालय में एक अनूठा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम स्टोरी टेलिंग सर्किल (कहानी कहने का दायरा) के माध्यम से महिलाओं और किशोरियों को उनकी समस्याओं के प्रति जागरूक करने और समाधान खोजने पर केंद्रित था। कार्यक्रम के दौरान सेफ एकेडमिक की कुमारी पायल और सीमा रजवार ने अपनी कहानियों के माध्यम से महिलाओं और किशोरियों के सामने आने वाली समस्याओं को उजागर किया और उनके समाधान पर चर्चा की। विद्यालय की किशोरियों ने भी सक्रिय भागीदारी करते हुए चित्रांकन के माध्यम से अपने विचार और भावनाएं प्रकट कीं। कुमारी पायल ने बताया कि क्रिया और सहयोगिनी की पहल के तहत कहानी लेखन को ग्रामीण महिलाओं और किशोरियों की समस्याओं को सामने लाने और समाधान तक पहुँचने का माध्यम बनाया गया है। उन्होंने कहा कि हर महिला और किशोरी की अपनी कहानी होती है, जिसे साझा करने से बदलाव की शुरूआत होती है। इस पहल के तहत अब तक प्रखंड के पाँच गाँवों में बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं, जहाँ महिलाओं और किशोरियों पर होने वाली हिंसा, रोक-टोक और सामाजिक प्रतिबंध जैसे मुद्दों पर खुलकर चर्चा हुई। कार्यक्रम में सहयोगिनी संस्था की कुमारी किरण, मंजू देवी और अन्य सदस्य उपस्थित रहीं।

गौरव वर्ष में राष्ट्रीय एकता का संदेश, बोकारो में भाजपा का जनजागरण और शक्ति प्रदर्शन कार्यक्रम

बोकारो, संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी की ओर से गुरुवार को बोकारो परिषद में एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इसमें झारखंड प्रदेश भाजपा के महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष जयदेव राय ने की। सांसद डॉ. वर्मा ने कहा कि यह वर्ष भारतीय इतिहास के लिए गौरव का वर्ष है। इस वर्ष वंदे मातरम् के सृजन को, भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को तथा सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को 150 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। ये तीनों प्रतीक भारत की स्वतंत्रता, एकता और राष्ट्रीय भावना के प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने बताया कि भाजपा इस वर्ष को गौरव वर्ष के रूप में मना रही है और राज्यभर में जनजागरण, संगोष्ठी व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे गांव-गांव जाकर इन महापुरुषों के आदर्शों को लोगों तक पहुंचाएं। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष जयदेव राय ने कहा कि बोकारो जिला संगठन कई जनभागीदारी कार्यक्रम आयोजित करेगा। कार्यक्रम में जिला मीडिया प्रभारी, मंडल अध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

बोकारो थर्मल पावर प्लांट से विद्युत का उत्पादन हुआ बन्द, प्रतिदिन होगी 5.71 करोड़ का नुकसान

बोकारो, संवाददाता

बेरमो अनुमंडल अंतगर्त बोकारो थर्मल मे एस पौंड से छाई ट्रांसपोर्टिंग कार्य बंद होने के कारण दामोदर वेली कारपोरेशन (डीवीसी) बोकारो थर्मल पावर प्लांट से विद्युत का उत्पादन बंद बुधवार की अर्धरात्रि से गया है। इस पावर प्लांट से 500 मेगावाट का विद्युत का उत्पादन होता है । वरीय महाप्रबंधक सुशील कुमार अरजरीया ने बताया कि बोकारो थर्मल एस पौंड से छाई की ट्रांसपोर्टिंग कार्य नहीं होने के कारण एस पौंड पूरी तरह से भर गया है। पौंड टूट जाने का खतरा था। जिस कारण प्लांट को बंद करना पड़ा है। प्लांट बंद होने से डीवीसी को प्रतिदिन लगभग 5 करोड़ 71 लाख रुपए विद्युत उत्पादन का नुक्सान होने की संभावना है । विदित हो कि डीवीसी की विद्युत का उपयोग झारखंड सहित पंजाब ,दिल्ली जैसे प्रदेश वा राज्यों की उपभोक्ता बिजली उपभोग करती है। आपको बता दें कि छाई का उठाव विगत चार माह से बंद है। दोनों एस पौंड में लबालब छाई भरा हुआ है। इधर बोकारो थर्मल प्रतिनिधिनुसार बोकारो थर्मल डीवीसी प्लांट परिसर टेक्निकल बिल्डिंग सभागार में अपर समाहर्ता जिला बोकारो मुमताज अंसारी, बेरमो एसडीएम मुकेश कुमार मछुआ की अध्यक्षता में गुरुवार को डीवीसी ऐश पौंड के कार्यरत 54 मजदूरों के साथ बैठक किया। बैठक में मजदूरों ने अपनी समस्या रखते हुए चार माह का बकाया राशि भुगतान करने ,ईपीएफ लागु करने ,एसआई बनवाने आदि की मांग किया, जिससे उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा आम सहमति जताते हुए जैडनैक्स प्रतिनिधि मुकेश पंडित को दस दिनों के अंदर बनवाने की निर्देश दिया । उसके पश्चात मजदुरों द्वारा डीवीसी ऐश पौंड की बंद कार्य को शुरू करवाने पर हुंकार भरी। इधर मजदूरों की सारी समस्याएं सुनने के बाद अपर समाहर्ता जिला बोकारो मुमताज अंसारी व बेरमो एसडीएम मुकेश मछुआ ने जेडेनेक्स कंपनी के प्रतिनिधि को कड़ी शब्दों में सख्त निर्देश दिया कि मजदूरों को पहचान पत्र दस दिनों के अंदर निर्गत करें। साथ ही ईपीएफ,एसआई भी काटे, और चार महीना का बकाया राशि पर डीवीसी परियोजना प्रधान को कहा कि जो पूर्व में चल रही कंपनी जेपीडब्लु व रिफेक्स कंपनी का बकाया राशि से ही मजदूरों की चार महीना का बकाया राशि एक महीना के अंदर बैठकर मजदूरों की बकाया राशि का भुगतान कर दिया जाएगा । मौके पर डीवीसी परियोजना प्रधान सुशील कुमार अरजरिया, पर बेरमो डीएसपी बीएन सिंह, आदि थे।

प्रोजेक्ट जीविका के तहत महिला उद्यमियों के सशक्तिकरण हेतु ईएसएल ने कार्यशाला आयोजित

बोकारो, संवाददाता

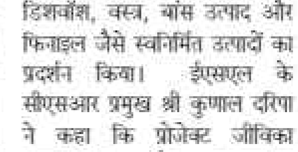

ईएसएल स्टील लिमिटेड ने ईएमपी बिंदी इंटरनेशनल एसोसिएशन के सहयोग से प्रोजेक्ट जीविका के अंतर्गत महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने हेतु एक आरंभिक कार्यशाला का आयोजन बिजुलिया, बोकारो में किया। कार्यशाला का उद्देश्य सरकारी अधिकारियों, हितधारकों और महिला उद्यमियों को एक मंच पर लाकर एमएसएमई योजनाओं, ऋण सुविधाओं और उद्यम विकास से जुड़े अवसरों पर चर्चा करना था। कार्यक्रम में नाबार्ड के डी.डी.एम. श्री फिलमुन बिलुंग, जिला उद्योग केंद्र के निदेशक श्री विवेक प्रकाश, बैंक ऑफ इंडिया के लीड जिला प्रबंधक श्री अबिद हुसैन सहित कई अधिकारी एवं ईएसएल की सीएसआर टीम मौजूद रहे। कार्यशाला के दौरान अधिकारियों ने महिलाओं को एमएसएमई पंजीकरण, ऋण सुविधा एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर 50 महिला उद्यमियों का उद्यम के अंतर्गत सफल पंजीकरण हुआ। महिला प्रतिभागियों ने हैंडवॉश, डिशवॉश, वस्त्र, बांस उत्पाद और फिनाइल जैसे स्वनिर्मित उत्पादों का प्रदर्शन किया। ईएसएल के सीएसआर प्रमुख श्री कुणाल दरिपा ने कहा कि प्रोजेक्ट जीविका आत्मनिर्भर और उद्यमशील महिलाओं की नई पीढ़ी तैयार करने का प्रयास है, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाएगी। यह कार्यशाला महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता और सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

आरजेडी एमएलसी सुनील कुमार सिंह ने चुनाव आयोग को दी धमकी

चुनाव में धोखाधड़ी हुई तो बिहार दूसरा नेपाल, बांग्लादेश बन जाएगा

पटना (एजेंसी) : बिहार विस नतीजे से पहले ही विपक्ष ने चुनाव आयोग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. राष्ट्रीय जनता दल ने धीमी मतगणना और गड़बड़ी की आशंका जताई है. इस बीच पार्टी के विधान पार्षद सुनील कुमार सिंह ने ऐसा बयान दिया है, जिसको लेकर सियासी बवाल शुरू हो गया है. उन्होंने इलेक्शन कमीशन को चेतावनी देते हुए कहा कि 2020 जैसा 'कुकृत्य' किया तो रिटर्निंग ऑफिसर 'सुरक्षित' बाहर नहीं आ पाएगा. आरजेडी एमएलसी सुनील सिंह ने कहा कि 2020 चुनाव में चुनाव आयोग और प्रशासन ने मिलकर कुकृत्य किया था. उन्होंने कहा कि इस बार वैसी ही गड़बड़ी करने पर या तो हमारे उम्मीदवार

बाहर आएंगे या वहां मौजूद रिटर्निंग ऑफिसर बाहर आ पाएंगे. सुनील सिंह ने चुनाव आयोग को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर मतगणना के दौरान कोई गड़बड़ी की तो यहां भी नेपाल जैसा दृश्य देखने को मिल सकता है. उन्होंने कहा कि बिहार की जनता आशंकित है, ऐसे में तमाम लोग सड़क पर उतर जाएंगे.चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए आरजेडी नेता ने कहा कि चुनाव आयोग की साख पर बट्टा लग चुका है. सुनील सिंह ने कहा कि जिस तरह से बिहार चुनाव के दौरान रिटर्निंग अफसरों की पोस्टिंग की गई है, उससे जनता आशंकित है कि फिर बेईमानी होगी. ऐसे में अगर ऐसा हुआ तो नेपाल का दृश्य यहां पर भी देखने को मिलेगा. इससे पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी मतगणना के दौरान गड़बड़ी की आशंका जता चुके हैं. बुधवार को पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उन्होंने कहा था, 'पूरा प्रयास किया जाएगा कि काउंटिंग को स्लो करवाया जाए, जहां घटनाएं होंगी, वहां कोई कारवाई नहीं करवाएंगे ये लोग लेकिन पूरे बिहार में मिलिट्री फ्लैग मार्च करवाएंगे. कुकृत्य आपने वर्ष 2020 में किया कि 4-4 घंटे किसी के बारे में किसी को कुछ पता नहीं था, वो काम अगर इस बार होगा तो या तो मेरा उम्मीदवार बाहर आएगा या वो जो रिटर्निंग ऑफिसर होगा, वो बाहर आएगा. मैं आपको चेतावनी देना चाहता हूं, पूरी जनता सड़क पर आएगी और वो दृश्य देखने को मिलेगा, जो आपको नेपाल में देखने को मिला है' सुनील सिंह ने कहा कि बिहार के लोग अचंभित हैं कि वोट गठबंधन को मिल रहा फिर एनडीए को जीत कैसे? सुनील सिंह ने एग्जिट पोल को साजिश बताया। उन्होंने मतगणना को लेकर साजिश की आशंका जताई है। सुनील सिंह के इस बयान पर बिहार बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने प्रतिक्रिया दी है।

पटना के सारे स्कूल बंद रहेंगे, DM ने जारी किया ऑर्डर

पटना (एजेंसी) : बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए मतगणना 14 नवंबर को होगी. ऐसे में मतगणना को लेकर राजधानी पटना में सुरक्षा और प्रशासनिक कारणों से सभी सरकारी और निजी स्कूल बंद रहेंगे. पटना जिलाधिकारी (DM) और निर्वाचन पदाधिकारी त्यागराजन एसएम ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए कहा है कि मतगणना प्रक्रिया के सुचारु संचालन और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए 14 नवंबर को पटना के सभी स्कूल बंद रहेंगे. मतगणना के दौरान एएन कॉलेज की तरफ जाने वाले रास्तों पर सार्वजनिक आवागमन बाधित रहेगा. ऐसे में काउंटिंग के दौरान किसी तरह की कोई दिक्कत न हो इसको देखते हुए पटना के सभी स्कूलों को बंद रखने का निर्देश दिया गया है. जिला प्रशासन ने यह भी निर्देश दिया है कि मतगणना केंद्रों के आसपास आम लोगों की

आवाजाही पर प्रतिबंध रहेगा. इस संबंध में पटना जिला प्रशासन की तरफ से सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर लिखा गया है- बिहार विधान सभा आम निर्वाचन, 2025 के अवसर पर पटना जिलान्तर्गत सभी 14 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए मतगणना दिनांक 14 नवम्बर, 2025 को पूर्वाह्न 8.00 बजे से ए.एन. कॉलेज, पटना में होना निर्धारित है. यातायात प्रबन्धन, लोक सुविधा एवं जनहित के दृष्टिकोण से पटना जिला के सभी विद्यालयों में 14 नवम्बर को 12वीं कक्षा तक पठन-पाठन स्थगित रहेगा.

मतदाताओं को धमकाने वाला मुखिया प्रतिनिधि गिरफ्तार

नवादा,एजेंसी : बिहार के नवादा में एक मुखिया प्रतिनिधि को ग्रामीणों को डरा-धमकाकर एक विशेष पार्टी को वोट देने के लिए मजबूर करने के आरोप में पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने के बाद की गई, जिसमें आरोपी अपने सहयोगियों के साथ ग्रामीणों से मारपीट करते और धमकाते नजर आ रहा था। घटना रोह थाना क्षेत्र की है पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य अभियुक्त को हिरासत में ले लिया है। सूचना मिलते ही प्राथमिकी दर्ज। दिनांक 12 नवंबर 2025 को रोह थाना को सूचना मिली कि सोशल

मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो वायरल हो रहा है. वीडियो में एक व्यक्ति अपने सहयोगियों के साथ मिलकर ग्रामीणों को डरा-धमकाकर और मारपीट करते हुए किसी विशेष पार्टी को वोट देने की बात कह रहा था। इसकी गंभीरता को देखते हुए एक पीड़ित ने थाने में लिखित आवेदन दिया।

बेगूसराय में तेज रफ्तार ट्रक ने मां-बेटे को कुचला, दोनों की मौत

बेगूसराय (एजेंसी) : बेगूसराय में तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार मां-बेटे को रौंद दिया। दोनों की मौत हो गई। हादसे के बाद मौके से भाग रहे ड्राइवर को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया। बीहट में एनएच-31 फोरलेन को जाम कर दिया घटना एफसीआई थाना क्षेत्र की है। मृतकों की पहचान बरौनी फटकिटी निवासी अरुण यादव की पत्नी विभा देवी (41 वर्ष) और पुत्र गोलू कुमार (22) के तौर पर हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। दुर्घटनाग्रस्त बाइक और ट्रक को जब्त कर लिया। ड्राइवर अनिल यादव से पूछताछ की जा

रही है। जानकारी के मुताबिक विभा देवी अपने पुत्र गोलू कुमार के साथ बाइक से मोकामा की ओर जा रही थी। इसी दौरान चांदनी चौक के पास सड़क पर बाइक फिसल गया। इस दौरान ट्रक ने दोनों को कुचल दिया। घटना के बाद मौके पर भारी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई। आक्रोशित लोगों का कहना है कि एनटीपीसी का राख बड़ी संख्या में बड़े-बड़े ट्रकों पर लोड करके ले जाया जाता है।

गोपालगंज में गला दबाकर विवाहिता की हत्या

गोपालगंज (एजेंसी) : के ऊंचकागांव थाना क्षेत्र के साखे खास गांव में एक नवविवाहिता की गला दबाकर हत्या का मामला सामने आया है। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा और जांच शुरू कर दी। इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है। मृतका की पहचान ऊंचकागांव थाना क्षेत्र के साखे खास गांव निवासी सुनील बारी की पत्नी संजू देवी(20) के रूप में हुई है। संजू की शादी सुनील बारी से पिछले साल 25 नवंबर को हुई थी। शादी के करीब डेढ़ महीने बाद सुनील बारी कमाने के लिए दिल्ली चला गया था।

पुलिस ने 8 नाबालिग लड़कियों को ऑर्केस्ट्रा से कराया मुक्त

गोपालगंज (एजेंसी) : गोपालगंज के बरौली थाना क्षेत्र में मिशन मुक्ति फाउंडेशन और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त छापेमारी कर आठ नाबालिग लड़कियों को विभिन्न ऑर्केस्ट्रा समूहों से मुक्त कराया है। इस कार्रवाई के दौरान तीन ऑर्केस्ट्रा संचालकों को भी गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए संचालकों से पूछताछ के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मिशन मुक्ति फाउंडेशन को लंबे समय से इलाके के कुछ ऑर्केस्ट्रा संचालकों की संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिल रही थी। इन सूचनाओं के आधार पर फाउंडेशन की टीम ने स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर यह छापेमारी की।

अभियान के दौरान बरौली थाना क्षेत्र के मोहनपुर बाजार, पायल टॉकीज सरफरा बाजार और सिसई गांव में दबिश दी गई। इन सभी स्थानों पर अवैध तरीके से ऑर्केस्ट्रा संचालित किए जा रहे थे, जहां नाबालिग लड़कियों का कथित तौर पर शोषण किया जा रहा था।

आग लगने से दंपती झुलसा, पत्नी की मौत

औरंगाबाद (एजेंसी) : औरंगाबाद जिले के फेसर थाना क्षेत्र के उम्भू गांव में बुधवार की देर रात दर्दनाक हादसा हुआ, जब अचानक घर में आग लगने से एक दंपती बुरी तरह झुलस गए। इस घटना में पत्नी ने मौके पर दम तोड़ दिया, जबकि पति को गंभीर हालत में मगध मेडिकल कॉलेज में एडमिट कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। मृतका की पहचान उम्भू गांव के रहने वाले बीडीओ राम की 45 साल की पत्नी भिखनी देवी के रूप में की गई। मृतका की बेटी विजयंती कुमारी ने बताया कि घर में दो कमरे हैं, जिसमें दो भाई अपनी-अपनी पत्नी और बेटे-बेटियों के साथ रहते हैं।

अहारा में डूबने से 2 बच्चों की मौत

नवादा (एजेंसी) : नवादा में गुरुवार को अकबरपुर थाना क्षेत्र के औरैया गांव में एक अहारा (जल निकाय) में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई। दोनों बच्चे एक ही गांव के निवासी थे। मृतकों की पहचान औरैया गांव निवासी जयराम रविदास के लगभग 8 वर्षीय बेटे राजरतन कुमार और निरंजन राजवंशी के लगभग 7 वर्षीय बेटे रेशान कुमार के रूप में हुई है। परिजन ने बताया कि दोनों बच्चे शौच के लिए गांव के बाहर अहारा की ओर गए थे। अहारा के किनारे जाते समय एक बच्चे का

पैर फिसल गया और वह पानी में गिर गया। उसे बचाने के प्रयास में दूसरा बच्चा भी अहारा में उतर गया और दोनों डूब गए। कई घंटों तक उनका कोई पता नहीं चला, जिसके बाद परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की।

टेंपो-ट्रक टक्कर महिला की मौत

कैमूर (एजेंसी) : कैमूर जिले के मोहनिया थाना क्षेत्र में एनएच319 पर मामा देवगांव के पास गुरुवार की सुबह करीब 6 बजे एक टेंपो और ट्रक की भीषण टक्कर में एक महिला की मौत हो गई, जबकि 8 लोग घायल हो गए। घटना उस समय हुई जब सभी लोग शादी समारोह से वापस घर आ रहे थे। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को अनुमंडल अस्पताल मोहनिया पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया।

चंदन हत्याकांड में 2 नामजद आरोपियों का सरेंडर

पटना (एजेंसी) : भोजपुर में चंदन हत्याकांड में पुलिस की सख्ती के बाद 2 नामजद आरोपियों ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया। कोर्ट ने अंकित कुमार और संजीत कुमार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की तैयारी की जा रही है। इससे पहले 25 अक्टूबर को एक नामजद आरोपी सत्येंद्र सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। चरपोखरी थाना क्षेत्र के बजेन टोला में 23 अक्टूबर की रात गोवर्धन पूजा के मौके पर नाटक का आयोजन किया गया था। इस दौरान हथियारबंद अपराधियों ने राजेंद्र

सिंह के पुत्र चंदन कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी थी। भाई की हत्या का बदला लेने के लिए चंदन को करीब से 4 गोलियां मारी गई थी। घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई थी। वारदात के बाद मृतक के बड़े भाई विनोद कुमार के बयान पर चरपोखरी थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जिसमें आठ लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया था। यह हत्या पुराने विवाद और प्रतिशोध का परिणाम मानी जा रही है। वर्ष 2023 में सत्येंद्र सिंह के भाई उपेंद्र सिंह की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। जबकि सत्येंद्र सिंह उस घटना में घायल हुआ था। उस समय मृतक चंदन कुमार समेत चार लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया था। वे जेल भी गए थे। बाद में जमानत पर छूटे थे।

जुआ खेलने से मना करने पर 3 को मारी गोली

पटना (एजेंसी) : पटना में बुधवार की रात जुआ खेलने से मना करने पर बदमाशों ने 3 युवकों को गोली मार दी। फायरिंग में तीनों घायल हो गए हैं। जिन्हें नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एनएमसीएच) ले जाया गया। जहां उनका अभी इलाज चल रहा है। घायलों में साहुल कुमार, विकास कुमार और अंकित कुमार शामिल हैं। साहुल और विकास के पैर में बुलेट लगी है, जबकि अंकित के सीने में गोली लगी है। इस कारण अंकित की स्थिति अभी गंभीर बनी हुई है। घायल के भाई साहुल ने कहा कि 40 राउंड बदमाशों ने फायरिंग की है। पटना दीदारगंज थाना क्षेत्र के ज्ञानचक गांव की है।

कारोबार

निर्यातकों को कोलेटरल-फ्री लोन मिलेगा इसकी 100% गारंटी सरकार लेगी

नई दिल्ली (एजेंसी) : गारंटी स्कीम को कैबिनेट की मंजूरी, 50% अमेरिकी टैरिफ से राहत मिलेगी सरकार ने देश के छोटे-बड़े सभी निर्यातकों को वित्तीय सहायता देने के लिए क्रेडिट गारंटी स्कीम को मंजूरी दे दी है। इस स्कीम के तहत नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड 100% क्रेडिट गारंटी देगी। जिससे एक्सपोर्टर्स को बिना किसी कोलेटरल (लोन के बदले गारंटी) के क्रेडिट मिल सकेगा। इसमें 6 साल के लिए 25,060 करोड़ रुपए का बजट एलॉकेट किया गया है, जिसमें 20,000 करोड़ रुपए एक्सपोर्टर्स के लिए क्रेडिट गारंटी स्कीम को बढ़ाने के लिए दिए जाएंगे। यह मिशन टरटए२ और पहली बार एक्सपोर्ट करने वालों को सपोर्ट देगा, ताकि भारत का एक्सपोर्ट टारगेट 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली कैबिनेट कमेटी

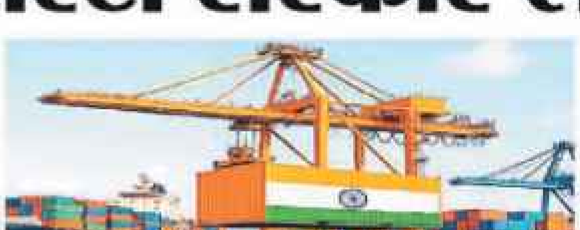

ऑन इकोनॉमिक अफेयर्स ने आज (12 नवंबर) यह फैसला लिया। यह स्कीम डिपार्टमेंट ऑफ फाइनेंशियल सर्विसेज के जरिए लागू होगी। ठठत्रुलठ लोन देने वाली बैंक या फाइनेंशियल कंपनियों को गारंटी देगी, ताकि वो एलीजिबल एक्सपोर्टर्स को आसानी से लोन दे सकें। इसके लिए एक मैनेजमेंट कमेटी भी बनेगी, जिसकी चेयरमैनशिप उत्र्क्ष के सेक्रेटरी करेंगे। ये कमेटी स्कीम की प्रोग्रेस पर नजर रखेगी। अमेरिका ने इस साल अगस्त से इंडियन इंपोर्ट्स (भारत के लिए ये एक्सपोर्ट्स होंगे) पर 50% टैरिफ लगाए हैं, जो टरटए के निर्यातकों को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है।

उतार-चढ़ाव के बीच बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

नई दिल्ली (एजेंसी) : शेयर बाजारों में तीन दिनों से जारी तेजी का सिलसिला हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को थम गया। विदेशी निवेशकों की पूंजी निकासी के बीच वैश्विक बाजारों में कमजोर धारणा का बाजार पर असर पड़ा। शेयर बाजार के दोनों मानक सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। कारोबार के अंत में बॉम्बे स्?टॉक एक्?सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 12.16 अंक यानी 0.014

फीसदी की मामूली बढ़त के साथ 84,478.67 के पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 84,919.43 अंक तक चढ़ा, जबकि नीचे में 84,253.05 अंक तक आया। इसी तरह नेशनल स्टक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 3.35 अंक यानी 0.013 फीसदी बढ़कर 25,879.15 के स्तर पर बंद होने में कामयाब रहा।

डीपीआईआईटी को 1,914 करोड़ रुपये निवेश के लिए मिले 13 आवेदन

नई दिल्ली, (एजेंसी) : एयर कंडीशनर (एसी) और एलईडी लाइट के लिए पीएलआई योजना के तहत 13 कंपनियों ने 1,914 करोड़ रुपये के प्रतिबद्ध निवेश के साथ आवेदन किए हैं। इन नए आवेदकों में से 50 फीसदी से अधिक एमएसएमई क्षेत्र से हैं। इस दौर के लिए आवेदन 15 सितंबर से 10 नवंबर तक लिए गए। वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के मुताबिक 13 आवेदकों में से एक मौजूदा पीएलआई लाभार्थी है, जिसने 15 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करने के लिए आवेदन किया है, जबकि नौ आवेदकों ने 1,816 करोड़ रुपये के संचयी निवेश के साथ एयर कंडीशनर घटकों के

निर्माण के लिए आवेदन किया है। सफेद वस्तुओं में एसी और एलईडी लाइटें शामिल हैं। ये निवेश तांबे की ट्यूब, एल्युमीनियम स्टॉक, कंप्रेसर, मोटर, हीट एक्सचेंजर, कंट्रोल असेंबली और अन्य उच्च-मूल्य वाले घटकों के उत्पादन पर केंद्रित हैं। डीपीआईआईटी के मुताबिक शेष चार आवेदकों ने एलईडी चिप्स, ड्राइवर और हीट सिंक सहित एलईडी घटकों के निर्माण के लिए 98 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव रखा है। प्रस्तावित निवेश 6 राज्यों में फैला है, जिसमें 13 जिले और 23 स्थान शामिल हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक अबतक श्वेत वस्तुओं के लिए पीएलआई योजना ने 80 स्वीकृत लाभार्थियों से 10,335 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त किया है, 1.72 लाख करोड़ रुपये का उत्पादन अपेक्षित है, और लगभग 60,000 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की संभावना है।

जेपी इंफ्राटेक के मैनेजिंग डायरेक्टर को ईडी ने गिरफ्तार किया

नई दिल्ली (एजेंसी) : प्रवर्तन निदेशालय ने जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर मनोज गौर को मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार किया है। यह मामला घर खरीदने वालों से लिए गए 12,000 करोड़ रुपए के फंड डायवर्जन (पैसों की हेराफेरी) से जुड़ा है। कंपनी के खिलाफ यह मामला 2017 से चल रहा है। इसमें करीब 21,000 फ्लैट के लिए एडवांस पैसे देने वाले लोग फंस चुके हैं। इन बायर्स ने नोएडा के विश टाउन जैसे प्रोजेक्ट्स में फ्लैट बुक किए थे लेकिन जब उन्हें फ्लैट्स नहीं मिले। ईडी के अधिकारियों ने बताया कि गौर ने कंपनी के फैसलों में अहम रोल निभाया और फंड्स को ग्रुप की दूसरी कंपनियों में ट्रांसफर किया। ईडी ने यह गिरफ्तारी दिल्ली,

नोएडा, गाजियाबाद और मुंबई में 15 लोकेशन्स पर छापेमारी के बाद की है। छापों में 1.7 करोड़ रुपए कैश, डिजिटल डेटा और प्रॉपर्टी डॉक्यूमेंट्स जब्त किए गए। ईडी के मुताबिक, जेपी ग्रुप की सब्सिडियरी कंपनियां जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड और जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड में बड़े लेवल पर वित्तीय

फिजिक्स वाला के अलख पांडे शाहरुख से भी ज्यादा अमीर

नई दिल्ली (एजेंसी) : ये एक ऐसे लड़के की कहानी है, जो बचपन में 'एवरेज' स्टूडेंट था। मैथ्स से डरता था और घर की हालत ऐसी कि पिता की नौकरी चली गई, घर, स्कूटर सब बिक गया। लड़के का नाम था अलख पांडे। लेकिन आज वही अलख 'फिजिक्स वाला' के नाम से मशहूर है। एक एडटेक यूनिकॉर्न फाउंडर, जिसका सफर 9 साल पहले यूट्यूब चैनल से शुरू हुआ था। आज अलख की कंपनी की वैल्यूएशन करीब ?30 हजार करोड़ है। वहीं खुद की नेटवर्थ 14,510 करोड़ है, जो शाहरुख खान की ?12,490 करोड़ की नेटवर्थ से भी ज्यादा है। अलख की ये कंपनी अब आईपीओ लेकर आई है।

एस्ट्रोलॉजर स्कैम-पेमेंट लिंक से बैंक अकाउंट खाली हो रहे

नई दिल्ली (एजेंसी) : इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर ने सोशल मीडिया पर ऑनलाइन एस्ट्रोलॉजर स्कैम्स के खिलाफ अलर्ट जारी किया है। साइबर क्रिमिनल्स फेक सर्टिफाइड एस्ट्रोलॉजर बनकर लोगों को फंसाते हैं, फ्री कंसल्टेशन से ट्रस्ट बनाते हैं और फिर पैसे मांगते हैं। एक पीड़ित ने बताया कि फ्री कंसल्टेशन के बाद ?10,000 की डिमांड की गई, लेकिन पेमेंट लिंक से बैंक अकाउंट खाली हो गया। साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर ने कहा- डिस्ट्रेस्ड लोग क्विक सॉल्यूशंस की तलाश में फंस जाते हैं, इसलिए सावधानी जरूरी है। रेडसीर स्ट्रैटेजी कंसल्टेंट्स के मुताबिक भारत में एस्ट्रो मार्केट 60,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का हो चुका है। अकेले डिजिटल सेगमेंट में इसके 2030 तक 10 गुना बढ़ने की उम्मीद है। केवल भारत में ही नहीं अमेरिकी मार्केट में भी ये पॉपुलर हो रही है। अलाइड मार्केट रिसर्च की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका में ऑनलाइन एस्ट्रोलॉजी के मार्केट की वैल्यू करीब 3 बिलियन डॉलर का है। अगले पांच सालों में ये तीन गुना बढ़ सकता है। सबसे पॉपुलर ज्योतिष एप्स में से एक को-स्टार के पास 3 करोड़ रजिस्टर्ड यूजर्स हैं। वहीं प्यू रिसर्च सेंटर की स्टडी के मुताबिक, अमेरिका के करीब 30% लोग साल में कम से कम एक बार हॉरोस्कोप, टैरो कार्ड्स या फॉर्च्यून टेलर्स से सलाह जरूर लेते हैं।

'मिराय' का दबदबा 'लोका' का भी जलवा बरकरार

जानिए कौन सी फिल्म रही सबसे आगे

मुंबई,(आईएएनएस)। इन दिनों सिनेमाघरों में कई फिल्में दर्शकों को अपनी ओर खींच रही हैं। एक तरफ जहां एक्शन और थ्रिलर से भरी फिल्मों का असर बना हुआ है, वहीं लेटेस्ट रिलीज हुई फिल्मों की टक्कर ने मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है। खासकर साउथ की फिल्म 'मिराय' ने रिलीज के साथ ही जो तूफान मचाया है, उसने कई बॉलीवुड फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। दूसरी ओर टाइगर श्रॉफ की 'बागी 4' अपने दूसरे हफ्ते में धीमी रफ्तार से चल रही है। विवेक अग्निहोत्री की 'द बंगाल फाइल्स' को दर्शकों से मिला-जुला रिस्पांस मिल रहा है, जबकि मलयालम सिनेमा की 'लोका: चैप्टर 1 - चंद्रा' लगातार शानदार कमाई कर रही है।

साउथ स्टार तेजा सज्जा की फिल्म 'मिराय' को रिलीज हुए चार दिन हो चुके हैं। सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने शुक्रवार को ओपनिंग के साथ ही 13 करोड़ रुपए कमाए, शनिवार को ये आंकड़ा बढ़कर 15 करोड़ हो गया और रविवार को फिल्म ने 17 करोड़ की मजबूत कमाई दर्ज की। हालांकि, सोमवार को इसमें गिरावट आई और फिल्म ने चौथे दिन 6 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। कुल मिलाकर 'मिराय' का चार दिनों का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 50.60 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। दूसरी ओर, टाइगर श्रॉफ की एक्शन फिल्म 'बागी 4' ने पहले हफ्ते में 44.5 करोड़ की कमाई की थी, लेकिन दूसरे हफ्ते में इसकी रफ्तार धीमी हो गई। आठवें दिन फिल्म ने 1.25 करोड़, नौवें दिन 1.75 करोड़, दसवें दिन 2.15 करोड़ और अब ग्यारहवें दिन यानी दूसरे सोमवार को सिर्फ 75 लाख की कमाई की है। इसके साथ ही 'बागी 4' की 11 दिन की कुल कमाई अब 50.40 करोड़ रुपए हो गई है। वहीं, 'द बंगाल फाइल्स' और मलयालम फिल्म 'लोका: चैप्टर 1 चंद्रा' की बात करें तो विवेक अग्निहोत्री की फिल्म ने पहले हफ्ते में 11.25 करोड़ की कमाई की थी। उसके बाद दूसरे हफ्ते में आठवें दिन 60 लाख, नौवें दिन 1.15 करोड़ और दसवें दिन 1.1 करोड़ रुपए कमाए।

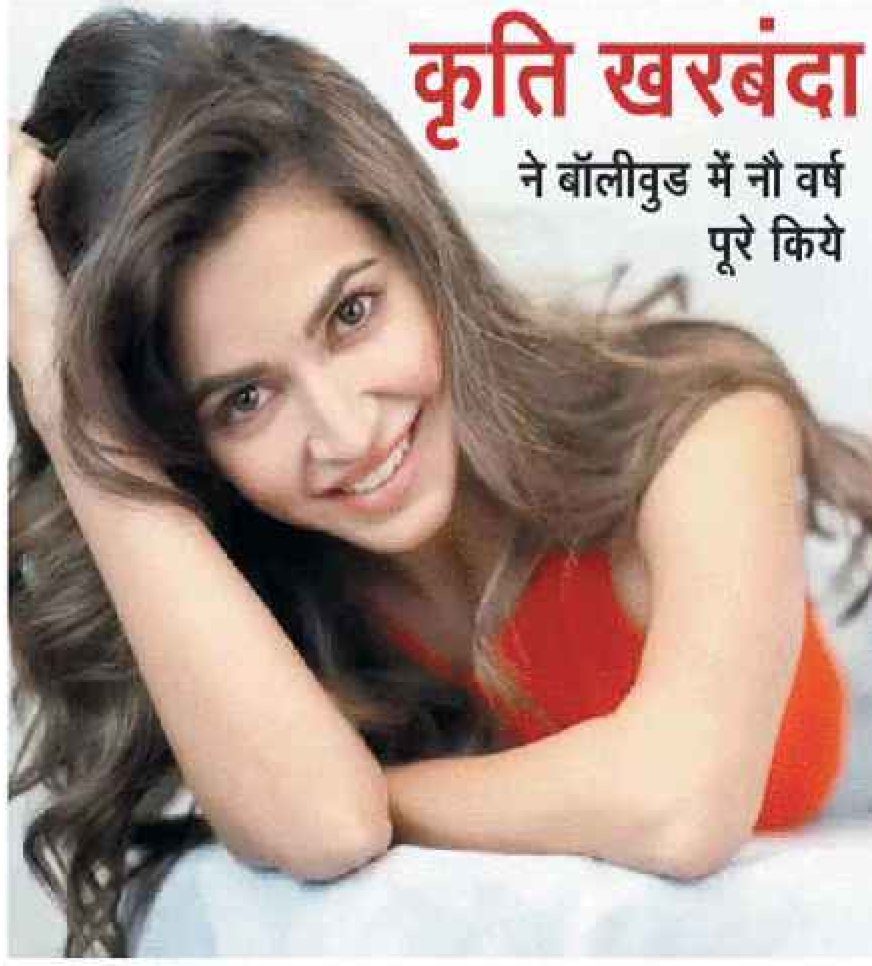

कृति खरबंदा

ने बॉलीवुड में नौ वर्ष पूरे किये

मुंबई (वार्ता)। जानीमानी अभिनेत्री कृति खरबंदा ने बॉलीवुड में अपने नौ साल पूरे कर लिये हैं। 'राज रिबूट' से 'राणा नायडू 2' तक कृति खरबंदा का फिल्मी सफर काफी दिलचस्प रहा है। वर्ष 2016 में 'राज रिबूट' से बॉलीवुड में कदम रखने वाली कृति खरबंदा ने अपने करियर के नौ साल पूरे कर लिये हैं। उनका फिल्मी सफर कमर्शियल फिल्मों के साथ दिल छू लेने वाले ड्रामों और बेबाक ओटीटी विकल्पों का बेहद अनूठा संतुलन दर्शाता है। हॉरर थ्रिलर फिल्म 'राज रिबूट' से बॉलीवुड में कदम रखनेवाली कृति ने इस फिल्म में जिस तरह की चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाई, उसने उनकी सक्षम अभिनय प्रतिभा के साथ उनके आत्मविश्वास को भी दिखाया। एक हल्की-फुल्की कॉमेडी फिल्म गेस्ट इन लंदन में उन्होंने अपने स्वाभाविक आकर्षण के साथ परफेक्ट कॉमिक टाइमिंग से अपने दर्शकों का दिल जीता। शादी में जरूर आना को उनके अभिनय सफर में मील का पत्थर कहें तो गलत नहीं होगा क्योंकि इस इमोशनल रोमांटिक फिल्म के जरिए उन्होंने अपने संवेदनशील, किंतु प्रभावशाली अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया।

यमला पगला दीवाना इस फिल्म में भी उन्होंने अपनी कॉमिक टाइमिंग के साथ-साथ बड़े सितारों के होते हुए भी अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज करवाई। हाउसफुल 4 ,बॉलीवुड की एक ब्लॉकबस्टर कॉमेडी फिल्म में शुमार है, जिसने उन्हें बॉलीवुड के सबसे सफल फ्रेंचाइज़ में जगह दी। फिल्म पागलपंती अपने नाम के अनुरूप पूरी तरह से एक विशुद्ध कॉमेडी मनोरंजक फिल्म थी, जिसने उन्हें मुख्यधारा में बनाए रखा।विजॉय नांबियार की गहरी क्राइम ड्रामा फिल्म तैश ने भी कृति की अभिनय में गहराई को जोड़ा, बल्कि उनके अभिनय क्षमता को साबित किया।

'मुझे जिंदगी से प्यार है', बीमारी से जूझ रहीं नफीसा अली का भावुक नोट

मुंबई (आईएएनएस)। मशहूर अभिनेत्री नफीसा अली ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर अपने स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीमारी का पता चलने के बाद सर्जरी संभव नहीं है, इसलिए वे फिर से कीमोथेरेपी शुरू कर रही हैं।

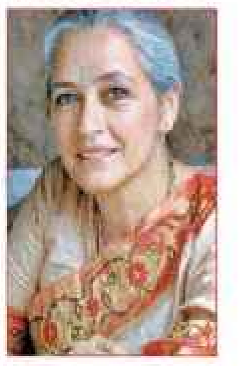

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक स्क्रीनशॉट नोट शेयर किया, एक दिन मेरे बच्चों ने पूछा, 'जब आप नहीं रहेंगी, तो हम किसके पास जाएंगे?' मैंने कहा, एक-दूसरे का सहारा लो। मेरा सबसे बड़ा उपहार यही है, भाई-बहन, जो एक ही प्यार और यादें साझा करते हैं। एक-दूसरे की रक्षा करो, और याद रखो। आपका रिश्ता जीवन की किसी भी चुनौती से मजबूत है। नफीसा ने नोट शेयर कर कैप्शन में लिखा, आज से मेरे सफर का नया अध्याय शुरू।

आलोक नाथ

को मल्टी लेवल मार्केटिंग फ्रॉड केस में सुप्रीम कोर्ट से राहत, गिरफ्तारी पर रोक

नई दिल्ली (आईएएनएस)। फिल्म अभिनेता आलोक नाथ को मल्टी लेवल मार्केटिंग फ्रॉड केस में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। इस केस की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अभिनेता की याचिका पर हरियाणा, उत्तर प्रदेश और केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने आलोक नाथ की गिरफ्तारी पर भी रोक लगाई है। इसी केस में अभिनेता श्रेयस तलपडे को भी सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल चुकी है। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने अभिनेता की याचिका पर हरियाणा पुलिस और अन्य को नोटिस जारी किया है। अब सुप्रीम कोर्ट अभिनेता श्रेयस तलपड़े की याचिका के साथ आलोक नाथ के केस की सुनवाई करेगा।

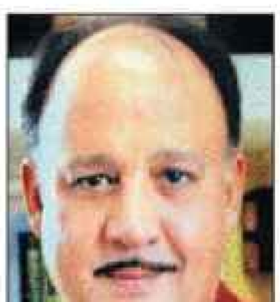

आलोक नाथ और श्रेयस तलपड़े ने अपने खिलाफ दर्ज मुकदमे को रद्द किए जाने की मांग की है। यह पूरा मामला हरियाणा के सोनीपत की एक मल्टी मार्केटिंग फर्म से जुड़ा है। इसमें हुई धोखाधड़ी के आरोप में फिल्म अभिनेता आलोक नाथ के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। इस कंपनी ने अभिनेता आलोक नाथ और श्रेयस तलपड़े को अपना ब्रांड एम्बेसडर बनाया था। सोनीपत और लखनऊ दोनों जगह दर्ज की गई एफआईआर में श्रेयस तलपड़े, आलोक नाथ समेत 13 लोगों को आरोपी बनाया गया था। शिकायत में 7 आरोपियों ने कथित तौर पर 45 निवेशकों से 9.12 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी होने की बात कही थी।

खाली पेट चाय

पीना पड़ सकता है भारी, शरीर को कर सकता है बीमार

नई दिल्ली (आईएएनएस)। भारत में सुबह की शुरुआत अक्सर एक प्याली चाय से होती है। उठते ही चाय की चुस्की लेना न सिर्फ आदत बन चुकी है, बल्कि कई लोगों के लिए दिनभर की ऊर्जा का एक तरीका भी है। लेकिन, ये आदत धीरे-धीरे आपके शरीर को नुकसान पहुंचा रही है। आयुर्वेद के अनुसार, सुबह का समय शरीर के वात और पित्त दोषों के सक्रिय होने का होता है। इस वक्त पेट खाली होता है और उसमें प्राकृतिक रूप से पाचन अग्नि तेज होती है। ऐसे में अगर सीधे कैफीन और टैनिन से भरपूर चाय पी ली जाए, तो यह पाचन अग्नि को प्रभावित करती है। इससे न सिर्फ एसिडिटी और गैस की समस्या हो सकती है, बल्कि लंबे समय तक ऐसा करने से पेट की अंदरूनी परत को नुकसान पहुंच सकता है। वहीं, नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के अनुसार, खाली पेट चाय पीने से शरीर में एसिड का स्तर बढ़ जाता है, जिससे गैस्ट्रिक इरिटेशन, जलन और अपच की समस्या होती है। चाय में मौजूद कैफीन शरीर में तनाव को बढ़ाने वाले हार्मोन यानी कॉर्टिसोल को भी बढ़ाता है। जब ये हार्मोन बार-बार और ज्यादा मात्रा में सक्रिय होता है, तो मानसिक अस्थिरता, चिड़चिड़ापन और नींद न आने जैसी समस्याएं सामने आती हैं। खाली पेट कैफीन लेने से भूख भी कम लगने लगती है, जिससे शरीर को जरूरी पोषक तत्व समय पर नहीं मिल पाते। इससे आयरन की कमी, एनीमिया, और कमजोरी की शिकायत हो सकती है। जो लोग दिन में 5 से 6 बार चाय पीते हैं, उनके शरीर में पोषक तत्वों का अवशोषण कम हो जाता है और थकान बनी रहती है। सुबह उठते ही चाय पीना शरीर को ज्यादा डीहाइड्रेट कर सकता है। इससे त्वचा में रूखापन, सिरदर्द और सुस्ती महसूस हो सकती है। इसके अलावा, चीनी और चाय में मौजूद एसिड मिलकर दांतों के इनेमल को कमजोर कर सकते हैं। लंबे समय तक ऐसा करने से दांत पीले पड़ सकते हैं और हड्डियां भी धीरे-धीरे कमजोर हो सकती हैं।

बिग बॉस 19

अमाल और शहबाज की मस्ती से नया बवाल, घरवालों को पारा हाई

मुंबई(आईएएनएस)। बिग बॉस 19 के घर में कुछ कंटेस्टेंट्स की मस्ती लड़ाई-झगड़े की वजह बन गई। दरअसल, अमाल मलिक और शहबाज बदेशा ने एक छोटा-सा प्रैंक किया, लेकिन उन्हें भी क्या पता था कि उनका ये मजाक घर में नया बवाल खड़ा कर देगा। शो से एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दिखाया गया है कि दोनों मिलकर घर में अलग-अलग कोने में सामान छिपा रहे हैं। कलर्स टीवी पर जारी 'बिग बॉस 19' के प्रोमो में दिखाया गया है कि घर में कई जरूरी चीजें गायब हो रही हैं, जिनमें बसीर अली समेत अन्य कंटेस्टेंट्स के डिजाइनर कपड़े, आवेज दरबार की बेल्ट और रसोई में रखा सामान शामिल है।

प्रोमो की शुरुआत में बसीर अली कैप्टन अमाल मलिक को कहते हैं कि उनके सामान के साथ छेड़छाड़ की गई है। पूरा कंटेनर खाली है। इसके बाद कुनिका सदानंद भी कहती हैं कि सारे मसाले गायब हैं। चाय, चीनी, सब गायब है। इसके बाद घरवाले सोफा और कुर्सी उठाकर सामान ढूंढने लगते हैं। वहां गौरव खन्ना को शक होता है और वे कहते हैं कि 110 प्रतिशत ये सीक्रेट टास्क है। वहीं, इन सबके बीच नीलम गिरि गुस्से से लाल हो जाती हैं और बोलती हैं, 'नमक के बिना मुझे चक्कर आ रहा है।' बसीर भी गुस्से में कहते हैं कि उन्हें उनका सामान वापस चाहिए।

जनरेशन जी ने आसमान में एक तारे का नाम रखा 'सैयारा'

मुंबई (वार्ता)। अहान पांडे और अनीत पड्डा के जनरेशन जी फैंस ने अपने पसंदीदा ऑन-स्क्रीन आइकॉन का जश्न मनाने का सबसे प्यारा तरीका चुना और उन्होंने आसमान में एक तारे का नाम सैयारा रखा है।

ब्लॉकबस्टर फ़िल्म सैयारा में अहान पांडे और अनीत पड्डा ने अभिनय किया है।फिल्म सैयारा को अब इस पीढ़ी का दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे (डीडीएलजे) और कहो ना प्यार है कहा जा रहा है, क्योंकि इस फिल्म और अहान-अनीत की सांस्कृतिक छाप ने भारत और पूरी दुनिया के दक्षिण एशियाई समुदाय पर गहरा असर डाला है। अहान और अनीत का लॉन्च अब तक का सबसे बड़ा माना जा रहा है , जिसकी तुलना २५ साल पहले ऋतिक रोशन और अमीषा पटेल के डेब्यू से की जा रही है। अहान और अनीत ने कृष कपूर और वाणी बत्रा के जो किरदार निभाये वे अब डीडीएलजे के राज और सिमरन जैसी आइकॉनिक पहचान हासिल कर रहे हैं।

अहान और अनीत के जनरेशन जी फैंस ने अपने पसंदीदा ऑन-स्क्रीन आइकॉन का जश्न मनाने का सबसे प्यारा तरीका चुना। उन्होंने आसमान में एक तारे का नाम सैयारा रखा है। अहान और अनीत इस प्यार से भावुक हो गए।अहान ने कहा,असल सितारे तो आप हैं, आपका इतना चमकना ही हमारी रोशनी है। मुझे वह दिन याद है जब सैयारा सिनेमाघरों में उतर गई थी। सब कुछ हो चुका था, लेकिन मैंने खुद को उस एहसास में डूबने ही नहीं दिया।

मत्स्यासन

बेली फैट घटाने में मददगार, अस्थमा के मरीजों के लिए भी फायदेमंद

नई दिल्ली (आईएएनएस)। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में बेली फैट आम समस्या बन गई है। घंटों कुर्सी पर बैठकर काम करना, असमय खानपान और तनाव का असर सबसे पहले पेट पर ही दिखता है। कई बार लोग घंटों जिम में पसीना बहाते हैं, लेकिन इसका बेली फैट पर कोई असर नहीं पड़ता। योग इससे निपटने का सबसे आसान और प्रभावी तरीका है। योग में तो बेली फैट कम करने के कई आसन हैं, लेकिन 'मत्स्यासन' इस पर तेजी से काम करता है। मत्स्यासन का नाम दो संस्कृत शब्दों से मिलकर बना है, 'मत्स्य' यानी मछली और 'आसन' यानी बैठने की मुद्रा। इस आसन में शरीर की स्थिति कुछ हद तक मछली जैसी हो जाती है, जिसमें छाती को ऊपर की ओर उठाया जाता है और सिर को पीछे की तरफ झुकाया जाता है।

> महिलाओं के लिए भी यह आसन बेहद फायदेमंद माना जाता है। खासकर जो महिलाएं मासिक धर्म के दौरान पेट दर्द, ऐंठन या बेचैनी महसूस करती हैं, उनके लिए यह आसन काफी राहतकारी हो सकता है। यह गर्भाशय की मांसपेशियों पर सकारात्मक असर डालता है

आयुष मंत्रालय के मुताबिक, मत्स्यासन पेट की मांसपेशियों पर सीधा प्रभाव डालता है, जिससे वहां जमा फैट पर असर पड़ता है। जब आप इस आसन को सही तरीके से करते हैं, तो पेट की नसों और मांसपेशियों में खिंचाव आता है, जिससे ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और फैट धीरे-धीरे कम होने लगती है। बेली फैट घटाने के अलावा मत्स्यासन शरीर की कई और समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। सबसे पहले यह रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है, जिससे पीठ दर्द और शरीर में अकड़न जैसी दिक्कतें कम होती हैं, जो लोग लंबे समय तक कंप्यूटर या मोबाइल पर काम करते हैं, उनके लिए यह आसन एक राहत देने वाला अभ्यास है। मत्स्यासन से सीने को मजबूती मिलती है और सांस लेने की क्षमता बेहतर होती है, जिससे फेफड़ों को ताकत मिलती है। यह उन लोगों के लिए भी उपयोगी है, जो अस्थमा या सांस की तकलीफ से जूझ रहे हैं। महिलाओं के लिए भी यह आसन बेहद फायदेमंद माना जाता है। खासकर जो महिलाएं मासिक धर्म के दौरान पेट दर्द, ऐंठन या बेचैनी महसूस करती हैं, उनके लिए यह आसन काफी राहतकारी हो सकता है। यह गर्भाशय की मांसपेशियों पर सकारात्मक असर डालता है और हार्मोन संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।

'महिमा गायत्री मां की' में दिखेगा अंजना सिंह का नया अवतार

मुंबई (आईएएनएस)। भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री अंजना सिंह अपनी नई फिल्म 'महिमा गायत्री मां की' को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री ने मंगलवार को एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने फिल्म की जानकारी साझा की है। अंजना ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह अपनी सह-कलाकार के साथ क्लैप बोर्ड पकड़े नजर आ रही हैं, जिसमें लिखा है, 'महिमा गायत्री मां की।' उन्होंने तस्वीर पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, नीलम प्रेजेंट्स फिल्म 'महिमा गायत्री मां की।' फिल्म का निर्देशन आमिर सिद्दीकी ने किया है, जबकि पवन साहू इसके निर्माता हैं। कहानी अरविंद यादव ने लिखी है, और सिनेमेटोग्राफी प्रमोद पांडे ने संभाली है। फिल्म का संगीत भरत चौहान ने तैयार किया है। इस फिल्म में अंजना सिंह के साथ हर्षित सिंह, गोपाल चौहान, शमीम खान, पुष्पेंद्र राय, रिंकू आयुषी यादव, माधवी श्री और राहत शेख जैसे कलाकार शामिल हैं। वहीं, अंजना ने नई नवेली दुल्हन के लिबास में इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर तस्वीर पोस्ट की। लाल रंग के जोड़े में सजी अंजना ने माथे पर सिंदूर, गले में मंगलसूत्र, हाथों में चूड़ियां और मेहंदी से सजे हाथों से सबका ध्यान खींचा। उनका यह लुक इतना आकर्षक है कि फैंस इसे फिल्म का हिस्सा मान रहे हैं।

भारत में ऑनलाइन किराना की तेजी

डिलीवरी और डिजिटल सुविधा ने बदला खरीदारी का तरीका

नई दिल्ली, एजेंसी।
पीडब्ल्यूसी की एक रिपोर्ट के अनुसार ऑनलाइन किराना भारत के समग्र किराना खुदरा बाजार का एक छोटा सा हिस्सा है, लेकिन सुविधा, सहज डिजिटल भुगतान एकीकरण, प्रभावी सोशल मीडिया मार्केटिंग और त्वरित डिलीवरी विकल्प जैसे कई कारकों के कारण यह तेजी से विस्तार कर रहा है। आजकल उपभोक्ता अपनी जरूरत, कुल खरीद राशि और रिटर्न पॉलिसी के आधार पर ऑफलाइन और ऑनलाइन खरीदारी के बीच चयन करते हैं। भारत में ऑनलाइन किराना बाजार में मजबूत वृद्धि देखी जा रही है। पीडब्ल्यूसी की एक रिपोर्ट के अनुसार ऑनलाइन किराना बाजार अपनी क्विक डिलीवरी सेवाओं, उत्पादों की बड़ी वेरायटी और सुविधाजनक डिजिटल अनुभवों के कारण लोगों के बीच प्रचलन में है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि ऑनलाइन किराना भारत के समग्र किराना खुदरा बाजार का एक छोटा सा हिस्सा है, लेकिन सुविधा, सहज डिजिटल भुगतान एकीकरण, प्रभावी सोशल मीडिया मार्केटिंग और त्वरित डिलीवरी विकल्प जैसे कई कारकों के कारण यह तेजी से विस्तार कर रहा है। फ्लिपकार्ट है उपभोकाओं के बीच प्रसिद्ध उपभोकाओं ने फ्लिपकार्ट को इसके सुविधाजनक थोक खरीद विकल्पों, प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण, विविध उत्पाद चयन, विश्वसनीय डिलीवरी और न्यूनतम ऑर्डर आवश्यकताओं की अनुपस्थिति के कारण पसंद किया। अमेजन को किराने की खरीदारी के लिए दुसरा सबसे पसंदीदा बाजार माना गया, जबकि उपभोक्ताओं ने बिगबास्केट, जियोमार्ट और स्विगी इंस्टामार्ट की त्वरित डिलीवरी सेवाओं और मजबूत ग्राहक सहायता के लिए सराहना की। ऑनलाइन किराना प्लेटफॉर्मों के बढ़ते चलन के बावजूद, शहरी और शेष भारत के उपभोक्ता ताजा उपज और मांसाहारी किराना सामान ऑफलाइन खरीदना पसंद करते हैं। यह सतत प्राथमिकता उत्पाद की गुणवत्ता, ताजगी, सीमित वापसी नीतियों और स्थानीय व्यवसायों को समर्थन देने की इच्छा से संबंधित चिंताओं से उत्पन्न होती है।देश के 66 प्रतिशत खरीदारों पर सोशल मीडिया का पड़ा प्रभाव अध्ययन से एक प्रमुख निष्कर्ष यह सामने आया कि अन्य दैनिक आवश्यक वस्तुएं किराने की ऐप्स पर सबसे अधिक बिकने वाली श्रेणियों में से एक बन गई हैं। इन वस्तुओं में खराब गुणवत्ता का जोखिम न्यूनतम होता है और त्वरित डिलीवरी व थोक ऑर्डरिंग विकल्पों की सुविधा के कारण ये ऑनलाइन खरीदारों के लिए लोकप्रिय विकल्प बन जाते हैं।

उपभोक्ता कैसे करते हैं ऑफलाइन और ऑनलाइन खरीदारी के बीच का अंतर?

आजकल उपभोक्ता अपनी जरूरत, कुल खरीद राशि और रिटर्न पॉलिसी के आधार पर ऑफलाइन और ऑनलाइन खरीदारी के बीच चयन करते हैं। रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि त्वरित डिलीवरी की पेशकश और न्यूनतम ऑर्डर की जरूरत को हटाने से इस खंड में ऑनलाइन खरीदारी को और बढ़ावा मिल रहा है। शेष भारत के 66 प्रतिशत खरीदारों ने सोशल मीडिया पर सामग्री देखने के बाद किराने की खरीदारी के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म या ब्रांडों की कोशिश की। इससे उपभोक्ता की पसंद और खरीदारी व्यवहार को आकार देने में डिजिटल मार्केटिंग और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के बढ़ते प्रभाव पर प्रकाश डाला गया।

डीएसपी म्यूचुअल फंड ने एमएससीआई इंडिया ईटीएफ के साथ पैसिव रेंज का विस्तार किया

मुंबई, एजेंसी। डीएसपी म्यूचुअल फंड ने आज डीएसपी एमएससीआई इंडिया ईटीएफ लॉन्च करने की घोषणा की, जो एक ओपन-एंडेड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड है। यह एमएससीआई इंडिया इंडेक्स (टीआरआई) की परफॉर्मेंस दोहराना चाहता है। ईटीएफ इंवेस्टर्स को वैश्विक स्तर पर ट्रैक और समय के साथ परखे गए बेंचमार्क के जरिए भारत की बड़ी और मिड-कैप कंपनियों में भाग लेने का अवसर देता है। एमएससीआई इंडिया इंडेक्स, एमएससीआई के ग्लोबल इंवेस्टेबल मार्केट इंडेक्स (जीआईएमआई) फ्रेमवर्क का हिस्सा है, जो प्रमुख क्षेत्रों में भारतीय इक्विटी के विविध प्रकार के पोर्टफोलियो का प्रतिनिधित्व करता है और जो 1990 के दशक में औद्योगिक नेतृत्व वाले विकास से लेकर आज के सेवा-संचालित परिदृश्य तक भारत की अर्थव्यवस्था की बदलती संरचना को समझता है।

सर्वेश्वर फूड्स का एच1 एफवाय26 में शुद्ध लाभ 36% उछला

जम्मू, एजेंसी। सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड भारत की अग्रणी कृषि और ऑर्गेनिक एफएमसीजी कंपनियों में से एक, ने आज अपनी अनऑडिटेड क्यू2 और एच1 एफवाय26 वित्तीय परिणाम की घोषणा की। सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड के अध्यक्ष श्री रोहित गुप्ता ने कहा- आर्थिक वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में हमारा प्रदर्शन हमारी सतत विकास और संचालन दक्षता पर ध्यान केंद्रित करने को दर्शाता है। चुनौतीपूर्ण बाजार परिस्थितियों के बावजूद, हमने लाभप्रदता बनाए रखी और अपनी वित्तीय स्थिति को मजबूत किया है। हमारे राइट्स इश्यू की सफल पूर्ति और निगरानी हमारे विकास यात्रा में एक और महत्वपूर्ण कदम है, जिससे हमें अपनी उत्पादन क्षमताओं को और बढ़ाने और बाजार में अपनी पहुंच का विस्तार करने में मदद मिलेगी। मुख्य वित्तीय प्रमुख बिंदु - सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड आइएसओ 22000७:2018 और एफडीए (संयुक्त राज्य अमेरिका का फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन) प्रमाणित कंपनी है। एसएफएल के उत्पादों के लिए बीआरसी (विश्व का सबसे बड़ा खाद्य सुरक्षा मानक), कोशर, एनपीपीओ यूएसए और चीन, साथ ही एनओपी-यूएसडीए ऑर्गेनिक प्रमाणपत्र भी प्राप्त हैं। कंपनी ब्रांडेड और अनब्रांडेड बासमती और नॉन-बासमती चावल के उत्पादन, व्यापार, प्रसंस्करण और विपणन के व्यवसाय में लगी हुई है, और यह कार्य घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में करती है। हमारी संचालन गतिविधियाँ जम्मू और कश्मीर राज्य के जम्मू क्षेत्र और गुजरात राज्य के गांधीधाम क्षेत्र से संचालित होती हैं। एसएफएल का स्वस्थ और स्वादिष्ट चावल प्रदान करने का 130 वर्षों से अधिक का सतत और पर्यावरण अनुकूल वारसा है, और पिछले कुछ दशकों में इसने अपने इस वारसे को स्वस्थ और ऑर्गेनिक उत्पादों की अन्य प्रीमियम श्रेणियों में भी विस्तारित किया है। एसएफएल हिमालय की पर्वत श्रृंखलाओं के तलहटी क्षेत्रों में स्थित है, जहाँ उपजाऊ खनिज-समृद्ध मिट्टी, जैविक खाद और चेनाब नदी के बर्फ पिघलने वाले पानी से भूमि समृद्ध है। कृत्रिम उर्वरक या रासायनिक पदार्थ का उपयोग किए बिना, पूरे ऑर्गेनिक उत्पादों की श्रृंखला का उत्पादन किया जाता है, जिन्हें निवर्क ब्रांड नाम से बेचा जाता है।

टैरिफ दबाव के बीच त्योहारों की मजबूत मांग ने अर्थव्यवस्था को दी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी टैरिफ दबाव के बावजूद त्योहारी सीजन के आंकड़ों ने भारत की आर्थिक तस्वीर को बेहतर किया है। एसबीआई म्यूचुअल फंड की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि त्योहारों में कारों, बड़े घरेलू उपकरणों जैसे महंगे सामानों की बिक्री में तेज बढ़ोतरी देखी गई है। इन श्रेणियों में फाइनेंसिंग गतिविधि भी मजबूत बनी हुई है, जो बताती है कि वैश्विक दबावों के बावजूद उपभोक्ताओं का भरोसा कायम है। हालांकि वैश्विक चुनौतियों और टैरिफ के असर के कारण आने वाले महीनों में आर्थिक वृद्धि के अनुमान कमजोर रह सकते है। एसबीआई ने कहा कि हाल ही में जीएसटी में की गई कटौती का असर धीरे-धीरे अर्थव्यवस्था पर दिखने लगा है। अक्तूबर महीने में कुल जीएसटी संग्रह उम्मीदों के अनुरूप रहा, जो दर्शाता है कि खपत की रफ्तार स्थिर है। महंगाई के मोर्चे पर भी स्थिति अनुकूल है। रिपोर्ट के मुताबिक, आगे के अनुमान लक्ष्य स्तर के करीब टिके हुए हैं, जबकि मौजूदा आंकड़े भी नीचे की ओर हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि मौजूदा विकास और महंगाई के अनुमान यह संकेत देते हैं कि मौद्रिक समर्थन के लिए कुछ गुंजाइश अभी भी बची है। दिसंबर की मौद्रिक नीति समीक्षा को संभावित रूप से इस चक्र की अंतिम दर कटौती के लिए सक्रिय माना जा सकता है।

मुथूट फिनकॉर्प लिमिटेड का मुनाफा 28.3 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। मुथूट पप्पाचन ग्रुप की प्रमुख एनबीएफसी मुथूट फिनकॉर्प लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में मजबूत नतीजे दर्ज किए है। कंपनी के अनुसार, इसकी कंसोलिडेटेड एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) बढ़कर ?55,707.53 करोड़ पर पहुंच गई, जबकि कर-पश्चात लाभ (पीएटी) ?630.36 करोड़ रहा। दूसरी तिमाही में कंपनी का प्रदर्शन बेहतर रहा। इस दौरान पीएटी 59.56न बढ़कर ?429.81 करोड़ हो गया। वहीं राजस्व 28.38न बढ़कर ?2,712.13 करोड़ पर पहुंचा। कंपनी ने कहा कि यह वृद्धि अनुशासित संचालन और ग्राहकों के प्रति बढ़ते भरोसे का परिणाम है। सेनको गोल्ड लिमिटेड ने सितंबर तिमाही के लिए समेकित शुद्ध लाभ में चार गुना वृद्धि के साथ 48.8 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की। यह सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव के बावजूद बेहतर मार्जिन और हीरे के आभूषणों की अधिक मांग के कारण हुई। पिछले वर्ष की इसी अवधि में कंपनी का शुद्ध लाभ 12.1 करोड़ रुपये था। तिमाही के लिए समेकित राजस्व वर्ष-दर-वर्ष 2 प्रतिशत बढ़कर 1,536.1 करोड़ रुपये हो गया, जबकि समायोजित ईबीआईटीडीए 30 प्रतिशत बढ़कर 106.5 करोड़ रुपये हो गया।

अक्तूबर में बिजली मांग में 5.2 प्रतिशत की गिरावट

ठंडे मौसम और बारिश ने घटाया लोड

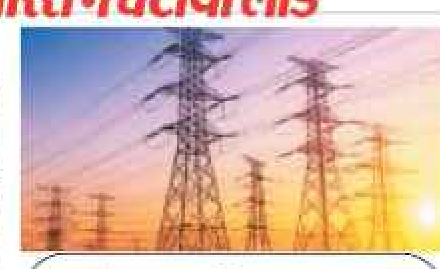

नई दिल्ली, एजेंसी।
बेमौसम बारिश के कारण अक्तूबर में भारत की बिजली मांग में 5.2 प्रतिशत की गिरावट आई है। नुवामा रिसर्च की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बिजली की मांग बेमौसम बारिश और कम तापमान के कारण कम हुई, जिससे कूलिंग लोड की जरूरत कम हो गई। बेमौसम बारिश के कारण अक्तूबर में भारत की बिजली मांग में 5.2 प्रतिशत की गिरावट आई है। नुवामा रिसर्च की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बिजली की मांग बेमौसम बारिश और कम तापमान के कारण कम हुई, जिससे कूलिंग लोड की जरूरत कम हो गई। अक्तूबर में औसत तापमान पिछले साल के 27.1 डिग्री सेल्सियस की तुलना में गिरकर 25.6 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। इससे देश भर में बिजली की मांग में कमी आई। अधिकतम बिजली की आवश्यकता भी घटकर 210 गीगावाट रह गई, जो अक्तूबर 2024 में 219 गीगावाट थी।

सौर और गैर-सौर ऊर्जा के बीच बड़ा अंतर देखा गयाब रिपोर्ट में बताया गया है कि बिजली बाजार में सौर और गैर-सौर ऊर्जा घंटों के बीच काफी अंतर देखा गया। सौर ऊर्जा घंटों की आपूर्ति मांग से 422 प्रतिशत अधिक रही, जिससे कीमतें 2.2 रुपये प्रति किलोवाट घंटा पर बनी रहीं। गैर-सौर ऊर्जा घंटों की आपूर्ति भी ऊंची बनी रही, जिससे कीमतें पिछले साल के 4.7 रुपये प्रति किलोवाट घंटा की तुलना में घटकर 3.2 रुपये प्रति किलोवाट घंटा रह गई। इंडिया एनर्जी एक्सचेंज (आईईएक्स) की कुल बिजली की मात्रा में 16 प्रतिशत (वर्ष दर वर्ष) की वृद्धि हुई। यह वास्तविक समय बाजार (आरटीएम) लेनदेन में 47 प्रतिशत की वृद्धि से प्रेरित थी।

पीएलएफ गिरकर 57.5 प्रतिशत पर आ गया

तापमान पॉवर जेनरेशन विशेष रूप से प्रभावित हुआ, अखिल भारतीय प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) गिरकर 57.5 प्रतिशत पर आ गया। यह चार वर्षों का निम्नतम स्तर है। एनटीपीसी का पीएलएफ एक वर्ष पूर्व के 78.1 प्रतिशत से तेजी से गिरकर 68 प्रतिशत पर आ गया। लेकिन, कमजोर मांग के बावजूद, देश के कुल उत्पादन में ताप विद्युत का योगदान लगभग 70 प्रतिशत बना रहा।

गुजरात के खावड़ा में बनेगी देश की सबसे बड़ी बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजना

नई दिल्ली, एजेंसी। अदाणी ग्रुप ने गुजरात के खावड़ा में 1,126 मेगावॉट क्षमता वाला देश का सबसे बड़ा बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रोजेक्ट स्थापित करने की घोषणा की है। यह परियोजना 2026 तक शुरू होगी और नवीकरणीय ऊर्जा को अधिक स्थिर और विश्वसनीय बनाने में मदद करेगी। अदाणी ग्रुप ने मंगलवार को बैटरी बैटरी ऊर्जा भंडारण क्षेत्र में कदम रखने की घोषणा की है। समूह गुजरात के खावड़ा में 1,126 मेगावॉट / 3,530 मेगावॉट-घंटा (क्षमता वाला बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) स्थापित करेगा। यह परियोजना न केवल भारत की सबसे बड़ी, बल्कि दुनिया के सबसे बड़े एकल-स्थान ऊर्जा भंडारण प्रोजेक्ट्स में से एक होगी। कंपनी के अनुसार, इस अत्याधुनिक सुविधा में 700 से अधिक बैटरी कंटेनर लगाए जाएंगे और इसे मार्च 2026 तक चालू करने का लक्ष्य रखा गया है। यह यूनिट खावड़ा में बन रहे दुनिया के सबसे बड़े अक्षय ऊर्जा कॉम्प्लेक्स का हिस्सा होगी। बैटरी स्टोरेज सिस्टम का उद्देश्य सौर और पवन जैसी नवीकरणीय ऊर्जा को अधिक विश्वसनीय बनाना है। यह तकनीक बिजली को तब उपयोग के लिए सहेजती है, जब उत्पादन कम या न के बराबर हो, जैसे रात के समय या कम हवा वाले दिनों में। इससे ग्रिड स्थिरता बढ़ती है, बिजली बिल घटते हैं और जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम होती है। अदाणी समूह ने बताया कि यह प्रोजेक्ट उन्नत लिथियम-आयन बैटरी तकनीक और एनर्जी मैनेजमेंट सिस्टम के साथ तैयार किया जा रहा है।

निर्यातकों ने 45000 करोड़ रूपये की सरकारी योजनाओं को सराहा

बोले- वैश्विक प्रतिस्पर्धा को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली, एजेंसी।
निर्यात क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार की ओर से घोषित योजनाओं को निर्यातकों ने सकारात्मक बताया है। निर्यातकों का कहना है कि सरकार की ओर से मंजूर की गई 45,000 करोड़ रुपये की दो योजनाओं से उद्योग को किफायती वित्त, अनुपालन जटिलताओं और ब्रांडिंग की कमी जैसी दीर्घकालिक चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी। निर्यातकों का मानना है कि निर्यात संवर्धन मिशन (25,060 करोड़ रुपये) और ऋण गारंटी योजना (20,000 करोड़ रुपये) भारत के निर्यात पारिस्थितिकी तंत्र और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को मजबूत करेगी। उपाध्यक्ष ए शक्तिवेल भी सरकार की योजनाओं को सही मानते हैं हैं। उन्होंने कहा कि इन उपायों से उद्योग के सामने मौजूद हालिया चुनौतियों का समाधान करने में मदद मिलेगी। शक्तिवेल ने कहा, इस पहल से वित्त तक पहुंच बढ़ेगी, बाजार की तैयारी में सुधार होगा, भारत के निर्यात पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती मिलेगी और बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा होगा। इससे भारत के निर्यात क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।+

- सीआईआई की राष्ट्रीय निर्यात समिति के अध्यक्ष और पैटन इंटरनेशनल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक संजय बुधिया ने कहा कि इन उपायों का मकसद एमएसएमई, पहली बार निर्यात करने वाले और श्रम-प्रधान क्षेत्रों को सशक्त बनाना है। इससे वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं के बीच लचीलापन सुनिश्चित हो सकेगा। बुधिया ने कहा, वित्तीय और गैर-वित्तीय हस्तक्षेपों को एक छतरी के नीचे लाकर, यह किफायती वित्त, अनुपालन जटिलताओं और ब्रांडिंग की कमी जैसी दीर्घकालिक चुनौतियों का समाधान करता है, और एमएसएमई के लिए नए अवसरों को खोलता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा व्यापार प्रणालियों के साथ डिजिटल एकीकरण से निर्यातक अनुभव में बदलाव आएगा, कागजी कार्रवाई कम होगी, तेजी से वितरण संभव होगा।

एनएसओ के आंकड़े: जीएसटी कटौती का असर

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी दरों में कटौती से खाने-पीने के सामान समेत रोजमर्रा की अन्य वस्तुए सस्ती होने से खुदरा महंगाई अक्तूबर, 2025 में घटकर रिकॉर्ड निचले स्तर 0.25 फीसदी पर आ गई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई का यह आंकड़ा वर्तमान श्रृंखला (आधार वर्ष 2012) में सबसे कम है। इसमें जनवरी, 2014 से आंकड़े शामिल हैं। खुदरा महंगाई की दर सितंबर, 2025 में 1.44 फीसदी और अक्तूबर, 2024 में 6.21 फीसदी रही थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने बुधवार को आंकड़े जारी कर बताया, सब्जी, फल, अंडा जैसे खाद्य उत्पादों के साथ आम लोगों के उपयोग वाली करीब 380 वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कटौती से महंगाई दर में नरमी आई है। खुदरा महंगाई के आंकड़ों पर अनुकूल तुलनात्मक आधार प्रभाव का असर भी देखने को मिला। आंकड़ों के मुताबिक, सब्जियों, फल, अनाज समेत अन्य वस्तुओं की कीमतों में गिरावट से खाद्य महंगाई अक्तूबर में घटकर शून्य से नीचे 5.02 फीसदी पर आ गई। सितंबर में खाने-पीने की वस्तुओं की महंगाई दर (-)2.33 फीसदी और अक्तूबर, 2024 में 10.87 फीसदी थी। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, खाद्य कीमतों में नरमी के साथ खपत वाली कई वस्तुओं पर जीएसटी दर घटाए जाने से महंगाई में कमी आई है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) 2025-26 के लिए अपने खुदरा महंगाई अनुमान को 2.6 फीसदी से और कम कर सकती है। नायर ने कहा, अक्तूबर के आंकड़े दिसंबर में रेपो दर में 0.25 फीसदी की कटौती का समर्थन करेंगे। यह स्थिति तब तक बनी रहेगी, जब तक दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर आश्चर्यजनक रूप से ऊंची न रहे।

ओपनएआई में हिस्सेदारी बढ़ाने से जापान की सॉफ्टबैंक का मुनाफा दोगुना

नई दिल्ली, एजेंसी।
एआई में निवेश करने वाली कंपनियों का मुनाफा अब उनके वित्तीय परिणामों में दिखने लगा है। जापान की प्रमुख निवेश कंपनी सॉफ्टबैंक ग्रुप ने इस साल की दूसरी तिमाही में जबरदस्त कमाई की है। कंपनी का शुद्ध लाभ 2.5 ट्रिलियन येन (करीब 16.6 अरब डॉलर) तक पहुंच गया। यह पिछले साल की तुलना में दोगुने से भी अधिक है। आइए इस बारे में विस्तार से जानें।

जापान की प्रमुख निवेश कंपनी सॉफ्टबैंक ग्रुप ने इस साल की दूसरी तिमाही में जबरदस्त मुनाफा कमाया है। कंपनी का शुद्ध लाभ 2.5 ट्रिलियन येन (करीब 16.6 अरब डॉलर) तक पहुंच गया। यह पिछले साल की तुलना में दोगुने से भी अधिक है। इस बढ़त का मुख्य कारण ओपनएआई में सॉफ्टबैंक की हिस्सेदारी का मूल्य बढ़ना है। ओपनएआई वही कंपनी है जिसने चैटजीपीटी जैसे एआई टूल्स बनाए हैं।

विश्लेषकों ने इस तिमाही में 207 अरब येन के लाभ का अनुमान लगाया था, जबकि सॉफ्टबैंक ने 2.5 ट्रिलियन येन का मुनाफा दर्ज किया। पिछले साल इसी तिमाही में कंपनी को 1.18 ट्रिलियन येन का लाभ हुआ था। सॉफ्टबैंक की विजन फंड इकाई ने अकेले 3.5 ट्रिलियन येन का निवेश लाभ दर्ज किया। इसमें से 2.16 ट्रिलियन येन ओपनएआई से जुड़े निवेश से आया। डेटा सेंटर जैसे बुनियादी ढांचे की मांग ने सॉफ्टबैंक को बड़ा फायदा पहुंचाया है। कंपनी के शेयर भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। हालांकि, कुछ निवेशकों को चिंता है कि कहीं यह 'एआई बुलबुला' न साबित हो, यानी भारी निवेश के बावजूद उतना लाभ न मिल पाए।

एआई में निवेश से बंपर कमाई

ओपनएआई में निवेश की कहानी

मार्च में सॉफ्टबैंक ने ओपनएआई में 300 अरब डॉलर के मूल्यांकन पर निवेश किया था। अक्तूबर में मे कंपनी ने ओपनएआई के कर्मचारियों से 500 अरब डॉलर के मूल्यांकन पर 6.6 अरब डॉलर के शेयर खरीदे। ओपनएआई में निवेश में लिए सॉफ्टबैंक ने एनवीडिया के 32.1 मिलियन शेयर बेचे, इसकी कीमत करीब 5.83 अरब डॉलर थी। अप्रैल से अब तक कंपनी ने तीन अलग-अलग मुद्राओं में कुल 620 अरब येन, 2.2 अरब डॉलर और 1.7 अरब यूरो के बांड जारी किए। ओपनएआई में निवेश के लिए 8.5 अरब डॉलर का ब्रिज लोन लिया गया।

ऋण के जाल में फंसे देशों से भारत के राज्यों को मिलती है सीख

प्रहलाद सबनानी

विभिन्न राज्यों के वित्तीय घाटे की स्थिति एवं प्रवृत्ति पर गम्भीरता पूर्वक विचार कर इस पर रोक लगने का समय अब आ गया है। उत्पादक कार्यों पर सब्सिडी दी जाय तो ठीक है परंतु यदि यह लोक लुभावन वायदों को पूरा करने पर दी जा रही है तो इन पर अब अंकुश लगाया जाना चाहिए।

वैश्विक स्तर पर कई विकासशील एवं अविकसित देशों पर लगातार बढ़ रहे ऋण के दबाव के चलते इन देशों की अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव स्पष्टतः दिखाई दे रहा है। इन देशों द्वारा अपने नागरिकों को लम्बे समय तक मुफ्त सुविधाएं उपलब्ध कराना जारी रखा गया है एवं यहां की सरकारों द्वारा अपने आय के साधनों में पर्याप्त वृद्धि नहीं की गई है। नागरिकों को दी जाने वाली सुविधाओं को ऋण लेकर भी जारी रखना अब इन देशों के लिए आत्मघाती निर्णय साबित होता हुआ दिखाई दे रहा है, और आज यह देश दिवालिया होने के मुहाने पर खड़े हैं तथा इन्हें अपना सामान्य प्रशासन चलाने के लिए खर्च करने हेतु भी ऋण लेना पड़ रहा है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के एक आंकलन के अनुसार, अक्टूबर 2025 में वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद का 98.9 प्रतिशत सार्वजनिक ऋण बकाया है, जो वर्ष 2030 तक 102.3 प्रतिशत तक बढ़ जाने की सम्भावना है। विभिन्न देशों के सार्वजनिक ऋण, आय से अधिक खर्च करने की प्रवृत्ति, अधिक ब्याज दर, आय में कम वृद्धि होना, आदि कारकों के चलते लगातार बढ़ता जा रहा है। विकासशील एवं अविकसित देश अपनी आय में वृद्धि नहीं कर पाते हैं परंतु, उन्हें अपने नागरिकों को विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए खर्च लगातार बढ़ाते रहना होते हैं। इन्हीं कारणों के चलते श्रीलंका, अर्जेंटीना, सूडान, ग्रीस, मालदीव, सेनेगल, आदि देशों में तो आर्थिक आपातकाल की घोषणा करनी पड़ी थी एवं विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं अन्य वैश्विक वित्तीय संस्थानों द्वारा इन देशों की मदद के लिए आगे आना पड़ा था, अन्यथा यह देश लगभग दिवालिया घोषित होने की स्थिति में पहुंच गए थे। वर्ष 2025 में विश्व के प्रथम 10 देशों में, जिनका ऋण का सकल घरेलू उत्पाद से प्रतिशत सबसे अधिक है, शामिल हैं- जापान (229.6 प्रतिशत), सूडान (221.5 प्रतिशत), सिंगापुर (175.6 प्रतिशत), ग्रीस (146.7 प्रतिशत), बहरीन (142.5 प्रतिशत), इटली (136.8 प्रतिशत), मालदीव (131.8 प्रतिशत), अमेरिका (125 प्रतिशत), सेनेगल (122.9 प्रतिशत) एवं फ्रान्स (116.5 प्रतिशत)। ग्रीस, घाना, हैती, मोजांबीक, पाकिस्तान, जाम्बिया, फिलिपीन्स, श्रीलंका, कीन्या, अर्जेंटीना, आदि देशों द्वारा अधिक मात्रा में लिए गए ऋण के चलते इनकी वित्तीय स्थिति डावांडोल हो चुकी है। इन देशों द्वारा अपने खर्चों को

व्यवस्थित तरीके से नहीं किया गया था एवं केवल जनता को मुफ्त में सुविधाएं उपलब्ध कराना लम्बे समय तक जारी रखा गया था तथा साथ में आय बढ़ाने के साधनों पर विशेष ध्यान नहीं दिया गया। इससे इन देशों का बजटीय घाटा लगातार बढ़ता रहा तथा मजबूरी में इन्हें अपने साधारण सरकारी कामकाज चलाने के लिए भी ऋण लेते रहना पड़ा है। वर्ष 2001 में युगांडा में वित्तीय संकट खड़ा हो गया था एवं उस समय पर युगांडा अपने सामान्य खर्चों को जारी रखने के स्थिति में भी नहीं था।

भारत में भी कुछ राज्य 'फ्रीबीज' के नाम पर कुछ ऐसी योजनाएं चला रहे हैं जिनके अंतर्गत राज्य की जनता के बिजली एवं पानी के बिल समय समय पर माफ किये जा रहे हैं। किसानों, बुजुर्गों एवं मातृशक्ति के बैंक खातों में सीधे ही कुछ राशि प्रति माह जमा की रही है। जबकि, इन राज्यों की वित्तीय स्थिति इतनी अच्छी नहीं है कि इनके बजट इस अतिरिक्त खर्च को वहन कर सकें। कुछ राज्य तो आज मजबूरी में इन योजनाओं को चलायमान बनाए रखने के लिए बाजार से ऊंची ब्याज दर पर ऋण भी लेने लगे हैं। जिसका प्रभाव इन राज्यों की वित्तीय स्थिति पर विपरीत रूप से पड़ रहा है। यदि समय पर ये राज्य नहीं चेते एवं इन्होंने अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं किया तो ये राज्य अपने भारी भरकम ऋणों पर ब्याज अदा करने में चूक करने की ओर आगे बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। जाहिर तौर पर जब राज्यों की आर्थिक स्थिति की चर्चा होती है तो इसका असर राज्यों के विकास और इन राज्यों में निवास कर रहे नागरिकों के जीवन पर भी पड़ता है। लोकलुभावन राजनीति इन राज्यों की वित्तीय स्थिति को बहुत बुरे तरीके से प्रभावित कर रही है। भारतीय रिजर्व बैंक के वार्षिक प्रतिवेदन में भी राज्यों की वित्तीय स्थिति को लेकर कई गंभीर पहलू और सवाल खड़े किए गए हैं। विशेष रूप से पंजाब, केरल, झारखंड, राजस्थान और पश्चिम बंगाल आदि राज्य बढ़ते कर्ज के बोझ तले दबे जा रहे हैं और इन राज्यों की अर्थव्यवस्था संकट के दौर से गुजर रही है। हाल ही के समय में पंजाब, केरल, राजस्थान, पश्चिम बंगाल एवं बिहार की वित्तीय सेहत बहुत बिगड़ी है।

सभी राज्यों की वित्तीय सेहत का विस्तार से आकलन करने पर ध्यान में आता है कि कई राज्यों द्वारा अनियंत्रित रूप से चलाई जा रही मुफ्त योजनाओं, लोकलुभावन घोषणाओं, अत्यधिक सब्सिडी देने एवं पुरानी पेंशन योजना बहाली से इन राज्यों की वित्तीय सेहत बहुत बुरी तरह से बिगड़ रही है। राज्य, विशेष रूप से सत्ता प्राप्त करने के उद्देश्य से, कई लोकलुभावन घोषणाएं करते हैं जैसे कि बिजली एवं पानी मुफ्त में उपलब्ध कराने का वादा, उर्वरकों पर सब्सिडी प्रदान करने का वादा आदि जिसका सीधा असर राज्य की माली हालत पर पड़ता है। पंजाब की आर्थिक स्थिति पूर्व में ही बहुत गम्भीर अवस्था में पहुंच चुकी है फिर वहां नई सरकार ने किए गए चुनावी वादे अर्थात मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने के अपने वादे पर कार्य करना शुरू कर दिया है जिससे पंजाब की स्थिति निश्चित रूप से और अधिक बिगड़ने जा रही है और पंजाब को ऋण की किश्त एवं ऋणों पर ब्याज अदा करने हेतु भी ऋण लेना पड़ रहा है। किन परिस्थितियों में, कितने प्रकार की, कितनी और किस स्तर तक लोक लुभावन घोषणाएं की जानी चाहिए, इस सम्बंध में अब नियम बनाने का समय आ गया है। वैसे यदि ऋण को उत्पादक कार्यों पर खर्च किया जाय तो अधिक ऋण-सकल घरेलू अनुपात अपने आप में बुराई नहीं है परंतु जब ऋण लेकर इसे अनुत्पादक कार्यों जैसे मुफ्त बिजली एवं मुफ्त पानी उपलब्ध कराने जैसे कार्यों पर खर्च किया जाता है तो इसका राज्य की आर्थिक व्यवस्था पर बहुत ही बुरा असर पड़ता है। चुनावों के वादे पूरे करने के लिए राज्यों द्वारा ऋण लिए जा रहे हैं। इन्हीं कारणों के चलते पंजाब की आर्थिक हालत आज बहुत ही दयनीय स्थिति में पहुंच गई हैं। देश के कई राज्य आज ऐसी स्थिति में पहुंच गए हैं कि इन राज्यों को केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक मदद यदि समय पर नहीं पहुंचाई जाती तो इन राज्यों की स्थिति भी आर्जेंटीना, श्रीलंका अथवा ग्रीस जैसी बनती दिखाई देती। कुछ राज्यों की स्थिति तो यह है कि इनके रोजमर्रा के खर्चे चलाने के लिए उनकी कुल आय का 90 प्रतिशत भाग इन खर्चों पर उपयोग हो जाता है जिसके परिणाम स्वरूप राज्य के विकास कार्यों पर खर्च करने को कुछ बचता ही नहीं है। अब इन राज्यों की आय कैसे बढ़े? इन राज्यों द्वारा लगातार की जा रही लोक लुभावन घोषणाओं के कारण इन राज्यों के खर्चे लगातार अनियंत्रित रूप से बढ़ते जा रहे हैं। इस तरह के खर्चों को करने के लिए नित नए ऋण लिए जा रहे हैं और इन ऋण राशि का उपयोग उत्पादक कार्यों में नहीं लगा पाने के कारण ये राज्य अपनी आय में वृद्धि भी नहीं कर पा रहे हैं। इस प्रकार ये राज्य 'डेट ट्रैप' की स्थिति में फंसते जा रहे हैं। आय का 25 से 30 प्रतिशत भाग ऋण का ब्याज भुगतान करने में ही खर्च हो रहा है। पंजाब तो अब आर्थिक मदद के लिए केंद्र सरकार से लगातार गुहार लगा रहा है। इसी तरह राजस्थान, केरल, पश्चिम बंगाल एवं बिहार की स्थिति भी बिगड़ रही है। अगर राज्य पूंजीगत खर्च नहीं कर रहे हैं तो अपना भविष्य अंधकारमय बना रहे हैं। इस प्रकार तो भविष्य में इन राज्यों की विकास दर भी रुक जाने वाली है।

संपादकीय

आतंकवाद के डाक्टर

परिस्थितिजन्य तफसील से यह स्पष्ट हो चुका है कि दिल्ली विस्फोट 'आतंकी हमला' ही था। प्रधानमंत्री मोदी ने भी कहा है कि षड्यंत्रकारियों को बख्शा नहीं जाएगा। सामान्य धमाके में साजिशकार नहीं होते। बुधवार को प्रधानमंत्री की ही अध्यक्षता में कैबिनेट की सुरक्षा समिति (सीसीएस) की बैठक हुई। अक्सर यह युद्ध और आतंकी हमले के बाद ही बुलाई जाती है। इस समिति में प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, गृहमंत्री, विदेश मंत्री, वित्त मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार आदि होते हैं। युद्ध की स्थिति में तीनों सेना प्रमुखों को भी बुलाया जाता है। गृह सचिव और आईबी निदेशक भी बैठक में सम्मिलित होते हैं। दिल्ली विस्फोट की जांच 'राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी' (एनआईए) को सौंपी गई है, जिसे आतंकी हमलों की गहन जांच की विशेषज्ञता हासिल है। इस संदर्भ में फरीदाबाद की 'अलफलाह यूनिवर्सिटी' आतंकवाद के नए अड्डे के तौर पर उभरी है। फरीदाबाद के गांवों से जो 2900 किग्रा. विस्फोटक रसायन बरामद किया गया था, उसकी भूमिका भी साफ हो गई है। जो डॉ. उमर मुहम्मद कार-विस्फोट में मारा गया है, वह इसी मेडिकल यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर था। वह जिस तरह मरा है, उसे हम एक नए किस्म का 'फिदायीन बॉम्बर' मान सकते हैं, क्योंकि उसकी कार में विस्फोटक था और उसी ने उसे सक्रिय किया होगा! जांच से बिल्कुल पारदर्शी स्पष्ट हो जाएगा। उमर कश्मीर के पुलवामा के कोइल गांव का निवासी था। विस्फोटक रसायन वाला आतंकी डॉ. मुजम्मिल शकील भी इसी गांव का रहने वाला था। वह इस आतंकी यूनिवर्सिटी में ही एसोसिएट प्रोफेसर था। तीसरा डॉ. सज्जाद अहमद भी पुलवामा का था। अलफलाह यूनिवर्सिटी में ही 45 वर्षीया डॉ. शाहीन सईद पदस्थ थी और एमबीबीएस, एमडी स्तर की फार्मकोलॉजी विशेषज्ञ थी। वह जैश-ए-मुहम्मद के सरगना आतंकी मसूद अजहर और उसकी बहन सादिया के नेतृत्व में आतंकी संगठन की महिला विंग 'जमात उल मोमिनात' की भारत में मुखिया थी। उसे संगठन में 'जेहादी औरतों' की भर्ती का जिम्मा दिया गया था। उसके भाई डॉ. परवेज को भी उप्र एटीएस ने गिरफ्तार कर लिया है। 38 वर्षीय डॉ. आदिल कश्मीर के काजीकुंड का निवासी था और सहारनपुर, उप्र में सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर था। यदि कश्मीर के नौगाम में जैश के धमकी वाले पोस्टर नहीं लगते, तो शायद आतंकवाद के 'डॉक्टर मॉड्यूल' का पर्दाफाश न होता! इस गिरोह के 8 आतंकियों में 4 डॉक्टर कश्मीरी, 2 उप्र के हैं और दो मौलवी-इमाम शामिल हैं। सभी पुलिस की गिरफ्त में हैं। उमर विस्फोट में भस्म हो चुका है।

चिंतन-मनन

सफलता का मार्ग

संग्रह की वृत्ति बहिमरुखता का लक्षण है। साधक क्षणजीवी होता है। अतीत की स्मृति और भविष्य की चिंता वह करता है जो आत्मस्थ नहीं होता। वर्तमान में जीना आत्मस्थता का प्रतीक है। एक साधक कल की जरूरत को ध्यान में रखकर संग्रह नहीं करता, पर एक व्यवसायी सात पीढ़ियों के लिए पूरी व्यवस्था जुटाने में संलग्न रहता है। यह बात सही है कि साधक अशरीरी नहीं होता, शरीर की अपेक्षाओं को वह गौण नहीं कर सकता; पर दैहिक अपेक्षाओं को लेकर वह मूढ़ नहीं हो सकता। उसका विवेक जागृत रहता है। वह अपनी आवश्यकताओं को सीमित रखता है और आकांक्षाओं पर नियंत्रण रखता है।

कभी-कभी साधक के जीवन में भी स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति जाग सकती है। प्रश्न उठता है कि इन वृत्तियों का उत्स क्या है? कौन-सी अभिप्रेरणा इन्हें उभरने का अवसर देती है? मेरे अभिमत से इन तीन संस्कारों का उद्भव तीन आकारों से होता है। वे तीन आकार हैं- अहं, अश्रम और असंतोष। स्वच्छंदता की मनोवृत्ति वहीं सक्रिय होती है, जहां अहंकार का नाग फन उठाए रखता है। अहंवादी व्यक्ति स्वयं को सब कुछ समझता है। उसे अपने सामने अन्य सभी लोग बौने दिखाई देते हैं। ऐसी स्थिति में वह न तो किसी से मार्गदर्शन ले सकता है और न किसी के नियंत्रण में रह सकता है।

सुविधावाद का भाव वहां विकसित होता है जहां व्यक्ति श्रम से जी चुराता है, अपनी क्षमता का उपयोग नहीं करता और पुरुषार्थ में विश्वास नहीं करता। अश्रम का बीज ही आगे जाकर सुविधावाद के रूप में पल्लवित होता है। इस दृष्टि से साधना के साथ श्रमशीलता की वृत्ति आवश्यक है। संग्रह वृत्ति का बीज है असंतोष। जिस व्यक्ति को पदार्थ में संतोष नहीं होता, वह संग्रह करने की बात सोचता है। जिस समय जैसा पदार्थ उपलब्ध होगा, उसी से आवश्यकता की पूर्ति हो जाएगी- यह विधायक चिंतन असंतोष की जड़ को काट सकता है और संग्रह की मनोवृत्ति को बदल सकता है। साधना की सफलता स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति में नहीं है।

बचपन के रंगों में रचा-बसा था नेहरू जी का जीवन दर्शन

श्वेता गोयल

जब प्रधानमंत्री बने बच्चों के खेल के साथी... भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की शख्सियत से भला कौन परिचित नहीं होगा। बच्चों से उन्हें इतना लगाव था कि उन्हें प्यार से 'बच्चों के प्यारे चाचा नेहरू' कहा जाने लगा था। अपने कोट की जेब पर हमेशा प्रेम का प्रतीक गुलाब का फूल लगाए रहने वाले जवाहरलाल नेहरू बच्चों से इतना स्नेह करते थे कि आज भी वह देश के प्रथम प्रधानमंत्री से पहले 'चाचा नेहरू' के रूप में ही अधिक याद किए जाते हैं। बच्चों के प्रति पंडित नेहरू के इस विशेष लगाव को देखते हुए ही सन् 1956 से उनके जन्मदिन को 'बाल दिवस' के रूप में मनाने का निश्चय किया गया था और तभी से पंडित नेहरू का जन्मदिवस (14 नवंबर) बाल दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। जब उनके जन्मदिवस को 'बाल दिवस' के रूप में मनाने का निश्चय किया गया था, तब नेहरू जी ने कहा था, 'मुझे इस बात की बेहद खुशी है कि मेरे देश के बच्चों ने मेरे जन्मदिन को ही 'अपना दिन' बना लिया है। इससे ज्यादा इज्जत और खुशी की बात भला मेरे लिए और क्या हो सकती है कि मेरे मुल्क के बगीचे के इन कोमल फूलों और कोंपलों ने मुझे अपना इतना स्नेह दिया है। मेरी यही कामना है कि इन सबको फलने-फूलने का पर्याप्त अवसर मिले।'

पं. जी के जीवनकाल के अनेक ऐसे संस्मरण एवं किस्से उद्धृत किए जा सकते हैं, जो उनकी महा-शख्सियत और बच्चों के प्रति उनका अपार स्नेह बयान करते हैं। एक बार नेहरू जी बाल मंदिर देखने गए थे, जहां तीन से पांच साल तक के बच्चे पढ़ते थे। उस समय सभी बच्चे नाच-गाने में मग्न थे। जब पंडित जी वहां पहुंचे और दूर बैठकर बच्चों का नाच-गाना देखने लगे तो एक चार वर्षीया बालिका उनके पास आई और बड़े अनुरोधपूर्वक कहा कि आप भी हमारा साथ दीजिए। पहले तो पंडित जी काफी ना-नुकुर करते रहे। उन्होंने बच्चों को यह कहकर बहलाने का प्रयास भी किया कि इस बार तो नहीं लेकिन अगली बार तुम्हारे साथ जरूर नाचूंगा लेकिन जब उस बच्ची ने जिद पकड़ ली तो आखिर पंडित जी को उस छोटी सी बच्ची के आगे झुकना पड़ा और इतने विशाल देश के प्रधानमंत्री होते हुए भी उन बच्चों की खुशी के लिए उनके साथ वे बच्चा बनकर नाचे।

जब दीवाली का मौका होता तो वे अपने नाती राजीव और संजय के बाल मित्रों को आनंद भवन बुलाते और उनके साथ दीवाली मनाते हुए कहते कि बच्चों आतिशबाजी चलाकर दीपावली मनाओ और खुशियां बांटो। जो बच्चे पटाखे चलाते हुए डरते, उन्हें कहते कि जो बच्चे इन छोटे-छोटे पटाखों से ही डर जाएंगे, वे आगे चलकर देश के बहादुर सिपाही कैसे बनेंगे? कभी-कभी वह इलाहाबाद में दीवाली की रात बाहर का नजारा देखने निकल पड़ते और रास्ते में गरीब बच्चों को भी मिठाईयां, नए कपड़े और पटाखे देते हुए उनके साथ पटाखे चलाने लगते।

एक बार उन्हें किसी जरूरी काम से दीवाली पर मास्को जाना पड़ा। उस समय तक वहां दीवाली के मौके पर पटाखे नहीं चलाए जाते थे लेकिन पंडित जी की दीवाली तो बच्चों के साथ पटाखे चलाए बिना अधूरी थी। इसलिए उन्होंने वहां भी बच्चों से पटाखे मंगवाए और काफी बच्चों को एकत्रित कर उनके साथ पटाखे चलाने लगे। वहां के बच्चे पटाखों की रंग-बिरंगी रोशनी और धूमधड़ाके से बहुत प्रभावित हुए और खुशी से झूम उठे। उसके बाद से मास्को में भी हर साल दीवाली के मौके पर पटाखे चलाने का दौर शुरू हो गया।

नेहरू जी छोटे थे, तब की एक घटना है। एक बार मैदान में कुछ बच्चे गेंद से खेल रहे थे। खेलते-खेलते गेंद उछलकर लकड़ी के एक खोल में जा गिरी। खोल का मुंह छोटा था, इसलिए बच्चों से बहुत कोशिश के बाद भी गेंद नहीं निकल पा रही थी। जब नेहरू जी ने बच्चों की परेशानी को देखा तो उनसे रहा न गया। उन्होंने उन बच्चों से दो बाल्टी पानी मंगवाया और पानी लकड़ी के उस खोल में भर दिया। फिर क्या था, पानी भरते ही गेंद पानी में ऊपर आ गई और उन्होंने गेंद निकालकर बच्चों को दे दी। सभी बच्चे बालक जवाहरलाल की बुद्धिमत्ता से बहुत प्रभावित हुए।

बच्चों के साथ-साथ देश और जनता से भी नेहरू जी बहुत प्यार करते थे और यही कारण था कि अधिकांश देशवासी भी उनसे उतना ही स्नेह करते थे और उन्हें आदर-सम्मान देते थे, जितना बच्चे देते थे। 74 वर्ष की आयु में 27 मई 1964 को पंडित जी स्वर्ग सिधार गए लेकिन अपने निधन से पूर्व अपनी वसीयत में उन्होंने लिखा, 'मेरे मरने के बाद मेरी अस्थियां देश के उन खेतों में बिखेर दी जाएं, जहां भारत का किसान अपना पसीना बहाता है ताकि वे देश की मिट्टी में मिल जाएं।' ऐसे थे बच्चों के प्यारे चाचा नेहरू!

(लेखिका डेढ़ दशक से अधिक समय से शिक्षण क्षेत्र में सक्रिय शिक्षाविद हैं)

साजिश :जिंदगी बचाने वाले डॉक्टर कैसे बने आतंक के सौदागर?

मनोज कुमार अग्रवाल

लालकिला विस्फोट साजिश मामले में उच्च शिक्षित छह डॉक्टरों के नाम जुड़ जाने के बाद कई मिथक टूट रहे हैं जैसे अशिक्षा और बेरोजगारी आतंकवाद को जन्म देती है आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता है। इस मामले में शिक्षित और लाखों मासिक की तनख्वाह पाने वाले सभी मुस्लिम दहशतगर्दों को साजिश से जुड़े मिले हैं। सवाल है कि इन्हें कौन रेडिक्लाइज (उग्र कट्टरपंथी) बना रहा है? जिंदगी देने वाले डॉक्टर ही दहशत फैलाने का औजार कैसे बन गए? ये कौन सी मजहबी तालीम है जो उच्च शिक्षित एम डी डॉक्टर्स का भी ब्रेनवॉश कर उन्हें दहशत फैलाने के नापाक मंसूबों से जोड़ देती है? पिछले कुछ दिनों से देश के अलग-अलग शहरों में आतंकियों की गिरफ्तारी और विस्फोटक सामग्रियों की बरामदगी के बीच सोमवार शाम को लाल किले के पास जोरदार धमाका होना इस बात का प्रमाण है कि संभवत आतंकियों ने इस घटना को बौखलाहट में अंजाम दिया है, लेकिन इसके साथ यह भी साबित होता है कि आतंकी देश के विभिन्न हिस्सों में अपनी जड़े जमा चुके है। आतंक का जाल पूरे देश में फैल चुका है। दिल्ली में लाल किले के पास हुए जोरदार धमाके में 12 लोगों की मौत और दो दर्जन से ज्यादा लोगों का घायल होना काफी दुःखद और हृदयविदारक घटना है, क्योंकि यह विस्फोट इतना भयानक था कि लोगों के चिथड़े उड़ गए। धमाके की वजह साफ नहीं है, क्योंकि दिल्ली पुलिस ने इस संबन्ध में कुछ नहीं कहा है, लेकिन माना जा रहा है कि आतंकियों ने ही अपने नापाक मनसूबों को अंजाम दिया है।

संभवत दिल्ली में विस्फोट कर आतंकी पूरे देश में यह संदेश देना चाह रहे हैं कि तमाम गिरफ्तारियों के बीच उनका मनोबल गिरा नहीं है। दिल्ली, जो देश की प्रशासनिक और राजनीतिक धुरी है, में लाल किले जैसा ऐतिहासिक और प्रतीकात्मक स्थान पर धमाका होना, सीधे-सीधे देश की सुरक्षा व्यवस्था और खुफिया एजेंसियों को चुनौती है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब श्रीनगर, अनंतनाग, गांदरबल, शोपियां, फरीदाबाद और सहारनपुर में व्यापक छापेमारी चल रही थी और सात संदिग्धों की गिरफ्तारी के साथ भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई थी। इसलिए यह मानना तर्कसंगत होगा कि यह धमाका आतंकियों की बौखलाहट में की गई कार्रवाई हो सकती है, लेकिन इसकी भयावहता इस बात में है कि यह दिखाता है कि नेटवर्क अब भी सक्रिय और संगठित है। आंकड़े और घटनास्थल की विस्तृत जानकारी ने यह संकेत दिया है कि यह कोई साधारण विस्फोट या हमला नहीं था, बल्कि लंबी परतों में फैला एक नेटवर्क चल रहा था। देश में विभिन्न स्थानों से कुल मिलाकर लगभग तीन टन के आसपास विस्फोटक पदार्थ और संबंधित सामग्री बरामद हुई है, और मामला एक व्हाइट कलर आतंकी मॉड्यूल से जुड़ा बताया जा रहा है यानी प्रोफेशनल्स, छात्र और नागरिक का भी शामिल होना समझ को झकझोर देता है। सबसे स्तब्ध करने वाली बात यह है कि जिन लोगों पर संदेह हुआ उनमें मेडिकल डॉक्टर भी शामिल थे। रिपोर्ट बताती ताती हैं कि अनंतनाग के एक सरकारी मेडिकल कॉलेज से एके-47 राइफल बरामद की गई और दो-तीन डॉक्टरों की गिरफ्तारी के बाद वहीं से छानबीन आगे बढ़ी। जिन डॉक्टरों का नाम सामने आया है, उनमें अब जिन्हें हिरासत में लिया गया जिस कार में विस्फोट किया गया उसे भी एक डॉक्टर उम्र चला रहा था कुल छह डॉ के नाम सामने आ चुके हैं। इस से पता चल रहा है कि कैसे ईमानदार पेशेवर आड़ लेकर संवेदनशील स्थानों और सामाजिक विश्वास के ऊपर से भी आतंकी गतिविधियों को संचालित किया जा सकता है। इससे पहले गुजरात से तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया गया था, जिन्होंने पूछताछ में कई बड़े खुलासे किए हैं। आतंकियों ने हमले की तैयारी के लिए अहमदाबाद, लखनऊ और दिल्ली जैसे शहरों की रेकी की थी और आतंकी घटनाओं से इन्हें दहलाने की साजिश भी रची थी। आतंकियों के मुताबिक अहमदाबाद के भीड़भाड़ वाले इलाकों का नक्शा तैयार किया गया था। वहीं लखनऊ में आरएसएस के कार्यालय को भी निशाना बनाने के मंसूबे थे। दिल्ली में आतंकियों की नजरें आजादपुर मंडी इलाके पर थी। प्रारंभिक जांच में पता चला कि आतंकी राइसिन नामक जहर बना रहे थे जिससे हजारों लोगों को जान से मारने की तैयारी थी। पुलिस पूछताछ में एक अहम खुलासा यह भी हुआ था कि आतंकवादी आजाद शेख एक हफ्ते तक जम्मू-कश्मीर में रहा था, जहां पर उसने कुछ संवेदनशील इलाकों की जानकारियां भी जुटाई थीं। आतंकियों ने हर जगह पर मौसम, शहरी बनावट और ट्रैफिक की पुख्ता जानकारी जुटाई थी। सभी आतंकी पाकिस्तान से संपर्क में थे और अपने आकाओं के इशारों पर काम कर रहे थे। पाकिस्तानी आकाओं के इशारों पर ही आतंकियों ने भारत में बड़े नरसंहार की योजना रची थी। वह लोगों को राइसिन नाम का जहर देकर मारने की प्लानिंग कर रहे थे। आतंकी अहमद सैयद कई दिनों से राइसीन पॉइजन इकट्ठा कर रहा था, ताकि मंसूबों को अंजाम दिया जा सके। निःसंदेह यह दौर बहुआयामी चुनौतियों का है। एक ओर केंद्र तथा राज्य एजेंसियों की त्वरित कार्रवाई और अंतर-एजेंसी समन्वय का जो नमूना हमें इन छापों से दिखा, वह सराहनीय है, सही सूचना-इंटेलिजेंस के भरोसे तेजी से छापे हुए गए और संभावित बड़े हादसों को रोका गया। दूसरी ओर यह भी स्पष्ट है कि हमारी जांच-विधान, संस्थागत निगरानी और पंजीकरण तंत्र में ऐसे षड्यंत्रों को पकड़ने-समेत रोकने के लिए और सुधार की जरूरत है। आज जिस तरह से आतंकवाद का चेहरा परिवर्तित हो रहा है, निःसंदेह वह भयभीत करने वाला है। लेकिन इससे कल होशियार होना भी आसान है, क्योंकि जब हमें पता चल गया है कि डॉक्टर, प्रोफेशनल्स, छात्र संघ, कहीं-कहीं सामान्य दिखने वाला व्यक्ति भी हमारी सुरक्षा व्यवस्था के लिए खतरा बन सकता है, तो हमें सिर्फ चिन्ता नहीं करनी, बल्कि सटीक कार्रवाई करनी होगी। आतंक को मात देने का समय अब है। हमें पीछे मुड़कर नहीं देखना, बल्कि आगे बढ़ना है, सामूहिक रूप से, सतर्क रूप से, अडिग रूप से। मगर इतना तय है कि लाल किले के पास धमाका कोई साधारण घटना नहीं है, यह एक तरह से देश पर हमला है। यह हम सबको यह याद दिलाता है कि आतंक का जाल अब हमारी गलियों, विश्वविद्यालयों, डिजिटल चैट ग्रुपों और वित्तीय तंत्रों में घुस चुका है। अब यह युद्ध सिर्फ सैनिकों या पुलिस का नहीं, बल्कि नागरिक समाज, तकनीकी संस्थानों, शिक्षकों, और नीति निमार्ताओं सहित हम सबका है। हमें एक ऐसे भारत का निर्माण करना होगा जहां सुरक्षा सिर्फ हथियारों से नहीं, बल्कि विश्वास, शिक्षा, न्याय और एकता से सुनिश्चित की जाए। आतंकवाद को हराने का अर्थ सिर्फ आतंकियों को मारना नहीं, बल्कि उस मानसिकता को खत्म करना है जो उन्हें जन्म देती है। इसके लिए सबसे पहले खुफिया एजेंसियों को देश में फैले आतंक के जाल को तोड़ना होगा और यह काम सभी केंद्र और राज्य एजेंसियों को मिलकर करना होगा। यह काम आम नागरिकों के सहयोग के लिए बिना संभव नहीं है। देश के राजनीतिक पार्टियों को भी चाहिए कि इस विषय पर राजनीति नहीं करते हुए सरकार का साथ दें। आतंकवाद पर किसी भी प्रकार की राजनीति नहीं हो। हकिकत यह है कि भारत का हर नागरिक, सुरक्षा संस्था और राज्य प्रशासन मिलकर इस खतरे को तब तक नहीं जीत सकते जब तक हम इसके स्रोत, नेटवर्क, लॉजिक और सहयोगियों तक पहुंच नहीं पाते। हमें एक रणनीति के साथ काम करना होगा, जहां आतंक सिर्फ दबाया नहीं जाए, बल्कि जड़ से उखाड़ दिया जाए। सभी के सहयोग से ही देश में फैले आतंक के जाल को तोड़ा जा सकता है लेकिन उच्च शिक्षित डाक्टरों का आतंकी तंजीम से जुड़ना बेहद चौकाने वाला और गहन चिंता का विषय है।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

सात साल बाद फिल्मों में कर कमबैक सकती हैं अनुष्का

चकदा एक्सप्रेस की रिलीज पर जल्द हो सकता है फैसला

एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा को लीड एक्ट्रेस के तौर पर आखिरी बार साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म जीरो में देखा गया था। इसके बाद उन्होंने फिल्म चकदा एक्सप्रेस की शूटिंग पूरी की थी, लेकिन यह फिल्म अब तक रिलीज नहीं हुई। हालांकि, अनुष्का जल्द ही लीड एक्ट्रेस के तौर पर सात साल बाद कमबैक कर सकती हैं। दरअसल, चकदा एक्सप्रेस क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की बायोपिक है, जिसमें अनुष्का शर्मा लीड रोल में हैं। हालांकि यह बायोपिक करीब तीन साल से नेटफ्लिक्स के पास पड़ी है। फिल्म को प्लेटफॉर्म और प्रोडक्शन हाउस क्लीन स्लेट फिल्म्स के बीच अनबन के चलते रिलीज नहीं किया जा रहा है। रिपोर्ट में सामने आया है कि हाल ही में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के वनडे वर्ल्ड कप जीतने के बाद फिल्म चकदा एक्सप्रेस के प्रोड्यूसर्स अब इसकी रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। प्रोड्यूसर्स ने नेटफ्लिक्स इंडिया के शीर्ष अधिकारियों को पत्र लिखकर फिल्म रिलीज करने की अपील की है। अनुष्का ने फिल्म में झूलन गोस्वामी का किरदार निभाया है, जो पूर्व भारतीय महिला क्रिकेटर और टीम की कप्तान रह चुकी हैं। एक सूत्र ने बताया, हमने नेटफ्लिक्स इंडिया के टॉप अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से लिखा है कि वे इस विवाद से ऊपर उठकर फिल्म रिलीज करें। झूलन दी जैसी दिग्गज पर बनी बायोपिक दर्शकों तक जरूर पहुंचनी चाहिए। सूत्र ने यह भी बताया कि फिल्म कई सालों से अटकी हुई है क्योंकि नेटफ्लिक्स के अधिकारियों को इसका रिजल्ट पसंद नहीं आया। प्रोडक्शन हाउस का बजट खत्म हो गया था और प्लेटफॉर्म हैड्स को प्रोजेक्ट का साइज ठीक नहीं लगा। फिर भी फिल्म मजबूत है। एक अन्य सूत्र ने बताया कि टीम ने फिल्म पर फिर से चर्चा शुरू की है और इस महीने के भीतर रिलीज को लेकर फैसला लिया जा सकता है।

आखिरी बार फिल्म जीरो में दिखी थीं अनुष्का

बता दें कि अनुष्का शर्मा ने आखिरी बार साल 2018 में फिल्म जीरो में लीड एक्ट्रेस के तौर पर काम किया था, जिसमें उन्होंने आफिया यूसुफजई भिंदर का किरदार निभाया था। इस फिल्म में उनके साथ शाहरुख खान और कैटरीना कैफ नजर आए थे। साल 2020 में उन्होंने फिल्म बुलबुल को प्रोड्यूस किया। इसके बाद 2022 में उन्होंने फिल्म कला में कैमियो रोल किया था।

120 बहादुर में अपने किरदार को लेकर काफी एक्साइटेड हैं राशि खन्ना

रजनीश घई निर्देशित फिल्म '120 बहादुर' में फरहान अख्तर एक फौजी के किरदार में नजर आएंगे। यह कहानी सच्ची घटना पर आधारित है। इसमें फरहान के अलावा राशि खन्ना भी हैं। फिल्म मे अपने किरदार को लेकर वह काफी एक्साइटेड हैं। हाल ही मे एक्ट्रेस ने अपने किरदार को लेकर डिटेल्स शेयर किए।

राशि खन्ना ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'वो युद्ध के मैदान में नही गई, लेकिन उसने हर दिन युद्ध को जिया। मैंने इस किरदार को अपने मन में बसाया है। यह उन महिलाओं के लिए है, जो खामोशी से प्यार करती हैं। जो देश के सैनिकों का घर संभालती हैं। यह महिलाएं गर्व और दर्द को एक साथ समेटे हुए हैं।' बताते चलें कि फिल्म के मुख्य किरदार शैतान सिंह भाटी की पत्नी का रोल राशि खन्ना कर रही हैं।

भारत-चीन युद्ध पर आधारित कहानी

फिल्म '120 बहादुर' की कहानी 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान रेजांग ला की लड़ाई पर आधारित है। इस लड़ाई में 13 कुमाऊं रेजिमेंट के लगभग 120 भारतीय सैनिकों ने मेजर शैतान सिंह भाटी के नेतृत्व में, 3,000 से अधिक चीनी सैनिकों का बहादुरी से सामना किया और अपनी अंतिम सांस तक अपनी चौकी की रक्षा की। फिल्म में फरहान मेजर शैतान सिंह भाटी के किरदार में ही नजर आएंगे। यह फिल्म 21 नवंबर को रिलीज होने वाली है।

प्रतिभा रांटा ने सान्या मल्होत्रा को किया रिप्लेस

कार्तिक आर्यन की आने वाली फिल्म नागजिला को लेकर इन दिनों काफी बज बना हुआ है। हाल ही में फिल्म की शूटिंग शुरू हुई है। सेट से पूजा करने का वीडियो भी हाल ही में वायरल हुआ था। अब इस फिल्म की लीड एक्ट्रेस से जुड़ी खबर सामने आ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के मेकर्स ने इस बार नई चेहरों की तलाश शुरू की है और उनकी नज़र पड़ी है उभरती हुई स्टार प्रतिभा रांटा पर। बताया जा रहा है कि पहले इस फिल्म के लिए सान्या मल्होत्रा को फाइनल माना जा रहा था, लेकिन अब उनकी जगह पर प्रतिभा रांटा को चुना गया है। टीम ने इस फिल्म की मुख्य अभिनेत्री के रूप में लेने की तैयारी लगभग तय कर ली है। हालांकि फिलहाल इन खबरों की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हो सकी है। प्रतिभा के चयन की चर्चा इसलिए भी दिलचस्प है क्योंकि उन्हें एक फ्रेश चेहरा और अंडररेटेड टैलेंट माना जाता है। निर्देशक मृगदीप सिंह लांबा और प्रोड्यूसर करण जौहर दोनों ही चाहते हैं कि फिल्म की जोड़ी एकदम फ्रेश दिखे। यही वजह है कि कार्तिक आर्यन के साथ उनकी पेयरिंग को लेकर काफी बज बन रहा है।

10 साल बाद परदे पर लौटने जा रहे हैं इमरान, भूमि पेडनेकर के साथ नजर आएंगे

आमिर खान के भांजे इमरान खान करीब 10 साल के लंबे गैप के बाद परदे पर लौटने जा रहे हैं। इमरान को आखिरी बार 2015 में रिलीज हुई फिल्म कट्टी बट्टी में देखा गया था। जिसमें उनके साथ कंगना रनौत मुख्य किरदार में थीं। अब उनकी अगली फिल्म के जरिए वे दर्शकों के सामने नए अंदाज में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म की रिलीज और कास्ट से जुड़ा ताजा अपडेट सामने आया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इमरान की इस आगामी फिल्म में भूमि पेडनेकर भी उनके साथ नजर आएंगी। फिल्म का पहला एडिट इसी साल दिसंबर तक पूरा होने की उम्मीद है। फिल्म की शूटिंग अगस्त में पूरी हो चुकी है और अब यह पोस्ट-प्रोडक्शन फेज में है। निर्माता दिसंबर तक एडिट पूरा कर अगले साल की शुरुआत में फिल्म रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, अभी तक फिल्म की रिलीज डेट फाइनल नहीं हुई है। रिलीज डेट का निर्धारण पूरी तरह नेटफ्लिक्स पर निर्भर है। जब तक कॉर्पोरेट अधिकारियों की टीम इस पर साइन नहीं कर देती, रिलीज का कोई आधिकारिक ऐलान नहीं होगा। इसका निर्देशन दानिश असलम कर रहे हैं।

अल्फा का क्लाइमेक्स एक्शन सीन 8 से 10 मिनट लंबा

VFX पर 15-20 दिन लगे

यशराज फिल्म्स की अगली स्पाई थ्रिलर अल्फा को लेकर बड़ी अपडेट सामने आई है। इसका क्लाइमेक्स सीक्वेंस हाल ही में मुंबई के यशराज स्टूडियो में अत्याधुनिक तकनीक के साथ सफलतापूर्वक शूट कर लिया गया है। यह फिल्म यशराज स्पाई यूनिवर्स की पहली फीमेल सेंट्रिक एक्शन फिल्म है, जो अब अपने फाइनल शेड्यूल में पहुंच चुकी है। इसके निर्देशन की जिम्मेदारी द रेलवे मैन फेम शिव रवैल ने निभाई है। डेढ़ साल से जारी शूटिंग में लंदन समेत कई विदेशी लोकेशन शामिल रही हैं।

बोल्ट कैमरा और फेस रिप्लेसमेंट तकनीक का भी हुआ इस्तेमाल

अल्फा के क्लाइमेक्स फाइट सीक्वेंस को लेकर यशराज फिल्म्स ने कोई कसर नही छोड़ी। यह हाई-ऑक्टेन, वीएफएक्स-हेवी एक्शन फिल्म है, जिसमें आलिया का सामना विलन बॉबी देओल के किरदार से होता है। इस सीन को अविश्वसनीय सटीकता के साथ फिल्माने के लिए सेट पर बोल्ट कैमरा मशीन लगाई गई, जो बेहद तेज और सटीक मूवमेंट कैप्चर करने में सक्षम है। शूट की निगरानी एक विदेशी स्टंट डायरेक्टर ने की, जिन्होंने सीन के हर मूवमेंट को परफेक्ट बनाने के लिए कई लेयर्स में रिहर्सल करवाई। इस सीन मे फेस रिप्लेसमेंट और वीएफएक्स के बड़े हिस्से शामिल हैं, जिसके लिए खास लाइटिंग सेटअप और टेक्निकल ग्रिड बनाया गया था। पिता की खराब तबीयत के बीच बॉबी ने बिना रुके की शूटिंग सेट पर सबसे अधिक चर्चा बॉबी के प्रोफेशनलिज्म की रही। वह हर दिन सुबह 11.30 बजे से रात 7-8 बजे तक बिना ब्रेक शूटिंग करते रहे। तीन दिन तक चले इस एक्शन सीन में उन्होंने 8 घंटे की नॉन-स्टॉप शिफ्ट दी। इसी दौरान उनके पिता धर्मेंद्र अस्पताल में भर्ती भी थे। इसके बावजूद बॉबी ने शूट और पिता की सेहत दोनों के बीच तालमेल बनाए रखा। वीएफएक्स तकनीक के चलते बॉबी के लिए यह अनुभव बिल्कुल नया था पर उन्होंने इसे आसानी से एडॉप्ट कर लिया।

कड़ी सुरक्षा में पूरा हुआ शूट, मोबाइल फोन भी रहा बैन

क्लाइमेक्स शूट के दौरान सुरक्षा को लेकर कड़े कदम उठाए। पहले दिन किसी भी क्रू मेंबर को मोबाइल फोन अंदर ले जाने की अनुमति नही थी। बाद में केवल असिस्टेंट डायरेक्टर की मंजूरी से कुछ फोन की अनुमति दी गई। वीएफएक्स बेस्ड इस शूट में आलिया और बॉबी ने अपने सीन अलग-अलग शूट किए। पहले बॉडी डबल्स पर फाइट सीक्वेंस फिल्माया गया है, फिर फेस रिप्लेसमेंट के जरिए असली कलाकारों के चेहरे लगाए जाएंगे। इसके लिए बॉडी डबल्स की अलग से वर्कशॉप और रिहर्सल भी हुई। बताया जा रहा है कि यह पूरा क्लाइमेक्स एक्शन ब्लॉक 8 से 10 मिनट लंबा है और इसके वीएफएक्स हिस्से में 15 से 20 दिन का समय लगा।

दो बहनों के रोल में दिखेंगी आलिया-शरवरी

अल्फा की कहानी जासूसी मिशन पर आधारित है। इसमें आलिया और शरवरी दो बहनों बनी हैं, जो सीक्रेट एजेंट भी हैं। इनके पिता के रोल में अनिल कपूर हैं, जो खुद भी एक स्पाई एजेंट हैं। वहीं बॉबी का किरदार टेररिज्म और ग्लोबल क्राइम नेटवर्क से जुड़ा है। उनका लुक इस बार एनिमल से बिल्कुल अलग है।

इंडस्ट्री का हिस्सा बनना कभी मेरे प्लान का हिस्सा नहीं था

कर्नाटक के छोटे-से कस्बे कोडागु से ताल्लुक रखने वाली रश्मिका मंदाना ने कभी सोचा भी नहीं था कि एक दिन वह ग्लैमर की दुनिया पर राज करेंगी। एक समय था, जब वह लिटरेचर, साइंस और जर्नलिज्म की पढ़ाई में व्यस्त थीं और अपनी ही दुनिया में मस्त। लेकिन किस्मत ने उनका रुख फिल्मों की ओर मोड़ दिया। कन्नड़ और तमिल फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत करने वाली रश्मिका जब पुष्पा- द राइज में नजर आईं, तो रातों-रात नेशनल क्रश बन गईं। जल्दी ही पैन इंडिया स्टार के तौर पर पहचानी जाने वाली रश्मिका की थामा ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा-खासा बिजनेस किया।

आज आप देश की टॉप एक्ट्रेसेस में गिनी जाती हैं। इसका श्रेय आप किसे देती हैं?

सच कहूं तो इंडस्ट्री का हिस्सा बनना कभी मेरे प्लान का हिस्सा नहीं था। लेकिन पीछे मुड़कर देखती हूं तो लगता है ये सफर कितना खूबसूरत रहा है। मैं उन सभी की आभारी हूं, जिन्होंने इस सफर में मेरा साथ दिया। सबसे पहले मेरा परिवार, जिन्होंने हमेशा मुझे दिल की सुनने, आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों का पीछा करने के लिए प्रेरित किया और हर मोड़ पर मेरा साथ दिया। हर निर्देशक, को-स्टार और टीम से मैंने कुछ न कुछ सीखा है, जिसने मुझे लगातार आगे बढ़ाया। और सबसे ऊपर, मेरे चाहने वाले फैन, उनका प्यार और समर्थन मुझे हर दिन नई चुनौतियां

पुष्पा के बाद आपने सचमुच पैन इंडिया स्टार शब्द को लोकप्रिय बना दिया। पैन-इंडिया सुपरस्टार कहलाना कैसा लगता है?

बहुत प्यारा लगता है। सच कहूं तो अभी भी उस अहसास को पूरी तरह महसूस कर रही हूं। ये सब दर्शकों के अपार प्यार का नतीजा है और इसके लिए मैं दिल से आभारी हूं। मैं बस इतना कहना चाहती हूं कि आप सबका प्यार ही मेरी ताकत है। मैं हर दिन अपना बेस्ट देने की कोशिश करती हूं और आगे जो प्रोजेक्ट्स आ रहे हैं, उन्हें लेकर बेहद उत्साहित हूं।

छोटे शहर और कस्बों से आने वाली उन युवा लड़कियों के लिए क्या संदेश देना चाहेंगी जो आपके रास्ते पर चलना चाहती हैं?

मैं हमेशा यही कहती हूं कि अगर मैं कर सकती हूं तो कोई भी कर सकता है। जो भी आपका सपना हो, खुद पर विश्वास रखिए और आगे बढ़िए। रास्ता आसान नहीं होगा, लेकिन अगर दिल में ठान लिया तो आधी जीत वहीं से शुरू हो जाती है।

आपकी नैचुरल एक्टिंग और सादगी भरे लुक्स को लोग बहुत पसंद करते हैं। क्या ये आपकी निजी पसंद है या निर्देशक का विजन?

यह बहुत प्यारा कॉम्प्लिमेंट है, धन्यवाद। सच कहूं तो मैं सेट पर पूरी तरह अपने निर्देशक पर भरोसा करती हूं। उनका विजन ही फिल्म की आत्मा होता है। हमारा काम है उस विजन को जीवंत करना।

आपने अल्लू अर्जुन, रणबीर कपूर, विक्की कौशल जैसे बड़े कलाकारों के साथ काम किया है। उनसे आपने क्या सीखा?

हर कलाकार से कुछ न कुछ सीखने को मिलता है। अल्लू सर हों, रणबीर हों या विक्की, हर किसी का काम करने का तरीका अलग है। मैंने उनसे छोटे-छोटे सबक सीखे हैं जिन्हें मैं हमेशा अपने साथ लेकर चलती हूं। अल्लू अर्जुन सर के साथ हमारी एनर्जी बहुत अच्छी तरह मिलती है, इसलिए हमें काम के दौरान बहुत कंफर्टेबल महसूस होता है। रणबीर की बात करूं, तो हम लोगों को इधर-उधर की बातें पसंद नहीं आती, हम लोग अपने रोल्स और काम पर ध्यान देते हैं। एक चीज जो मुझे उनकी बहुत पसंद है, वो यह है कि उनका जो क्राफ्ट है, वो पूरी इंडस्ट्री को दर्शाता है। जबकि विक्की के साथ काम करते हुए सेट पर मैं यही सोचती थी कि ये इंसान तो कमाल का है।

भारत दक्षिण अफ्रीका पहला टेस्ट आज से

कोलकाता (एजेंसी)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच शुक्रवार से यहां पहला क्रिकेट टेस्ट मैच ऐतिहासिक ईडन गार्डन के मैदान पर खेला जाएगा। इस मैच में दोनो ही टीम जीत के इरादे से उतरेंगी। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) को देखते हुए भी ये सीरीज बेहद अहम मानी जा रही है। इस मैच से आक्रमक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत वापसी करेंगे। वह इंग्लैंड दौरे में अंगूठे में हुए फ्रैक्चर के बाद से ही टीम से बाहर थे। ऐसे में सभी की नजरें उनके उपर रहेंगी। इसके अलावा भारत ए की ओर से शानदार प्रदर्शन करने वाले ध्रुव जुरेल भी इस मैच में खेलेंगे।

इस मैच में भारतीय टीम के बल्लेबाजों को दक्षिण अफ्रीकी टीम के तेज ओर स्पिन आक्रमण का सामना करना होगा। इस मैदान पर स्पिनरों को सहायता मिलती है जिसका लाभ दक्षिण अफ्रीकी स्पिनर उठाना चाहेंगे। दक्षिण अफ्रीका गेंदबाजी आक्रमण की धार इस समय स्पिनरों पर निर्भर है और ऐसे में भारतीय बल्लेबाजों को सावधान रहना होगा। दक्षिण अफ्रीकी के पास अधिकतर समय अच्छे तेज गेंदबाज रहे हैं पर इस बार टीम स्पिनरों के भरोसे है। पाकिस्तान के खिलाफ हाल ही में उसने सीरीज 1-1 से ड्रॉ खेली थी। उसमें उसके मुख्य स्पिनरों केशव महाराज, साइमन हार्मर और सेनुरान मुथुस्वामी ने 39 में से 35 विकेट लिए थे।

वहीं भारतीय टीम के सहायक कोच रियान टेन डोइशे ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों का तरीका उपमहाद्वीप के गेंदबाजों के समान है। उन्होंने कहा, 'उनके पास चार स्पिनर हैं जिनमे से वे तीन को उतार सकते हैं। ऐसा लग रहा है कि हम उपमहाद्वीप की किसी टीम के खिलाफ खेलने वाले हैं। उन्होंने कहा, 'हमने इस पर बात की है। हमने न्यूजीलैंड के खिलाफ खराब प्रदर्शन वाली सीरीज से सबक लिया है। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज हार्मर भी 1000 प्रथम श्रेणी विकेट ले चुके हैं और भारत के हालात को जानते हैं।

दस साल पहले हाशिम अमला की कप्तानी में इस गेंदबाज ने दो टेस्ट खेलकर चेतेश्वर पुजारा, रोहित शर्मा और रिध्मिान साहा के विकेट लिए थे। एक दशक बाद भी वह उतने ही चतुर गेंदबाज है। उन्होंने रावलपिंडी में में 8 विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका को जीत दिलाई और सीरीज ड्रॉ भी कराई। वहीं केशव महाराज सबसे सटीक और आक्रामक स्पिनरों में से एक है। ऐसे में भारतीय बल्लेबाजों और दक्षिण अफ्रीका के स्पिनरों के बीच मुकाबला रोमांचक होना तय है।

ईडन की पिच से स्पिनरों का पहले भी सहायता मिलती रही है। वहीं बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि यह टर्निंग पिच नहीं होगी। इससे जसप्रीत बुमराह को सहायता मिल सकती है। बुमराह आम तौर पर शुरुआत में मूवमेंट और बाद में रिवर्स स्विंग देने वाली पिच पर भारत के तुरप का इक्का साबित हो सकते हैं। भारतीय टीम इस मैच में दो तेज गेंदबाजों को उतार सकता है और घरेलू मैदान होने से युवा तेज गेंदबाज आकाश दीप को भी इसमें अवसर मिल सकता है।

शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम से यहा सभी को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। उसने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था वेस्टइंडीज की कमजोर टीम को 2-0 से हराने पर उसे विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में अधिक लाभ नहीं मिला है । ऐसे में वह इस सीरीज मे जीत चाहेगी। ऋषभ इस सीरीज से वापसी करते हुए अच्छी बल्लेबाजी करना चाहेंगे। उनके अलावा जुरेल के बतौर बल्लेबाज खेलने से भी भारत का मध्यक्रम मजबूत हुआ है। न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में 16 विकेट लेने वाले वॉशिंगटन सुंदर भी इस सीरीर में अंतर पैदा करेंगे। वहीं दूसरी ओर तेम्बा बावुमा की कप्तानी वाली दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी एडेन मार्क्रम, रियान रिकेल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स , काइल वेरेने , डेवाल्ड ब्रेविस पर निर्भर करेगी। इसके अलावा टीम के पास कोर्बिन बोश, वियान मुल्डर, मार्को यानसेन जैसे अच्छे खिलाड़ी हैं। कुल मिलाकर ये मुकाबला रोमांचक रहना तय है

टीमें इस प्रकार हैं

भारत = शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, साइ सुदर्शन, ऋषभ पंत, ध्रुव जुरेल, रविंद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, आकाश दीप, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, देवदत्त पडिक्कल

दक्षिण अफ्रीका=तेम्बा बावुमा (कप्तान), एडेन मार्क्रम, रियान रिकेल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स , काइल वेरेने , डेवाल्ड ब्रेविस, जुबैर हमजा, टोनी डि जोर्जी, कोर्बिन बोश, वियान मुल्डर, मार्को यानसेन, केशव महाराज, सेनुरन मुथुस्वामी , कैगिसो रबाडा, साइमन हार्मर

दक्षिण अफ्रीकी कप्तान लॉरा बनी आईसीसी की अक्टूबर महीने की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने दक्षिण अफ्रीकी महिला क्रिकेट टीम की कप्तान लॉरा वोल्वार्ट को अच्छे प्रदर्शन और कप्तानी के लिए अक्टूबर माह के प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड से सम्मानित किया है। वोल्वार्ट ने महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के दौरान वोल्वार्ट ने न केवल सबसे अधिक रन बनाए, बल्कि अपनी टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। इस दौरान इस खिलाड़ी ने आठ मैचों में 470 रन बनाये और उनका औसत रहा 67.14 वहीं स्ट्राइक रेट 97.91 रहा है।

वोल्वार्ट ने महिला विश्व कप 2025 में आठ मैचों में कुल 470 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने तीन अर्धशतक और एक शतक लगाया है। वोल्वार्ट ने अपने प्रदर्शन से कई मैचों में टीम को जीत दिलायी। शुरुआती मैचों में टीम की हार के बाद भी उसके फाइनल तक के सफर में इस खिलाड़ी के अच्छे प्रदर्शन की अहम भूमिका रही। हर मैच में उन्होंने रन बनाए और टीम को मजबूत किया। इस क्रिकेटर ने 67.14 की औसत और 97.91 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं।

वोल्वार्ट ने कहा, 'महिला क्रिकेट के लिए यह एक ऐतिहासिक आयोजन था, और भारत में विश्व कप प्रदर्शन के बाद यह सम्मान मिलना मेरे लिए गर्व व सम्मान की बात है। टूर्नामेंट में कई शानदार मैच हुए और खिलाड़ियों ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। यह सम्मान मेरे लिए बहुत महत्व रखता है।' उन्होंने कहा कि भले ही टीम खिताब नहीं जीत सकी पर वह अपनी टीम की आक्रामक भावना और निरंतरता पर गर्व का अनुभव करता है। 'हमें पूरा भरोसा है कि अगला विश्व कप खिताब अब हमारी टीम जीतेगी।'

वोल्वार्ट ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड के 143 गेंदों पर 169 रन बनाये। उनकी इस पारी के बल पर ही टीम पहली बार महिला विश्व कप फाइनल में पहुंची। यह पारी न केवल टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक रही, बल्कि उनके करियर का भी मील का पत्थर साबित हुई।

लखनऊ सुपर जाइंट्स से रिलीज हो सकते हैं शार्दुल ठाकुर, इस टीम के लिए खेलेंगे आईपीएल 2026

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस ने लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ एक ऑलकैश ट्रेड डील के तहत समझौता कर लिया है। बताया गया है कि दोनों फ्रेंचाइजियों ने IPL को अपनी रुचि के बारे में जानकारी दी है और जरूरी औपचारिकताओं के पूरा होते ही इस सौदे को आधिकारिक रूप से मंजूरी मिल जाएगी। यह नया बदलाव दर्शाता है कि शार्दुल IPL के इतिहास में एक अद्वितीय कीर्तिमान बनाने जा रहे हैं। यह उनके IPL करियर का तीसरा ट्रांसफर होगा। 2017 में राइजिंग पुणे सुपरजायंट ने उन्हें किंग्स इलेवन पंजाब (जो अब पंजाब किंग्स है) से अधिग्रहित किया था। इसके बाद 2023 के सीजन से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स ने उन्हें दिल्ली कैपिटल्स से अपने साथ शामिल किया था। यह ध्यान देने योग्य है कि दोनों बार यह व्यापार पूरी तरह से ऑल कैश डील पर आधारित था। ठाकुर 2025 के मेगा ऑक्शन में अनसोल्ड रहे थे और काउंटी चैम्पियनशिप में ऐसेक्स से जुड़ने वाले थे, लेकिन LSG ने उन्हें मोहसिन खान के रिप्लेसमेंट के तौर पर उनके बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए में चुना था। उस समय टीम के मेंटॉर जहीर खान का यह फैसला अच्छा निवेश साबित हुआ था। ठाकुर ने IPL 2025 के शुरुआती दो मैचों में छह विकेट लिए थे। हालांकि इसके बाद उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा और उन्होंने कुल 10 मैचों में 13 विकेट लिए। साथ ही उनकी इकॉनमी रेट 11.02 रही। मुम्बई इंडियंस की टीम में फिर से शामिल होना उनके लिए घर वापसी जैसा होगा। ठाकुर 2010 से 2012 तक मुंबई टीम के सपोर्ट बोलर रहे थे और घरेलू क्रिकेट में मुंबई टीम के कप्तान भी रह चुके हैं।

डफी की कहर बरपाती गेंदबाजी, न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को धोकर 3-1 से सीरीज जीती

डुनेडिन (न्यूजीलैंड) (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने गुरुवार को डुनेडिन के यूनिवर्सिटी ओवल में पांच मैचों की टी20 सीरीज के पांचवें और आखिरी मैच में वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ, मिशेल सैंटनर की अगुवाई वाली टीम ने सीरीज 3-1 से अपने नाम कर ली। चौथा टी20 मैच बारिश की भेंट चढ़ने के बाद 2-1 की अजेय बढ़त हासिल करने के बाद, न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी ने कीवी टीम को जोरदार शुरुआत दिलाई। उन्होंने तीन विकेट जल्दी चटकाए और विपक्षी टीम के शीर्ष क्रम को तहस-नहस कर दिया। वेस्टइंडीज का स्कोर महज 2.4 ओवर में 21/4 हो गया। इसके बाद, वेस्टइंडीज वापसी नहीं कर सका और केवल 140 रन ही बना सका। डफी ने 4-35 के प्रभावशाली गेंदबाजी आंकड़े दर्ज किए, जबकि रोस्टन चेस 32 गेंदों में 38 रन बनाकर मेहमान टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। रोमारियो शेफर्ड ने भी अंत में बढ़त हासिल की और 22 गेंदों में 36 रन बनाकर वेस्टइंडीज को अंत में सम्मानजनक स्कोर दिया। न्यूजीलैंड ने तेजी से लक्ष्य का पीछा किया। सलामी बल्लेबाज टिम रॉबिन्सन और डेवोन कॉनवे ने शानदार शुरुआत की और सिर्फ सात ओवर में 69 रन बनाकर मैच को वेस्टइंडीज की पहुंच से दूर कर दिया। रॉबिन्सन ने आक्रमक 45 रनों के साथ आक्रमण का नेतृत्व किया, जबकि कॉनवे ने धैर्यपूर्वक पारी को संभाला, 47 रन बनाकर नाबाद रहे और टीम को जीत दिलाई। मार्क चैपमैन ने 13 गेंदों में तेजी से 21 रन जोड़कर गति बनाए रखी। दोनों टीमें अब तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में आमने-सामने होंगी, जहां वेस्टइंडीज को अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, रेमन सिमंड्स और जेडियाह ब्लेड्स की चोटों के कारण सेवाएं नहीं मिलेंगी। पहला एकदिवसीय मैच रविवार को क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में खेला जाएगा। संक्षिप्त स्कोरः वेस्टइंडीज: 18.4 ओवर में 140-10 (रोस्टन चेज 38, रोमारियो शेफर्ड 36, जैकब डफी 4-35) और न्यूजीलैंड: 15.4 ओवर में 141-2 (डेवोन कॉनवे 47*, टिम रॉबिन्सन 45, शमर स्प्रिंगर 1-8)।

सिंगापुर के जिया हेंग को हराकर जापान मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे लक्ष्य सेन

कुमामोतो (जापान)। भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन ने गुरुवार को यहां सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके कुमामोतो मास्टर्स जापान ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता सेन ने 39 मिनट तक चले मुकाबले में दुनिया के 20वें नंबर के खिलाड़ी तेह को 21-13, 21-11 से हराया। विश्व के 15वें नंबर के खिलाड़ी सेन का क्वार्टर फाइनल में मुकाबला सिंगापुर के पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू से होगा। लक्ष्य ने पहले गेम में 8-5 की बढ़त बना ली थी। इसके बाद तेह ने कुछ देर के लिए 10-9 की मामूली बढ़त हासिल कर ली, लेकिन ब्रेक तक भारतीय खिलाड़ी ने फिर बढ़त बना ली। दोनों खिलाड़ियों के बीच 14-13 के स्कोर तक कड़ा मुकाबला देखने को मिला लेकिन इसके बाद लक्ष्य ने लगातार सात अंक बनाकर पहला गेम अपने नाम कर दिया। लक्ष्य ने दूसरे गेम में शुरू से अच्छा प्रदर्शन किया और जल्द ही 5-0 की बढ़त बना ली। उन्होंने इंटरवल तक 11-3 की बढ़त बनाकर अपने प्रतिद्वंदी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। भारतीय खिलाड़ी ने इसके बाद भी अपनी लय बरकरार रखी और आसानी से मैच जीता। भारत के एक अन्य खिलाड़ी एचएस प्रणय का सामना डेनमार्क के रासमस गेम्के से होगा।

भारतीय सरजमीं पर जीतना विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के बाद दूसरे नंबर पर होगा : बावुमा

कोलकाता। मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियन दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा के लिए भारत को उसकी सरजमीं पर हराने की संभावना विशेष महत्व रखती है और उनका कहना है कि दो टेस्ट मैच की श्रृंखला जीतना लगभग इस साल के शुरू में मिली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीत के बराबर ही होगा। दक्षिण अफ्रीका ने भारत के तीन दौरों में लगातार सात टेस्ट गंवाए हैं और उनकी आखिरी जीत 2010 में नागपुर में रही थी। लेकिन बावुमा का मानना है कि 2023 में कोच शुक्री कॉनराड के कार्यभार संभालने के बाद से इस टीम को टेस्ट श्रृंखला में हार का सामना नहीं करना पड़ा है और अब उनकी टीम इतनी परिपक्व और आत्मविश्वास से भरी है कि वह कड़ी चुनौती पेश करके भारत में अब तक की अपनी दूसरी श्रृंखला जीत सकती है। ईडन गार्डन्स में शुरू होने वाले पहले टेस्ट से पहले बावुमा ने कहा, 'मुझे लगता है कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतना काफी महत्वपूर्ण है। लेकिन मुझे लगता है कि भारत में जीतना इसके बाद दूसरे नंबर पर होगा। यह ऐसा कुछ है जो हम लंबे समय से ऐसा नहीं कर पाए हैं। इसलिए महत्वाकांक्षा के मामले में यह निश्चित रूप से ऊपर है।' बावुमा ने कहा, 'हम चुनौती की गंभीरता को समझते हैं। इसलिए हम इसकी अहमियत जानते हैं।' दक्षिण अफीका के कप्तान ने कहा, 'हम इस चुनौती के लिए तैयार हैं। दोनों टीमों को देखते हुए यह रोमांचक होना चाहिए। भारतीय टीम में शानदार खिलाड़ी हैं, लेकिन थोड़े कम अनुभवी भी हैं। इसी तरह हमारी टीम भी है, हमारे खिलाड़ी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों से मुकाबला करना चाहते हैं।'

कप्तानी के लिए अच्छी पर्सनैलिटी और अंग्रेजी बोलना जरूरी नहीं : अक्षर पटेल

-लोगों को अपनी धारणा बदलनी होगी

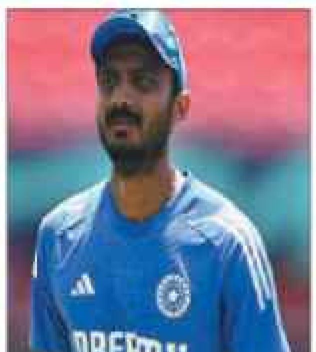

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के स्पिन ऑलराउंडर व दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने कहा है कप्तानी को लेकर एक ऐसी धारणा बन गयी है जो सही नहीं है पर ये कई साल से चली आ रही अक्षर के अनुसार लोग मानते है कि अच्छी पर्सनैलिटी और अंग्रेजी बोलना कप्तानी के लिए जरूरी है। वहीं केवल इस आधार पर किसी को कप्तानी के लिए अयोग्य मान लेते हैं जो अंग्रेजी नहीं बोल पाता। अक्षर कप्तानी को लेकर लोगों की इस धारणा से नाराज है। उन्होंने कहा कि कप्तानी के लिए किसी खिलाड़ी की पर्सनैलिटी और अंग्रेजी बोलने की क्षमता को लोग वरीयता देते हैं पर क्रिकेट से जुड़े कौशल को नहीं देखते है। अक्षर ने कहा, 'लोग कहना शुरू कर देते हैं- ओह, यह कप्तानी मटेरियल नहीं है, यह अंग्रेजी नहीं बोलता है। यह कैसे बात करेगा? ये है, वो है।' साथ ही कहा, अरे, कप्तान का काम सिर्फ बात करना थोड़े होता है। कप्तान का काम खिलाड़ी को जानना होता है और उससे उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हासिल करना होता है। ये जानना होता है। उसकी ताकत क्या है, उसकी कमजोरी क्या है, ये समझना होता है। कप्तान को पता होता है कि हमारे पास ये खिलाड़ी है और मुझे उससे कैसे अच्छा प्रदर्शन लेना है। इसके अलावा मैच के हालात के अनुसार किसे गेंदबाजी देनी है। अक्षर ने आगे कहा, 'लेकिन नहीं, हम कहते हैं कि पर्सनैलिटी चाहिए, अच्छा इंग्लिश बोलना चाहिए। धारणा लोगों की अपनी सोच के आधार पर बनी है। मैंने इस साल दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी की और मुझे बहुत सारी तारीफ मिली। मुझे लगता है कि आगे भी ऐसा और भी होगा और आने वाले समय में अभी और ज्यादा बदलाव आएंगे।' उन्होंने कहा कि लोगों को अपनी व्यक्तिगत सोच और नजरिए को बदलने की जरूरत है। ये सोचना बंद कीजिए कि उसकी पर्सनैलिटी अच्छी है, वह इंग्लिश बोल सकता है तो वह कैप्टन मटेरियल है।

आईपीएल2026 से पहले मोहम्मद शमी त्रिकोणीय रस्साकशी के केंद्र में

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोहम्मद शमी, जो हाल ही में भारतीय टीम में चयन न होने के कारण चर्चा में हैं, 2026 के आईपीएल सीजन से पहले त्रिकोणीय रस्साकशी के केंद्र में हैं। इस अनुभवी तेज गेंदबाज के लिए कई फ्रेंचाइजी रुचि दिखा रही हैं, और हो सकता है कि उन्हें उनमें से किसी एक के साथ ट्रेड कर दिया जाए।

हाल ही में पता चला है कि सनराइजर्स हैदराबाद मौजूदा मांग का सर्वोत्तम उपयोग करने के विकल्पों पर विचार कर रहा है। 35 वर्षीय तेज गेंदबाज, जो अपने 12 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में लंबे समय तक भारतीय आक्रमण का अगुआ रहा है, जिसमें 64 टेस्ट, 108 वनडे और 25 टी20 अंतरराष्ट्रीय शामिल हैं, को लखनऊ सुपर जायंट्स द्वारा खरीदा जा रहा है और दिल्ली कैपिटल्स भी उतनी ही उत्सुकता दिखा रही है। अब देखना यह होगा कि एसआरएच प्रबंधन इस स्थिति से कैसे निपटता है। अगर यह सौदा होता है, तो यह एकतरफा होगा।

नीलामी पूल में शामिल होने की भी संभावना है, लेकिन पूरी तरह से नकद लेन-देन वाला विकल्प ज्यादा संभावित लगता है। शमी को जेद्दा में हुई पिछली मेगा नीलामी में एसआरएच ने 10 करोड़ रुपए में खरीदा था, लेकिन पिछले सीजन में उनका प्रदर्शन मामूली रहा - 56.17 के निराशाजनक औसत और 11.23 के इकॉनमी रेट से सिर्फ छह विकेट, जबकि उनके करियर के आंकड़े क्रमशः 28.19 और 8.63 रहे हैं।

उन्होंने कुल 119 आईपीएल मैचों में 133 विकेट लिए हैं, जिनमें से ज्यादातर विकेट उन्होंने 2022 और 2023 में गुजरात टाइटन्स के लिए दो शानदार सीजन के दौरान लिए थे, जब उन्होंने कुल मिलाकर 48 विकेट (क्रमशः 20 और 28) लिए थे। चोट के कारण वह पूरे आईपीएल 2024 से बाहर हो गए। दिल्ली कैपिटल्स की शमी में कितनी गहरी दिलचस्पी है, इसका अंदाजा सौरव गांगुली की इस तेज गेंदबाज पर हालिया टिप्पणियों से लगाया जा सकता है। 'मुझे यकीन है कि चयनकर्ता नजर रख रहे हैं और मोहम्मद शमी और चयनकर्ताओं के बीच बातचीत चल रही है। लेकिन अगर आप मुझसे पूछें, तो फिटनेस और कौशल के मामले में, यह वही मोहम्मद शमी है जिसे हम जानते हैं।'

दिल्ली कैपिटल्स प्रबंधन के सदस्य गांगुली ने कुछ दिन पहले मीडिया में कहा था, 'इसलिए, मुझे वास्तव में कोई कारण नहीं दिखता कि वह भारत के लिए टेस्ट मैच, वनडे क्रिकेट और टी20 क्रिकेट क्यों नहीं खेल सकते। क्योंकि यह कौशल बहुत बड़ा है।' शमी ने इस साल मार्च में दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल के बाद से कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है, और उनकी फिटनेस की स्थिति एक गर्म विषय बन गई, जिसमें मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर और खुद खिलाड़ी सार्वजनिक रूप से बयानबाजी में शामिल रहे। शमी ने इस सीजन में बंगाल के लिए प्रथम श्रेणी मैचों में अपनी फिटनेस साबित की है और पिछले तीन रणजी मैचों में 15 विकेट लिए हैं।

गुजरात छोड़ मुंबई इंडियन्स से जुड़ेंगे वेस्टइंडीज के स्टार ऑलराउंडर, मुंबई इंडियंस ने खर्च किए 2.6 करोड़

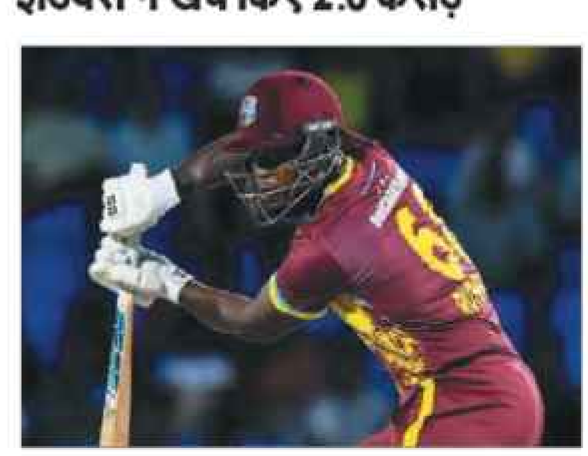

नई दिल्ली। गुजरात टाइटन्स ने वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर शेरफेन रदरफोर्ड को आईपीएल 2026 से पहले दो करोड़ 60 लाख रुपए में मुंबई इंडियंस (MI) को 'ट्रेड' किया। आईपीएल ने एक बयान में कहा, 'गुजरात टाइटन्स द्वारा 2.6 करोड़ रुपए में खरीदे गए रदरफोर्ड अपनी मौजूदा फीस पर मुंबई इंडियन्स में शामिल होंगे।' वेस्टइंडीज के इस 27 वर्षीय खिलाड़ी ने 44 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में छठे विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड उनके नाम है। उन्होंने पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आंद्रे रसेल के साथ 139 रन की साझेदारी की थी। रदरफोर्ड ने अब तक 23 आईपीएल मैच खेले हैं। इससे पहले उन्होंने 2019 में दिल्ली कैपिटल्स और 2022 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का प्रतिनिधित्व किया था। वह 2020 में मुंबई इंडियन्स और 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स का हिस्सा थे लेकिन उन सत्र के दौरान एकादश का हिस्सा नहीं बन पाए।

2026 सत्र के लिए बोल्ट और दीपक चाहर को रिटेन नहीं करेगी मुम्बई इंडियंस : हेडन

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र में मुंबई इंडियंस की टीम तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट और दीपक चाहर को बाहर कर देगी। हेडन ने कहा, फ्रमुंबई इंडियंस के पास एक संतुलित अंतिम ग्यारह है पर इसके बाद भी उसे जीत के लिए उसे कुछ कठिन फैसले लेने होंगे, जिसमें न्यूजीलैंड के बोल्ट को रिलीज करना भी शामिल है। बोल्ट को पिछले सत्र में मुंबई की टीम ने 12.50 करोड़ में खरीदा था और उन्होंने सीजन में कुल 22 विकेट लिए थे। बोल्ट पावर प्ले में अपनी कसी हुई गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में टीम के लिए उन्हें बाहर करना कठिन फैसला होगा। ये भी हो सकता है कि मुंबई उन्हें मिनी नीलामी में कम कीमत पर खरीदे। बोल्ट के अलावा मुंबई इंडियंस से दीपक चाहर भी बाहर होंगे। हेडन का मानना है कि चाहर को रिलीज कर टीम कम पैसों में किसी अच्छे तेज गेंदबाज को नीलामी में शामिल कर सकती है। चाहर को मुंबई की टीम ने आईपीएल 2025 में 9.25 करोड़ में खरीदा था पर वह टीम के लिए फायदेमंद नहीं रहे। वह सत्र में केवल 11 विकेट ले पाए थे। इसी को देखते हुए हेडन का मानना है कि चाहर को रिलीज किया जाएगा जिससे मिनी नीलामी में किसी युवा खिलाड़ियों को बैक अप के तौर पर खरीदा जा सके। पांच बार की विजेता मुम्बई इंडियंस का पिछला सत्र अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में वह इस बार टीम संयोजन में कमी नहीं रखना चाहेगी।

सानिया मिर्जा का खुलासा, तलाक के बाद गहरे डिप्रेशन में चली गई थी, पैनिक अटैक भी आए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा ने पहली बार अपने जीवन के सबसे कठिन दौर के बारे में खुलासा किया है। शोएब मलिक से तलाक के बाद सानिया गहरे डिप्रेशन और पैनिक अटैक से जूझ रही थीं। इस मुश्किल समय में बॉलीवुड डायरेक्टर और कोरियोग्राफर फराह खान ने उनकी भावनात्मक रूप से मदद की और उन्हें फिर से खड़ा होने की ताकत दी। अपने नए यूट्यूब शो -सर्विंग इट अप विद सानिया- के पहले एपिसोड में सानिया ने बताया कि कैसे फराह ने उन्हें जीवन के सबसे नाजुक पलों से उबरने में साथ दिया।

तलाक के बाद बिखर गई थीं सानिया मिर्जा

सानिया मिर्जा ने साल 2010 में पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक से शादी की थी। इस रिश्ते ने शुरुआत से ही दोनों देशों में खूब सुर्खियां बटोरीं। 2018 में दोनों एक बेटे के माता-पिता बने, लेकिन साल 2024 में शोएब मलिक ने पाकिस्तानी अभिनेत्री सना जावेद से शादी कर ली, जिससे यह रिश्ता हमेशा के लिए खत्म हो गया। इस टूटे रिश्ते का असर सानिया पर गहराई से पड़ा। उन्होंने बताया कि तलाक के बाद उन्हें पैनिक अटैक आने लगे और वे लंबे समय तक डिप्रेशन में रहीं। उस दौर को सानिया ने अपनी जिंदगी का 'सबसे बुरा समय' बताया।

फराह खान बनीं मुश्किल वक्त में सहारा

अपने नए टॉक शो 'सर्विंग इट अप विद सानिया' के पहले एपिसोड में सानिया ने फराह खान के साथ बातचीत में इस घटना का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'मैं कैमरे पर यह नहीं बताना चाहती, लेकिन एक वक्त ऐसा था जब मैं बुरी तरह टूट गई थी। आप (फराह खान) मेरे सेट पर आई थीं और उसके बाद मुझे एक लाइव शो में जाना था। मैं कांप रही थी। अगर आप वहां नहीं आतीं, तो शायद मैं वह शो नहीं कर पाती। आपने मुझसे कहा था, 'चाहे कुछ भी हो, तुम यह शो करोगी।' सानिया की इन बातों से यह साफ झलकता है कि फराह खान ने उस कठिन समय में उनके लिए एक भावनात्मक स्तंभ का काम किया।

फराह खान ने याद किया वो दिन

फराह खान ने भी उस घटना को याद करते हुए बताया कि सानिया को परेशान देखकर वे खुद भी घबरा गई थीं। उन्होंने कहा, 'मुझे उस दिन शूटिंग करनी थी, लेकिन जब मैंने सानिया को उस हालत में देखा तो सब कुछ छोड़कर भागी चली आई। मैं पजामा और चप्पल में वहां पहुंची, क्योंकि मुझे उनकी चिंता थी।' फराह ने बताया कि सानिया को देखकर उन्हें एहसास हुआ कि दोस्ती सिर्फ अच्छे वक्त में नहीं, बल्कि मुश्किल घड़ी में साथ खड़े होने का नाम है।

सिंगल मदर के रूप में सानिया की ताकत की सराहना

फराह खान ने बातचीत के दौरान सानिया की सिंगल मदर के रूप में भूमिका की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'अकेले बच्चे की परवरिश करना आसान नहीं है। आपको काम भी करना पड़ता है और एक मां के तौर पर बेटे को समय भी देना पड़ता है। यह दोगुनी मेहनत का काम है, लेकिन सानिया इसे खूबसूरती से निभा रही हैं।'

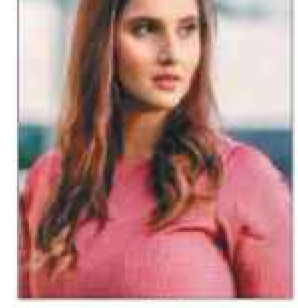

सानिया आज अपने बेटे इजहान मिर्जा मलिक की परवरिश अकेले कर रही हैं और वे अपने पेशेवर जीवन में भी सक्रिय हैं।

संक्षिप्त समाचार

पेरू में भीषण सड़क हादसा: यात्री बस खाई में गिरी, कम से कम 37 लोगों की मौत

लीमा, एजेंसी। स्थानीय रेडियो आरपीपी को एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि बस एक पिकअप ट्रक से टकरा गई और एक मोड़ पर सड़क से उतरकर 200 मीटर (650 फीट से ज्यादा) नीचे ओकोना नदी के किनारे जा गिरी। बस दक्षिणी पेरू के एक खनन क्षेत्र वाला शहर से रवाना हुई थी और अरेक्विपा शहर जा रही थी। पेरू में जानलेवा बस दुर्घटनाएं असामान्य नहीं है। अगस्त में एक बस हाईवे पर पलट गई थी और 10 लोगों की मौत हो गई। जुलाई में लीमा से पेरू के अमेजन क्षेत्र जा रही एक और बस पलट गई, जिसमें कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई थी और 48 घायल हो गए थे।

दिल्ली कार ब्लास्ट जांच पर अमेरिकी विदेश मंत्री बोले- उन्हें हमारी मदद की जरूरत नहीं

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने 10 नवंबर को दिल्ली में हुए कार विस्फोट की जांच में भारत की मदद करने की पेशकश की है। हालांकि, विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि भारतीय अधिकारी इस जांच को बहुत ही पेशेवर तरीके से संभाल रहे हैं। कनाडा में जी-7 विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए रूबियो ने कहा, 'हमने मदद की पेशकश की है, लेकिन मुझे लगता है कि वे इन जांचों में बहुत सक्षम हैं। उन्हें हमारी मदद की जरूरत नहीं है और वे अच्छा काम कर रहे हैं।' इससे पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जी-7 बैठक के इतर रूबियो से मुलाकात की थी। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें दिल्ली विस्फोट भी शामिल था। जयशंकर ने कहा था, 'दिल्ली विस्फोट में जान गंवाने वालों पर संवेदना के लिए उनका आभार। द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की, खासकर व्यापार और सप्लाई चेन पर। यूक्रेन संघर्ष, मध्य पूर्व/पश्चिम एशिया और इंडो-पेसिफिक पर विचार साझा किए।' उन्होंने बताया था कि राजधानी हाई अलर्ट पर है और आतंकी कनेक्शन की जांच चल रही है। इस हफ्ते की शुरुआत में अमेरिका ने कहा था कि वह दिल्ली की स्थिति पर नजर रख रहा है और जरूरत पड़े तो मदद देगा। रूबियो का यह बयान जी7 के विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर एक मीडिया वार्ता के दौरान आया। यहां जब उनसे भारत में आतंकी हमले की घटना को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि जांच को लेकर भारत की तारीफ करनी होगी। वे काफी सधे और सतर्क रहे हैं। साथ ही उन्होंने पेशेवर तौर पर जांच की है। यह जांच अभी जारी है। यह साफ तौर पर एक आतंकी हमला था। यहां एक कार थी, जो खतरनाक विस्फोटकों से लदी थी और जिसमें ब्लास्ट ने कई लोगों की जान ले ली। उन्होंने आगे जोड़ा, 'मुझे लगता है कि वे जांच में काफी अच्छा काम कर रहे हैं और जब उनके पास तथ्य होंगे, तब वे तथ्यों को सामने भी रखेंगे।' अमेरिकी विदेश मंत्री ने बताया कि उन्होंने इसे लेकर भारत के अपने समकक्ष एस. जयशंकर से भी बात की। उन्होंने कहा कि हमने मदद की पेशकश की, लेकिन भारत अपने आप में जांच को संभालने में काफी सक्षम है और उसे मदद की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, 'हमें इस घटना की गंभीरता का अंदाजा है और हमने इसके बढ़ने को लेकर बात भी की। हम इंतजार करेंगे कि जांच में क्या सामने आता है। हमने मदद की पेशकश की, लेकिन उन्हें इसकी जरूरत नहीं है। वे पहले ही बेहतर काम कर रहे हैं।' गौरतलब है कि जयशंकर और रूबियो के बीच कनाडा के ओंटारियो में जी7 बैठक के इतर मुलाकात हुई। चर्चा के दौरान रूबियो ने दिल्ली धमाके में मौतों को लेकर संवेदना जाहिर की। साथ ही दोनों देशों के रिश्तों पर भी चर्चा की।

रूस ने दक्षिणी यूक्रेन में अग्रिम मोर्चे पर तेज किए हमले, तीन बस्तियों पर कर लिया कब्जा

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के शीर्ष सैन्य कमांडर ने बुधवार को बताया कि रूस की सेना ने दक्षिणी जापोरिझिया क्षेत्र में तीन बस्तियों पर कब्जा कर लिया है। यह कदम उस समय उठाया गया है, जब रूसी सेना यूक्रेन के और अधिक इलाकों पर कब्जा करने के प्रयासों को बढ़ा रही है। जनरल ओलेक्जेंडर सिरस्की ने टेलीग्राम पर लिखा कि घने कोहरे की आड़ में रूसी सैनिक यूक्रेनी मोर्चों में घुसने में सफल रहे। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी सैनिक इन हमलों को रोकने के लिए 'कठिन लड़ाई' लड़ रहे हैं। हालांकि, उन्होंने बताया कि अभी भी पूर्वी डोनेत्स्क क्षेत्र के शहर पोकरोव्स्क में सबसे भीषण संघर्ष जारी है, जहां पिछले 24 घंटों में लगभग आधे मोर्चों पर झड़पें हुईं। यूक्रेन के पूर्वोत्तर खारकीव क्षेत्र के कुपियांस्क और लिमान शहरों में भी हाल के दिनों में संघर्ष तेज हुआ है। रूस ने लगभग चार साल पहले यूक्रेन पर अपना पूर्ण आक्रमण शुरू किया था और अब तक वह लगभग एक-पांचवां हिस्सा अपने कब्जे में ले चुका है। अमेरिका की ओर से रूस के तेल क्षेत्र पर नए प्रतिबंध 21 नवंबर से लागू होने वाले हैं। इन प्रतिबंधों का मकसद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर युद्धविराम स्वीकार करने के लिए दबाव बनाना है। प्रधानमंत्री यूलिया स्विरीदेंको ने बताया कि जांच के दायरे में आने के बाद न्याय मंत्री हरमन हालुशचेंको को बुधवार को निलंबित कर दिया गया है। तेल कंपनियों पर नए प्रतिबंधों से पुतिन पर दबाव अमेरिका ने रूस की सबसे बड़ी तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर नए प्रतिबंध लगाए गए हैं, जिससे पुतिन पर दबाव और बढ़ गया है।

कनाडा में मिले जयशंकर-रुबियो, मुलाकात के बाद भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से जुड़ी उम्मीद बढ़ी

टोरंटो, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर अभी कनाडा के दौरे पर हैं। जहां उन्होंने बुधवार को अपने अमेरिकी समकक्ष मार्को रुबियो से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच बातचीत का मुख्य विषय व्यापार और सप्लाई चेन से जुड़े मुद्दे रहे। यह बैठक कनाडा के नियाग्रा क्षेत्र में जी7 विदेश मंत्रियों की बैठक के मौके पर हुई। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि अमेरिका और भारत के बीच न्यायसंगत व्यापार समझौता लगभग तैयार है। साथ ही वह जल्द ही भारत पर लगाए गए उच्च शुल्क (टैरिफ) को कम करेंगे। पिछले कुछ महीनों में भारत-अमेरिका के रिश्तों में तनाव बढ़ा है, खासकर तब जब ट्रंप ने भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत तक का टैरिफ और रूसी तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया था। जयशंकर ने मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर लिखा कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से अच्छी बातचीत हुई। उन्होंने दिल्ली धमाके में मारे गए लोगों के लिए संवेदना जताई। हमने द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की, खासकर व्यापार और सप्लाई चेन पर। साथ ही यूक्रेन, मध्य पूर्व और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की स्थिति पर भी विचार साझा किए। यह जयशंकर और रुबियो की पिछले दो हफ्तों में दूसरी मुलाकात थी। इससे पहले दोनों ने 27 अक्तूबर को कुआलालंपुर (मलेशिया) में हुए आसियान सम्मेलन के दौरान बातचीत की थी। जानकारी के मुताबिक, दोनों देश व्यापार समझौते के पहले चरण को जल्द अंतिम रूप देने के करीब हैं। अब तक पांच दौर की बातचीत हो चुकी है और ज्यादातर मुद्दों पर दोनों पक्षों में सहमति बन चुकी है। गौरतलब है कि इससे पहले टैरिफ को लेकर ट्रंप ने सोमवार को कहा था कि हम भारत के साथ एक नया और बेहतर व्यापार समझौता कर रहे हैं। अभी उन्हें हम पसंद नहीं हैं, लेकिन जल्द ही वे हमें पसंद करने लगेंगे। भारत के एक अधिकारी के मुताबिक, दोनों देश समझौते की भाषा और शर्तों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में हैं और जल्द ही इसकी घोषणा की जा सकती है। इसके साथ ही विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जी7 विदेश मंत्रियों की बैठक के अवसर पर यूक्रेन और सऊदी अरब के विदेश मंत्रियों से अलग-अलग बैठकें कीं।

फेंटानिल से जुड़े 13 रसायन चीन में प्रतिबंधित

काश पटेल बोले- राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व की कामयाबी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच हुई अहम बातचीत के बाद एक ऐतिहासिक फैसला सामने आया है। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई के डायरेक्टर काश पटेल ने बताया कि चीन ने फेंटानिल नाम के घातक ड्रग बनाने में इस्तेमाल होने वाले 13 रासायनिक तत्वों को अब आधिकारिक रूप से प्रतिबंधित सूची में डाल दिया है। साथ ही, चीन ने ऐसे 7 रासायनिक कारखानों पर भी नियंत्रण लगाने का फैसला किया है, जो अब तक इस ड्रग के निर्माण में भूमिका निभा रहे थे।

हजारों अमेरिकियों की बचेगी जान- पटेल: काश पटेल ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा, 'अब चीन ने पूरी तरह से कदम उठाया है। फेंटानिल बनाने वाले सभी 13 केमिकल्स को सूचीबद्ध कर दिया गया है और 7 कंपनियों को भी नियंत्रण में लिया गया है। इस फैसले के बाद फेंटानिल का जो 'पाइपलाइन' चीन से मेक्सिको और दुनिया के दूसरे देशों तक पहुंचता था, वह अब बंद हो गया है।' काश पटेल ने कहा कि यह कदम हजारों अमेरिकियों की जान बचाएगा, क्योंकि फेंटानिल अमेरिका में ओवरडोज से होने वाली मौतों का सबसे बड़ा कारण बन चुका था।

राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व की कामयाबी- काश पटेल: उन्होंने इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को दिया। 'यह सब राष्ट्रपति ट्रंप की मजबूत नेतृत्व क्षमता के बिना संभव नहीं था। उन्होंने अमेरिकी जनता की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। यह किसी भी राष्ट्रपति की तरफ से उठाया गया पहला और ऐतिहासिक कदम है जिससे फेंटानिल के संकट को रोका जा सकेगा।' उन्होंने ट्रंप प्रशासन, अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे), एफबीआई टीम और चीन में अमेरिकी राजदूत परड्यू की भी सराहना की, जिन्होंने जमीन पर बातचीत कर यह समझौता संभव किया।

राष्ट्रपति ट्रंप ने भी फैसले पर दी प्रतिक्रिया: यह घोषणा ठीक उस समय आई है जब हाल ही में राष्ट्रपति ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच मुलाकात हुई थी। उस बैठक के बाद ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर लिखा था, 'चीन ने साफ कहा है कि वह अमेरिका में फेंटानिल के प्रवाह को रोकने के लिए हमारे साथ मिलकर काम करेगा। वे फेंटानिल संकट को खत्म करने में मदद करेंगे।'

क्या है फेंटानिल?

फेंटानिल एक सिंथेटिक (कृत्रिम) ड्रग है जो बेहद शक्तिशाली होता है। यह मॉर्फिन से करीब 50 गुना ज्यादा असरदार होता है। इसकी थोड़ी सी मात्रा भी जानलेवा हो सकती है। अमेरिका में हर साल लाखों लोग फेंटानिल ओवरडोज से अपनी जान गंवाते हैं। वहीं इस मामले में विशेषज्ञों का कहना है कि अगर चीन अपने वादे पर कायम रहता है, तो फेंटानिल तस्करी पर बड़ा प्रहार होगा, खासकर उन मेक्सिकन गिरोहों पर जो अमेरिका में इसकी सप्लाई करते थे।

पाक में चलेगी आसिम मुनीर की मनमानी, शहबाज ने सुप्रीम कोर्ट से छीनी शक्ति

भड़के इमरान, आर्मी के हाथों में परमाणु कमांड

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की संसद ने बुधवार को एक ऐतिहासिक और विवादास्पद संवैधानिक संशोधन पारित किया जिसके तहत सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर को व्यापक नई शक्तियां मिलेंगी और सुप्रीम कोर्ट के अधिकार को सीमित कर दिया गया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस संशोधन के तहत जनरल आसिम मुनीर को 'चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस' नामक एक नए शीर्ष पद पर नियुक्त किया जाएगा। इस पद के माध्यम से उन्हें थलसेना, नौसेना और वायुसेना - तीनों सेनाओं की औपचारिक कमान मिल जाएगी। कानून यह भी सुनिश्चित करता है कि मुनीर अपने कार्यकाल के बाद भी रैंक बरकरार रखेंगे और उन्हें आजीवन कानूनी प्रतिरक्षा प्राप्त रहेगी।

यह संशोधन विधेयक संसद के निचले सदन में हंगामे के बीच दो-तिहाई बहुमत से पारित किया गया। कुल 234 वोट पक्ष में और केवल चार विरोध में पड़े। संसद सत्र में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, नवाज शरीफ और बिलावल भुट्टो जरदारी मौजूद थे। विधेयक अब राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की मंजूरी के लिए भेजा गया है, जिनके हस्ताक्षर की उम्मीद बुधवार रात तक की जा रही है।

इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने सत्र का बहिष्कार किया और विधेयक की प्रतियां फाड़कर विरोध जताया। पीटीआई अध्यक्ष गोहर अली खान ने आरोप लगाया कि सरकार एक और विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग बना रही है और कहा, 'इस संशोधन के पारित होने के बाद लोकतंत्र केवल नाम का रह जाएगा।'

विपक्षी गठबंधन तहरीक तहफ्फुज-ए-आइन-ए-पाकिस्तान ने इस संशोधन के खिलाफ जन आंदोलन का ऐलान किया था, लेकिन फिलहाल उसका विरोध संसद और सार्वजनिक बयानों तक सीमित है।

नए कानून के तहत राष्ट्रपति अब प्रधानमंत्री की सलाह पर सेना प्रमुख और चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस दोनों की नियुक्ति करेंगे। जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमिटी का पद नवंबर 2025 में समाप्त कर दिया जाएगा। सरकार को अब फील्ड मार्शल, मार्शल ऑफ द एयर फोर्स और एडमिरल ऑफ द फ्लीट जैसे आजीवन मानद सैन्य पद प्रदान करने की भी शक्ति होगी।

आसिम मुनीर की तारीफ में बिछे शहबाज

जहां एक तरफ बिल की कड़ी आलोचना हो रही है वहीं, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस संशोधन को राष्ट्रीय एकता की दिशा में एक कदम बताया है। शरीफ ने इस मौके पर आसिम मुनीर को देश का हीरो भी बताया। शरीफ ने कहा, 'इसमें क्या गलत है? देश अपने हीरो का सम्मान करते हैं। हम जानते हैं कि अपने नायकों के प्रति सम्मान कैसे दिखाया जाए।' 27वें संविधान संशोधन का एक बहुत खास हिस्सा है नेशनल स्ट्रैटजिक कमांड (एनएससी) का गठन। यह कमांड पाकिस्तान के परमाणु हथियारों और मिसाइल सिस्टम की निगरानी और नियंत्रण करेगी। अब तक यह जिम्मेदारी नेशनल कमांड अथॉरिटी के पास थी, जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते थे, लेकिन अब से एनएससी के पास इसकी जिम्मेदारी हो जाएगी। एनएससी का कमांडर भले ही प्रधानमंत्री की मंजूरी से नियुक्त होगा, लेकिन यह नियुक्ति सेना प्रमुख की सिफारिश पर ही होगी। सबसे जरूरी यह पद सिर्फ आर्मी के अफसर को ही दिया जाएगा। इससे देश के परमाणु हथियारों का नियंत्रण अब पूरी तरह सेना के हाथ में चला जाएगा। इस बिल में आठ नए संशोधन जोड़े गए हैं, जो सीनेट के पहले मंजूर संस्करण का हिस्सा नहीं थे।

बांग्लादेश में फिर भड़की हिंसा

जगह-जगह धमाके

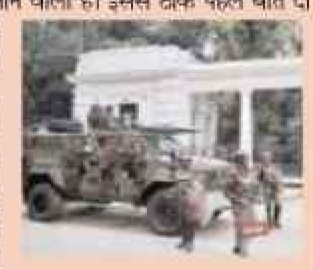

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को लेकर वहां की अदालत फैसला सुनाने वाली है। इससे ठीक पहले बीते दो दिनों से देश में आगजनी और क्रूड बम हमलों से तनाव का माहौल है। इन हिंसक घटनाओं ने 2024 के अशांत छात्र विरोध प्रदर्शनों की यादें ताजा कर दी हैं, जिनमें 500 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। गुरुवार को बांग्लादेश की राजधानी ढाका एक किले में तब्दील हो गई है, क्योंकि शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग ने 'ढाका लॉकडाउन' का आह्वान किया है। पुलिस और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश को बड़ी संख्या में तैनात किया गया है। ढाका के प्रवेश बिंदुओं पर कई चौकियां स्थापित की गई हैं और सार्वजनिक वाहनों की गहनता से जांच की जा रही है।

सुरक्षा व्यवस्था अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के आसपास भी कड़ी कर दी गई है। आपको बता दें कि यही अदालत शेख हसीना और उनके शीर्ष सहयोगियों के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर फैसला सुनाने की तारीख तय करेगा। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पिछले साल अगस्त में भारत में शरण लेने आई थीं। उनपर हत्या और साजिश सहित दर्जनों आरोप हैं। राजनीतिक तनाव ने ढाका में जनजीवन ठप कर दिया है और आगजनी तथा क्रूड बम हमलों की घटनाएं राजधानी से बाहर गाजीपुर और ब्राह्मणबारिया जैसे शहरों तक फैल गई हैं। 'द डेली स्टार' की एक रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने हिंसा के लिए अवामी लीग समर्थकों को जिम्मेदार ठहराया है। ब्राह्मणबारिया में ग्रामीण बैंक की एक शाखा को आग लगा दी गई, जिससे फर्नीचर और दस्तावेज पूरी तरह नष्ट हो गए। आपको बता दें कि बांग्लादेश के इस ग्रामीण बैंक की स्थापना मुहम्मद यूनुस ने 1983 में गरीबों को माइक्रो-क्रेडिट (सूक्ष्म ऋण) प्रदान करने के लिए की थी। यूनुस वर्तमान में बांग्लादेश के अंतरिम प्रमुख हैं।

बलूचिस्तान में बगावत की आग भड़कने से दहशत में पाकिस्तान, लगाया इंटरनेट पर बैन

कराची, एजेंसी। बलूचिस्तान के अधिकारियों ने जानकारी देते हुए कहा कि सेवाओं पर प्रतिबंध लगाने का ये फैसला प्रांत में सुरक्षा अलर्ट और मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए लिया गया है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में गृहयुद्ध जैसे हालात गहराते जा रहे हैं। पाकिस्तानी सेना की ओर से आम नागरिकों की हत्याओं और बलोच नेताओं के अपहरण की घटनाओं के बीच बलूचिस्तान में मोबाइल इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। गृह मंत्रालय की ओर से जारी सुरक्षा अलर्ट के बाद राजधानी क्वेटा को छोड़कर पूरे बलूचिस्तान प्रांत में इंटरनेट बैन लगा दिया गया है। बलूचिस्तान प्रांत की सरकार के गृह विभाग की ओर से बुधवार (12 नवंबर, 2025) को जारी अलर्ट के बाद 16 नवंबर, 2025 तक के लिए मोबाइल इंटरनेट को बैन कर दिया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग एन-70 के लोरलाई खंड तक गाड़ियों की आवाजाही पर भी रोक लगा दी गई है। ये रोक 14 नवंबर तक जारी रहेगी। अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि सेवाओं पर प्रतिबंध लगाने का ये फैसला प्रांत में सुरक्षा अलर्ट और मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए लिया गया है। अधिकारियों ने ये भी एलान किया कि क्वेटा के कैंटोनमेंट इलाके के सारे स्कूल सुरक्षा कारणों से 16 नवंबर तक बंद रहेंगे।

म्यांमार की वायुसेना में रूस और चीन के विमान-हेलिकॉप्टर्स हुए शामिल, अब अभियान तेज करेगी सेना?

बैंकॉक, एजेंसी। म्यांमार ने अपनी वायुसेना में रूस के हेलिकॉप्टर और चीन के विमान शामिल किए हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब ये दोनों देश अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद म्यांमार के सैन्य शासन को हथियार और उपकरण मुहैया करा रहे हैं, ताकि देश में जारी खूनी गृहयुद्ध को समाप्त किया जा सके।

प्रतिबंधों के बावजूद हथियार मुहैया करा रहे चीन-रूस: अमेरिका, यूरोपीय संघ और अन्य देशों ने म्यांमार पर प्रतिबंध लगाए हैं, जिनमें हथियारों की बिक्री पर रोक भी शामिल है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, रूस और चीन लगातार म्यांमार की सेना को सैकड़ों मिलियन डॉलर मूल्य के हथियार और उपकरण दे रहे हैं। सीमा सुरक्षा सुनिश्चित करने की क्षमता बढ़ाएंगे विमान-हेलिकॉप्टर्स: सेना की ओर से जारी तस्वीरों में तीन रूसी एमआई-38टी हेलिकॉप्टर और दो चीनी वाई-8 विमान दिखाए गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इनका इस्तेमाल पर्वतीय इलाकों में सैनिकों को भेजने के अभियानों में किया जाएगा। सेना ने कहा कि परिवहन विमान म्यांमार की वायु सीमा की सुरक्षा सुनिश्चित करने की क्षमता बढ़ाएगा। इन विमानों को सात नवंबर को राजधानी नेपीडॉ में आयोजित एक समारोह में शामिल किया गया। म्यांमार के शीर्ष सैन्य शासक जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने कहा, मौजूदा अंतरराष्ट्रीय संघर्ष और आंतरिक हालात स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि सभी प्रकार के विमानों की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है। सिंगापुर स्थित अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक अध्ययन संस्थान (आईआईएसएस) के विश्लेषक मॉर्गन माइकल्स ने कहा, रूस से मिल रहे नए हेलिकॉप्टर्स और विमानों की आपूर्ति दिखाती है कि आर्थिक और कूटनीतिक दबावों के बावजूद म्यांमार की सेना अब भी जरूरी उपकरण हासिल कर रही है और रूस इसके लिए जीवनरेखा बना हुआ है। रक्षा खुफिया कंपनी 'जेंस' के मुताबिक, म्यांमार रूस के निर्यात का पहला ज्ञात ग्राहक है जिसने एमआई-38टी हेलिकॉप्टर खरीदे हैं।

'भारत विकास के सफर का साथी': बोत्सवाना की संसद में मुर्मू का संबोधन

दोनों देशों की साझेदारी को बताया मजबूत

गबोरोने, एजेंसी। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को बोत्सवाना की राष्ट्रीय विधानसभा (नेशनल असेंबली) को संबोधित किया। संसद पहुंचने पर उनका स्वागत स्पीकर दिथापेलो एल केओरापेत्से, डिप्टी स्पीकर और विपक्ष के नेता ने किया। अपने संबोधन में मुर्मू ने बोत्सवाना की स्वतंत्रता के बाद की प्रगति की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत बोत्सवाना के विकास सफर में शुरू से ही उसका विश्वसनीय साझेदार रहा है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद बोत्सवाना के मेहनती लोगों और दूरदर्शी नेताओं ने शांति, स्थिरता और समावेशी विकास के लिए समर्पित एक मजबूत राष्ट्र बनाया है। मुर्मू ने कहा कि भारत को गर्व है कि उसने बोत्सवाना की राष्ट्र-निर्माण यात्रा में प्रारंभिक सहयोगी के रूप में भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि भारत और बोत्सवाना के बीच सहयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीक, कृषि, रक्षा, व्यापार और निवेश जैसे कई क्षेत्रों में फैला है।

बता दें कि यह राष्ट्रपति मुर्मू की बोत्सवाना की पहली राजकीय यात्रा है। उन्होंने राष्ट्रपति दुमा बोको से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात कर कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। दोनों देशों ने आर्थिक सहयोग बढ़ाने, रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने और व्यापारिक संबंधों को नई दिशा देने पर सहमति जताई। राष्ट्रपति मुर्मू ने बताया कि आज सुबह राष्ट्रपति बोको के साथ बहुत सार्थक बातचीत हुई। हमने द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। दोनों देशों ने लोकतांत्रिक मूल्यों और परस्पर सम्मान पर आधारित अपने गहरे संबंधों को दोहराया। उन्होंने कहा कि भारत और बोत्सवाना के बीच एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं, जिससे बोत्सवाना के नागरिकों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण भारतीय दवाएं आसानी से मिल सकेंगी। साथ ही भारत बोत्सवाना को जरूरी एआरवी दवाएं भेजेगा।

बोत्सवाना लोकतंत्र और सुशासन का चमकता उदाहरण- मुर्मू: राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने संबोधन में कहा कि बोत्सवाना लोकतंत्र, सुशासन और प्रभावी नेतृत्व का चमकता उदाहरण है। उन्होंने कहा कि यह इस बात का प्रमाण है कि जब लोकतंत्र आम लोगों के कल्याण के लिए काम करता है और राष्ट्रीय संसाधनों का उपयोग सभी के विकास के लिए किया जाता है, तब एक देश सशक्त बनता है। उन्होंने कहा कि भारत और बोत्सवाना के रिश्ते आपसी भरोसे, सम्मान और लोकतंत्र के साझा मूल्यों पर आधारित हैं। दोनों देशों की दोस्ती न केवल उनके अतीत से मजबूत हुई है, बल्कि भविष्य के उज्ज्वल वादों पर भी टिकी है। मुर्मू ने बताया कि भारत-बोत्सवाना सहयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीक, कृषि, रक्षा, व्यापार और निवेश जैसे कई क्षेत्रों में फैला है। उन्होंने कहा कि भारत को गर्व है कि वह मानव संसाधन विकास और क्षमता निर्माण में बोत्सवाना का प्रमुख सहयोगी रहा है। पिछले एक दशक में 1,000 से ज्यादा बोत्सवाना के युवाओं ने भारत में पढ़ाई और प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उन्होंने युवाओं पर जोर देते हुए कहा कि आज के युवाओं को शिक्षा के साथ-साथ रोजगार और उद्यम के अवसर देने की जरूरत है। इसके लिए मजबूत और पर्यावरण के अनुकूल आर्थिक विकास जरूरी है। मुर्मू ने यह भी बताया कि बोत्सवाना की अर्थव्यवस्था में भारतीय कंपनियों की भूमिका लगातार बढ़ रही है।

कम उम्र के 65 बच्चों की कुपोषण से मौत... बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को फटकारा

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट की टिप्पणियाँ महाराष्ट्र के अमरावती जिले के मेलघाट क्षेत्र में बच्चों में कुपोषण के गंभीर संकट को उजागर करती हैं। महाराष्ट्र का आदिवासी बहुल मेलघाट क्षेत्र (अमरावती जिला)। जून और नवंबर 2025 के बीच, छह महीने में कम उम्र के 65 बच्चों की कुपोषण के कारण मृत्यु हो गई है। बॉम्बे हाईकोर्ट (न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति संदेश पाटिल की खंडपीठ) ने इसे भयावह बताते हुए राज्य सरकार की प्रतिक्रिया को बेहद लापरवाह और असंवेदनशील कहा है। अदालत ने जोर देकर कहा कि सरकारी विभागों को 2006 से इस मुद्दे पर आदेश मिल रहे हैं, लेकिन ज़मीनी हालात में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। हाईकोर्ट ने ज़ोर दिया कि यह आँकड़ों का नहीं बल्कि मानवीय अस्तित्व और करुणा का मामला है, जो जीवन और सम्मान के मौलिक अधिकार से जुड़ा है। अदालत ने लोक स्वास्थ्य, आदिवासी विकास, महिला एवं बाल कल्याण और वित्त विभागों के प्रमुख सचिवों को 24 नवंबर को व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होने और विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। यह दर्शाता है कि बच्चों के स्वास्थ्य और कल्याण से जुड़े इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर राज्य सरकार के प्रयासों की कमी को लेकर न्यायपालिका कितनी चिंतित है।

दिल्ली धमाका, देश में अशांति फैलाने की यह एक घृणित साजिश : शाही इमाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में लाल किले के पास हुए ब्लास्ट मामले की शाही इमाम मौलाना सैयद अहमद बुखारी ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने घटना पर गहरा दुख जाहिर करते कहा कि देश में अशांति फैलाने की यह एक घृणित साजिश है जिसे समाज के हर तबके को मिलकर नाकाम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमला देश की एकता और अखंडता पर प्रहार है। उन्होंने कहा कि भारत के सभी नागरिकों को, चाहे वे किसी भी धर्म या समुदाय से हों, एकजुट होकर इस तरह की हिंसक घटनाओं के खिलाफ खड़ा होना चाहिए। इमाम ने कहा कि देश के मुसलमान भारतीय हैं और कश्मीरियों, सिख भाइयों तथा अन्य समुदायों के साथ मिलकर आतंकवाद के विरुद्ध हैं। उन्होंने कहा कि कार्रवाई हो इसपर और इंसाफ होता हुए भी दिखे। उन्होंने कहा कि घटना से देश में भय फैलाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन हमें अपने देश की सुरक्षा और अमन बनाए रखने के लिए एकजुट रहना होगा। शाही इमाम ने प्रधानमंत्री मोदी से अपील की कि आतंकवादी हमले की पूरी तरह से जांच कराए और इसके पीछे मौजूद अपराधियों को सख्त से सख्त सज़ा दी जाए।

जीएसटी चोरी पकड़ने गई टीम पर हमला, कार को ट्रक से मारी टक्कर, सबूत भी छीन कर भागे

जोधपुर (एजेंसी)। जोधपुर के बासनी औद्योगिक क्षेत्र में जीएसटी चोरी के नेटवर्क पर छापा मारने गई डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस (डीजीजीआई) की टीम पर हमला हो गया। आरोपियों ने सरकारी गाड़ी को ट्रक से टक्कर मार दी और सबूत के तौर पर जब्त किए गए दो सीपीयू छीनकर भाग गए। पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। बासनी थाना अधिकारी नितिन दवे के अनुसार, गुरुवार सुबह करीब 7-15 बजे जयपुर से आई डीजीजीआई टीम बिश्नोई रोड लाइंस नामक ट्रांसपोर्ट कंपनी के कार्यालय पर पहुंची थी। ऑफिस बंद था, तभी सुनील बिश्नोई नामक व्यक्ति आया और ताला खोलने के बाद सीपीयू ले जाने लगा। टीम ने उसे रोकने की कोशिश की तो पुखराज खावा और उसके साथियों ने धक्का-मुक्की व हाथापाई की। आरोपियों ने टीम से दोनों सीपीयू छीन लिए, एक को कार में रखकर साथी भगा ले गया और दूसरा ट्रक में रख लिया। भागते समय ट्रक ने टीम की सरकारी गाड़ी को टक्कर मार दी, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। सूत्रों के अनुसार, इन सीपीयू में फर्जी बिलिंग और जीएसटी चोरी से जुड़े अहम डेटा हो सकते हैं। डीजीजीआई की टीम स्टील इंडस्ट्री और ट्रांसपोर्ट सेक्टर में करोड़ों की कर चोरी के एक नेटवर्क पर कार्रवाई करने पहुंची थी। बताया जा रहा है कि आरोपी फर्जी बिल्टी और बोगस बिलिंग के जरिए टैक्स चोरी कर रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं ताकि कार और ट्रक के नंबर व हमलावरों की पहचान की जा सके। गिरफ्तार सुनील बिश्नोई से पूछताछ जारी है।

पुणे जिले में तेंदुए ने बाइक पर जा रहे किसान पर हमला किया

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे जिले में हुई चौंकाने वाली घटना में एक तेंदुए ने बाइक पर जा रहे किसान पर हमला कर दिया। पुणे जिले के जुन्नर तालुका का ओतूर इलाका, नगर कल्याण राजमार्ग पर अहिनवेवाड़ी फाटा के पास ये घटना हुई। नीलेश सीताराम डोके (35 वर्ष), जो कि एक किसान, अपनी मोटरसाइकिल पर खाद की बोरी लेकर घर लौट रहा था। तभी सड़क किनारे झाड़ियों में छिपे तेंदुए ने अचानक पीछे से झपट्टा मारा और किसान को गिरा दिया। नीलेश बाइक समेत सड़क पर गिर गए और उनके सिर में गंभीर चोट आई। वह बाइक के साथ दूर तक घिसटते चले गए। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है और अब वायरल हो रही है। उन्हें पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत पहले गंभीर थी, लेकिन डॉक्टरों के मुताबिक अब स्थिर है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेंदुआ हमले के बाद डरकर भाग गया और पास के जंगल की ओर चला गया। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से तेंदुए की मौजूदगी देखी जा रही थी, लेकिन वन विभाग ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। प्रशासन की कार्रवाई: ओतूर पुलिस और वन विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और निरीक्षण किया। आसपास के इलाकों में सर्च अभियान शुरू किया गया है। वन विभाग ने लोगों से रात में अकेले खेतों या सुनसान रास्तों पर न जाने और सतर्क रहने की अपील की है। स्थानीय प्रशासन ने कैमरा ट्रैप लगाने और वन्यजीव निगरानी बढ़ाने की योजना बनाई है।

छोटे शहरों को हवाई नेटवर्क से जोड़ने की नई योजना

नईदिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार छोटे और बंद पड़े हवाई अड्डों पर पुन: उड़ान शुरू करने के लिए नई योजना तैयार की है। केंद्र सरकार ने उन हवाई अड्डों के ऊपर विशेष ध्यान दिया है जहां ट्रैफिक नहीं होने के कारण एयरलाइन कंपनियां हवाई यात्रा शुरू करने के बाद बंद कर देती है।

दिल्ली विस्फोट पर पवन खेड़ा का गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला, पूछा- 2900 किलो विस्फोटक कैसे पहुंचा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने गुरुवार को 10 नवंबर को दिल्ली में हुए विस्फोट को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की आलोचना की। इस विस्फोट में 12 नागरिक मारे गए थे। उन्होंने सवाल किया कि 2,900 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री राष्ट्रीय राजधानी से सिर्फ 20 किलोमीटर दूर फरीदाबाद कैसे पहुँची? खेड़ा ने संवाददाताओं से कहा, "हैरानी की बात है कि इस घटना के 48 घंटे बाद, कैबिनेट ने स्वीकार किया कि यह एक आतंकवादी घटना थी। यह गंभीर सवाल खड़े करता है।

पवन खेड़ा ने सवाल किया कि इतनी सारी सुरक्षा एजेंसियों हैं, (केंद्रीय गृह मंत्री) अमित शाह हैं, (राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार) अजीत डोभाल हैं... जो कहते हैं कि हमारी सतर्क नज़र हमेशा बनी रहती है। फिर भी, 2,900 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री फरीदाबाद कैसे पहुँच गई? पवन खेड़ा ने कहा कि पुलवामा हमले को लेकर हम लगातार सवाल पूछते रहे कि आरडीएक्स वहाँ कैसे पहुँचा, और इसका जवाब आज तक नहीं मिला। अब, राजधानी दिल्ली से सिर्फ 20 किलोमीटर दूर 2,900 किलोग्राम विस्फोटक पहुँच गया है; सवाल यह है कि यह कैसे पहुँचा? फिर, लाल किले के पास हुए विस्फोट में जानें जाती हैं, लोग घायल होते हैं; आखिर इसकी जिम्मेदारी कौन ले रहा है? ये पूरे देश का सवाल है, और हम कहते रहे हैं कि सरकार सख्त कदम उठाए; हम उनके साथ हैं। दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार विस्फोट स्थल पर विस्तृत जाँच चल रही है, दिल्ली पुलिस और अन्य केंद्रीय एजेंसियों के कर्मी गुरुवार को संयुक्त रूप से जाँच कर रहे हैं। अब तक, लाल किले के पास हुए विस्फोट के लिए कथित तौर पर जिम्मेदार कुल आठ लोगों में एक महिला सहित कम से कम तीन डॉक्टर शामिल हैं। आरोपी डॉ. उमर नबी की पहचान उस हुंडई i20 कार के चालक के रूप में भी हुई है जिससे विस्फोट हुआ था।

तीनों डॉक्टर फिलहाल गिरफ्तार हैं, जबकि डॉ. उमर की कार विस्फोट में मौत हो गई। अधिकारियों ने कहा है कि गिरफ्तार किए गए सभी लोग हाल ही में ध्वस्त हुए एक 'अंतरराष्ट्रीय आतंकी मॉड्यूल' का हिस्सा हैं, जिसमें डॉक्टर, मौलवी और व्यवसायी समेत कई पेशेवर लोग शामिल हैं। प्रारंभिक जाँच के अनुसार, अधिकारियों ने कहा है कि यह विस्फोट संभवतः कई जगहों पर हमले करने की एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा था। लाल किले पर i20 में हुए विस्फोट के बाद अधिकारियों ने एक इकोस्पोर्ट और एक ब्रेज़ा सहित कई वाहनों को जब्त कर लिया है, और अन्य वाहनों की तलाश जारी है।

रोहतास जिले में ईवीएम की सुरक्षा को लेकर राजद का हंगामा... डीएम ने किया खंडन

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) द्वारा रोहतास जिले में ईवीएम (ईवीएम) को मतगणना केंद्र के अंदर घुसपैठ से ले जाने के आरोप और जिलाधिकारी द्वारा इसका खंडन किया गया है। राजद कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने आरोप लगाया कि प्रशासन बिना किसी पूर्व सूचना के इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को सासाराम विधानसभा क्षेत्र के तकिया बाजार समिति परिसर स्थित वज्र गृह मतगणना केंद्र के अंदर ले जा रहा था। इस आरोप के बाद, बुधवार देर रात राजद कार्यकर्ता और समर्थक मतगणना केंद्र के बाहर विरोध प्रदर्शन करने और बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) और भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) से स्पष्टीकरण की मांग करने के लिए एकत्र हुए। इसके बाद रोहतास की जिलाधिकारी उदिता सिंह ने राजद के दावे का खंडन किया। उन्होंने कहा कि ट्रक में खाली स्टील के बक्से थे, न कि ईवीएम मशीन थी। डीएम ने बताया कि उन्हें सूचना मिलने के बाद, उन्होंने जाँच में पाया कि ट्रक शाम 7:59 बजे बाजार समिति में घुसा था और उसकी प्रविष्टि लॉगबुक में दर्ज थी, जिसमें लिखा था कि ट्रक खाली बक्सों से भरा था। ट्रक की जाँच मौजूद सभी उम्मीदवारों और उनके समर्थकों की मौजूदगी में की गई। हर बक्सा निकाला गया और सभी बक्से खाली पाए गए। जाँच के बाद, सभी बक्सों को वापस ट्रक में लोड कर दिया गया। जिलाधिकारी उदिता सिंह ने 14 नवंबर को होने वाली मतगणना से पहले सभी से अफ़वाहें न फैलाने का आग्रह किया। रोहतास के एसपी रौशन कुमार ने बताया कि सुरक्षा के 3 स्तर हैं, जिसमें पुलिस, विशेष सशस्त्र पुलिस और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) शामिल हैं।

धामी सरकार के फैसले के बाद जागी, संविदा कर्मियों में नियमितीकरण की आस

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में संविदा, दैनिक वेतन, कार्यप्रभारित, नियत वेतन, अंशकालिक और तदर्थ रूप में कार्यरत कार्मिकों के नियमितीकरण से जुड़ा मामला है। 2008 के बाद से कार्यरत संविदा कर्मियों में नियमितीकरण की आस जगी है। कैबिनेट ने इसतरह के कार्मिकों के लिए कट-ऑफ डेट तय करने के लिए एक मंत्रिमंडल की समिति गठित करने का निर्णय लिया है। यह समिति विस्तृत अध्ययन के बाद अपनी रिपोर्ट कैबिनेट के समक्ष रखेगी।

पूर्व की नीतियाँ- 2013 तक पाँच वर्ष की सेवा पूरी करने वालों को नियमित करने का निर्णय लिया गया था, लेकिन कई विभाग समय से कार्रवाई नहीं कर पाए। 2016 तक पाँच वर्ष की सेवा पूरी करने वालों को नियमित करने का निर्णय लिया गया, लेकिन विवादों के कारण इसे रद्द कर दिया गया। कैबिनेट ने 2018 तक दस वर्ष की नियमित सेवा करने वालों को विनियमित करने का निर्णय लिया है। भविष्य के लिए कट-ऑफ डेट के संबंध में मंत्रिमंडल की उप-समिति गठित करने का निर्णय लिया गया है।

बता दें कि उत्तराखंड सरकार ने 2008 के बाद से कार्यरत संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण के लिए नई कट-ऑफ डेट और भविष्य की नीति तय करने के लिए एक मंत्रिमंडल उप-समिति गठित करने का निर्णय लिया है।

दिल्ली ब्लास्ट: घायलों से मिले पीएम मोदी तो आप नेता ने फोटो खिंचवाने का बताया मौका

बीजेपी का पलटवार, आप राजनीति के लिए और कितना नीचे गिर सकते हो

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) विधायक सौरभ भारद्वाज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधकर आरोप लगाया कि घायल पीड़ितों से मिलने के लिए अस्पताल का उनका दौरा महज एक फोटो खिंचवाने का मौका था, क्योंकि इस दौर के दौरान मरीजों को प्लास्टर की पोशाक दी गई थी। आप नेता भारद्वाज ने प्रधानमंत्री के दौरे और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के घायलों से मिलने की एक तस्वीर को हाईलाइट किया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री मोदी दोनों एक ही पीड़ित से मिले, आप नेता ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री के दौरे के समय मरीज को नई पोशाक और नया प्लास्टर लगाया गया था।

आप नेता भारद्वाज ने पोस्ट कर लिखा कि 11 नवंबर को मरीज से पहले सीएम रेखा गुप्ता मिलीं, अगले दिन उसी मरीज पीएम मोदी मिले। नए कॉस्ट्यूम्स, हाथ में नया प्लास्टर। वहीं, दिल्ली भाजपा ने आप नेता को जवाब देकर कहा कि आखिर ये आप राजनीति के लिए और कितना नीचे गिर सकते हो। हर बार सोचते है, अब इससे नीचे नहीं जा सकते लेकिन आप-दा गैंग फिर ये साबित कर देता है कि नीचता की कोई हद नहीं होती।

बीजेपी ने पोस्ट कर कहा कि अरे हारे हुए विधायक व पढ़े-लिखे अनपढ़ भारद्वाज, अगर जरा भी अक्ल बाकी हो, जान लो मुख्यमंत्री रेखा घटना के तुरंत बाद घायलों से मिलने पहुंची थीं। तब इलाज शुरू ही हुआ था, और रिपोर्ट्स आने में समय लगता है। पर आपको कहां समझ आएगा? असल में दोष आपका भी नहीं है, आप पासआउट हैं केजरीवाल स्कूल ऑफ मिसइन्फॉर्मेशन से पार्टी ने आगे लिखा कि जहां सच बोलना गुनाह और झूठ फैलाना हुनर माना जाता है। जनता अब सब समझ चुकी है। आप के लिए हर घटना पब्लिसिटी स्टंट बन जाती है, और हर पीड़ित इंसान आप की घटिया राजनीतिक रोटियां सेंकने का जरिया।

राजस्थान की दो महिला नेताओं को प्रियंका गांधी वाड्रा ने दी खास जिम्मेदारी... सियासी चर्चा तेज

संजना जाटव रेहाना रियाज चिश्ती

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की दो महिला नेता सांसद संजना जाटव और रेहाना रियाज को पार्टी हाई कमान ने बड़ी जिम्मेदारी दी है। इस लेकर राजस्थान की सियासत में काफी चर्चा है। सांसद जाटव को मध्यप्रदेश प्रभारी और रेहाना को महाराष्ट्र प्रभारी बनाने के पीछे कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की बड़ी भूमिका सामने आ रही है। इसके पीछे चर्चा है, कि प्रियंका गांधी वाड्रा को शुरू से ही राजस्थान काफी रास आता रहा है। प्रियंका संगठन में महिलाओं और युवाओं को प्राथमिकता देने की पक्षधर रही है।

बता दें कि संजना सबसे कम उम्र 25 साल में धौलपुर-भरतपुर की लोकसभा सांसद चुनी गई। उन्होंने कांग्रेस के दिग्गज सचिन पायलट का यह रिकॉर्ड तोड़ा है। संजना के कम उम्र में सांसद बनने और कांग्रेस में बड़ी जिम्मेदारी मिलने को लेकर सियासी गलियारों में चर्चा का विषय है। इसके पीछे सचिन और प्रियंका गांधी का वरदहस्त माना जा रहा है। बता दें कि लोकसभा चुनाव में संजना के टिकट को लेकर सचिन पायलट की बड़ी भूमिका मानी गई। उनके ही प्रयास के चलते संजना को लोकसभा में टिकट मिला और चुनाव जीती। चर्चा यह भी रही कि सचिन ने ही प्रियंका गांधी वाड्रा से संजना जाटव की मुलाकात कराई थी। माना जा रहा है कि तभी से संजना जाटव प्रियंका गांधी की नजरों में थी। इस समीकरणों को देखते हुए उन्हें हाल ही में मिली मध्य प्रदेश प्रभारी की जिम्मेदारी से जोड़कर देखा गया है।

महाराष्ट्र कांग्रेस प्रभारी के तौर पर राजस्थान कांग्रेस की महिला नेता रेहाना चिश्ती को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके पहले रेहाना रियाज गहलोत सरकार में महिला आयोग की अध्यक्ष रह चुकी है। वह मूल रूप से केरल निवासी हैं। जिन्होंने चूरू में शादी की थी। रेहाना लंबे समय से प्रदेश संगठन में पदाधिकारी रह चुकी है और उन्हें वेणुगोपाल के करीबी में माना जाता है। इसी को लेकर सियासी गलियारों में चर्चा है कि वेणुगोपाल और प्रियंका गांधी के प्रयास के चलते ही उन्हें यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है, क्योंकि प्रियंका गांधी महिला नेताओं को आगे लाने के लिए सक्रिय रहती हैं।

बता दें कि प्रियंका गांधी राजस्थान में कई बार रणथम्भौर विजिट के लिए आती रहती है। इस बीच उन्होंने कई बार राजस्थान की युवा और महिला नेताओं से कोऑर्डिनेशन किया है। बता दें कि प्रियंका गांधी संगठन में युवाओं और महिलाओं को आगे लाने के लिए सक्रिय रही है।

कार विस्फोट में रिक्शा चालक की मौत, परिवार ने सरकार से लगाई मदद की गुहार

-छोटे-छोटे बच्चों के रुक नहीं रहे आंसू, मुआवजे की राशि देने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। लाल किला के पास हुए कार विस्फोट में मोहसिन की भी मौत हो गई। वह अपने पीछे पत्नी और दो बच्चों को छोड़ गए है। बच्चों के पिता की याद में आंसू नहीं रुक रहे है वह अपने पापा को याद कर रहे है। उन्होंने दिल्ली और केंद्र सरकार से गुहार लगाई है कि इस घटना को अंजाम देने वाले दोषियों को सख्त सजा दी जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना न हो।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मोहसिन के बच्चों ने कहा कि पिता के जाने के बाद हम अकेले पड़ गए है। सरकार हमारे भविष्य को लेकर कुछ सोचे। मोहसिन के भाई नदीम ने बताया कि उनका बड़ा भाई मोहसिन अब इस दुनिया में नहीं रहा। वह करीब 35-36 साल का था। विस्फोट में उसकी मौत हो गई। नदीम ने बताया कि विस्फोट के बाद उसने भाई को घंटों ढूंढा, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। उनका नाम पीड़ितों की शुरुआती सूची में भी नहीं था। वह ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनके दो बच्चे हैं। वे किराए के मकान में रहते है और हमें सरकार से कोई सहायता नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि मोहसिन का पूरा शरीर जल गया था। केवल उनका चेहरा ही पहचाना जा सका, जिससे हम शव की शिनाख्त कर पाए। मोहसिन के बहनोई ने बताया कि जब विस्फोट के बारे में पता चला, तब वह अहमदाबाद में थे। मोहसिन के बच्चे बहुत छोटे है। परिवार दिल्ली में किराए के मकान में रह रहा था। सरकार ने घोषणाएं की है, लेकिन हमें अभी तक कोई मदद नहीं मिली है। हम चाहते हैं कि सरकार मोहसिन के परिवार का ध्यान रखे और मुआवजे की राशि दे। मोहसिन की भाभी ने कहा कि इतनी बड़ी घटना हो गई। हमारे परिवार ने एक सदस्य को खो दिया। इस घटना में शामिल दोषियों को सजा मिलनी चाहिए। मोहसिन के परिवार को भी न्याय चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को इस पूरे मामले की गहनता से जांच करनी चाहिए, ताकि दोषियों को सजा मिल सके।

धर्मेंद्र अस्पताल से घर आए खुशी है पर, बच्चों की रातों की नींद उड़ गई: हेमा मालिनी

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता धर्मेंद्र 11 दिन तक अस्पताल में रहने के बाद घर पहुंच गए है। उनका वहीं इलाज चल रहा है। घर पहुंचने की इस खबर ने लोगों के चेहरे पर खुशी ला दी। लेकिन अभी धर्मेंद्र पूरी तरह ठीक नहीं हैं। धरम पाजी की सेहत को लेकर उनके परिवार और डॉक्टर दोनों ने शेयर की। हेमा मालिनी धर्मेंद्र को लेकर एक भावुक बयान दिया है। हेमा मालिनी ने अपनी भावनाएं साझा की। हेमा ने कहा- 'यह मेरे लिए आसान समय नहीं रहा। धरम जी की सेहत हमारे लिए बड़ी चिंता का विषय है। उनके बच्चों की रातों की नींद उड़ी हुई है। ऐसे कठिन में मैं कमजोर नहीं पड़ सकती, क्योंकि मेरे ऊपर कई जिम्मेदारियां हैं। लेकिन हां, मैं खुश हूं कि वे घर लौट आए हैं। हम राहत महसूस कर रहे है कि वे अस्पताल से बाहर हैं। इस समय उन्हें उन लोगों के बीच रहना चाहिए, जिन्हें वे प्यार करते हैं। बाकी तो सब ऊपर वाले के हाथ में है। कृपया हमारे लिए प्रार्थना कीजिए।

डॉ प्रतित समदानी ने बताया था कि 89 साल के धर्मेंद्र को डिस्चार्ज किया गया है और अब उनका इलाज और रिकवरी घर पर ही चलेगी। हेमा मालिनी ने इस मुश्किल वक्त पर अपनी भावनाओं को शेयर किया। उन्होंने ही-मैन का हेल्थ अपडेट के साथ घरवालों का हाल भी बताया। धर्मेंद्र अस्पताल में जब तक भर्ती रहे। तब तक पूरा देओल परिवार एक दिखा। सनी-बॉबी से लेकर ईशा और हेमा मालिनी सभी अस्पताल में उनके लिए आते-जाते नजर आए। 11 दिनों के बाद अब धरम पाजी घर पहुंच गए हैं। उनके घर पहुंचने के बाद जहां रिश्तेदारों और सिनेमा इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का आना जाना लगा है।

जेल से आते ही पार्थ चटर्जी ने कबूला अर्पिता से 'खास रिश्ता', कहा- टीएमसी में और कई हैं ऐसे, दीदीमोनी को भी है पता

कोलकाता (एजेंसी)। तीन साल बाद जमानत पर रिहा हुए पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी (73) ने यह स्वीकार करके राज खोल दिया है कि मामले की सह-आरोपी अर्पिता मुखर्जी उनकी प्रेमिका थी। उन्होंने आगे दावा किया कि बंगाल में कई वरिष्ठ नेताओं और मंत्रियों की अपनी शादी के बाहर रंगीन रोमांटिक जिंदगी है और यहाँ तक कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भी इसकी जानकारी है। सरकार उस समय शर्मसार हो गई थी जब प्रवर्तन निदेशालय ने अर्पिता के फ्लैटों से 50 करोड़ रुपये बरामद किए थे, जिसके बाद घोटाले के सिलसिले में अर्पिता और पार्थ दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया था। सेक्स टॉयज की बरामदगी भी अफवाहों का बाजार गर्म करने वाली रही। जेल से रिहा होने के बाद एक मीडिया चैनल को दिए गए एक विस्फोटक साक्षात्कार में, ममता बनर्जी के पूर्व करीबी सहयोगी ने स्वीकार किया कि अर्पिता उनकी प्रेमिका है और सवाल किया कि 33 साल की प्रेमिका होने में क्या गलत है, जब तृणमूल कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेता, विवाहित होने के बावजूद, दो से अधिक प्रेमिकाएँ रखते है। सोवन चटर्जी और तृणमूल कांग्रेस के सांसद सौगत रॉय जैसे वरिष्ठ नेताओं की ओर इशारा करते हुए पार्थ ने कहा क्या आपको लगता है कि दीदीमोनी (ममता बनर्जी) को इसके बारे में पता नहीं है?

आतंकी की गर्लफ्रेंड डॉक्टर शाहीन का एक ही डायलॉग था... कुछ बड़ा करना है...

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के लालकिले के पास सोमवार शाम हुए कार धमाके से ठीक एक दिन पहले गिरफ्तार हुईं लखनऊ की डॉ. शाहीन ने वर्षों पहले ही अपने इरादे जता दिए थे। कानपुर के जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में फार्माकोलॉजी विभाग की प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष रहीं शाहीन का व्यवहार 2009 में कन्नौज तबादले के बाद पूरी तरह बदल गया। साथी डॉक्टरों और स्टाफ को अब समझ आ रहा है कि कुछ बड़ा करना है कहकर वह क्या संकेत दे रही थीं। आतंकी संगठन से जुड़ाव और दिल्ली ब्लास्ट में भूमिका के खुलासे ने पूरे मेडिकल समुदाय को स्तब्ध कर दिया है।

शाहीन सात साल तक जीएसवीएम में प्रोफेसर रहीं। 1 सितंबर 2012 से 31 दिसंबर 2013 तक विभागाध्यक्ष भी रहीं। कन्नौज मेडिकल कॉलेज में छह माह का तबादला उनके लिए सजा जैसा था। वे स्पष्ट कहती थीं, कन्नौज से कानपुर या लखनऊ नहीं हुआ तो नौकरी छोड़ दूंगी। सूत्रों के अनुसार, कन्नौज में भी वे ज्यादातर कानपुर में ही दिखती थीं। विदेशी जीवनशैली पसंद करने वाली शाहीन भारत में रहना नहीं चाहती थीं। अक्सर कहतीं, मैंने जितने सपने देखे, एक-एक कर पूरा करूंगी। कुछ बड़ा काम करना है। कॉलेज परिसर के एल-29 आवास में पति डॉ. जफर हयात और दो बेटों के साथ रहने वाली शाहीन दूसरी मंजिल से नीचे कम ही उतरती थीं। बच्चों को भी दूसरे डॉक्टरों के बच्चों से घुलने-मिलने नहीं देती थीं। सहकर्मियों की टोकाटोकी पर बहानेबाजी करतीं। कन्नौज से लौटने के बाद विभागीय काम में रुचि खत्म हो गई। मेरिट से मिले फार्माकोलॉजी में शुरुआत में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन जल्द ही शांत और अलग-थलग हो गई। किसी न किसी बहाने छुट्टी मांगती रहतीं। बिना बताए गायब होने पर फटकार भी लगी, मगर सुधार नहीं हुआ।

एटीएस अब परत दर परत शाहीन का अतीत खंगाल रही है। मंगलवार को लखनऊ पैतृक घर और कानपुर कॉलेज के बाद बुधवार को प्रयागराज के मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज पहुंची, जहां से शाहीन ने 2002 में एमबीबीएस और 2006 में फार्माकोलॉजी में एमडी की। तीन सदस्यीय खुफिया टीम ने प्रशासनिक भवन, हॉस्टल, प्रवेश रिकॉर्ड, इंटर्नशिप दस्तावेज से लेकर सहपाठियों के नंबर तक जुटाए। पूछताछ में पता चला कि पढ़ाई के दौरान शाहीन शांत लेकिन तेज छात्रा थीं। क्या किसी संगठन से जुड़ाव था? कॉलेज के बाहर किससे मिलती थीं? पढ़ाई के बाद प्रयागराज आईं या नहीं? ऐसे सवालों की गहन जांच हो रही है। कॉलेज प्रशासन टीम के दौरे पर चुप्पी साधे है। सोशल मीडिया पर शाहीन की पुरानी ग्रुप फोटो वायरल हो रही है। प्रयागराज मेडिकल कॉलेज की पार्टी में खींची तस्वीर में वह दो छात्राओं और सात छात्रों के साथ है। आतंकवाद की निंदा करते कमेंट्स के बीच लोग हैरान हैं कि एक होनहार डॉक्टर आतंक की राह पर कैसे पहुंची। कानपुर, प्रयागराज और लखनऊ- तीनों मेडिकल कॉलेजों के प्रोफेसर, स्टाफ और छात्र सदमे में हैं। शाहीन के अचानक गायब होने का रहस्य अब खुल रहा है, लेकिन कुछ बड़ा करने की उनकी महत्वाकांक्षा ने देश को हिला दिया।